



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31]  
No. 31]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 30, 1994/श्रावण 8, 1916  
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 30, 1994/SRAVANA 8, 1916

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(विधायी प्रभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 8 जून, 1994

का. आ. 1681.—नोटरीज नियम, 1956 के  
नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि श्री मन मोहन सिंह, एडवोकेट  
के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन  
एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तोहाना  
(हरियाणा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप  
में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के  
प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से भेरे  
पास भेजा जाए।

[सं. 5 (75)/94-न्यायिक]  
पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 8th June, 1994

S.O. 1681.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules,  
1956 that application has been made to the said Authority,  
under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Man Mohan Singh  
Advocate for appointment as a Notary to practise in Tohana  
(Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person  
as a Notary may be submitted in writing to the undersigned  
within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(75)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

## सूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 1994

का. आ. 1682.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बसंत के मेहता, एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सांताक्रुज (वैस्ट) बम्बई, (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (78)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 9th June, 1994

S.O. 1682.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Vasant K. Mehta, Advocate, for appointment as a Notary to practise in Santa-cruz (W) Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(78)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

## सूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 1994

का. आ. 1683.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री दिलिप जे मंगसुले एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन

एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कोल्हा-पुर (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (77)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 9th June, 1994

S.O. 1683.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Dilip J. Mangsule, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kolhapur (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(77)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

## सूचना

नई दिल्ली, 29 जून, 1994

का. आ. 1684.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पवन कुमार गोयल, एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे गाजियाबाद उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (79)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 29th June, 1994

S.O. 1684.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Pawan Kumar Goel, Advocate for appointment as a Notary to practise in Ghaziabad (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(79)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

## सूचना

नई दिल्ली, 29 जून, 1994

का. आ. 1685.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सी. आर. विश्वास, एडवोकेट, के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे उत्तरी 24 परगना जिला (पश्चिम बंगाल राज्य में) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (80)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 29th June, 1994

S.O. 1685.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority,

under Rule 4 of the said Rules, by Sh. C. R. Biswas, Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. of North 24, Parganas (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(80)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

## सूचना

नई दिल्ली, 29 जून, 1994

का. आ. 1686.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री गोबिन्द सिंह राठौड़ के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सब्जी मण्डी, दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (43)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 29th June, 1994

S.O. 1686.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Gobind Singh Rathore, Advocate for appointment as a Notary to practise in Sabzi Mandi, Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(43)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आयकर महानिदेशक (छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 3 जनवरी, 1992

आयकर

क्र. आ. 1687.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एम पी बिड़ला मेडिकल रिसर्च सेन्टर

बिड़ला बिल्डिंग

9/1 आर एन मुखर्जी रोड, कलकत्ता-700001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा सबको के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सूचना 544 (एफ. में. म. नि./आ क. (छूट) पत्र-22/35(1)(ii) 89/आयकर (छूट)]

म० क० सरकार, उप निदेशक,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Office of the Director General of Income-tax (Exemptions)

Calcutta, the 3rd January, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1687.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule-6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the

Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one(two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

M.P. Birla Medical Research Centre,  
Birla Building,  
9/1, R.N. Mukherjee Road,  
Calcutta-700001.

This Notification is effective for the period from, 1-4-1991 to 31-3-1992.

Note : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of its period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 548(F. No. DG|WB-22|Cal|35(1)(ii)|89|

IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director.

कलकत्ता, 6 जनवरी, 1992

आयकर

क्र. आ. 1688.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक

सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजना, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिजर्व किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

इण्डियन सोसाइटी फार इंटरनेशनल ला.  
7-8 सिन्धिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1 उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा सर्वत्र के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन का सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 519 (एफ. स. म. नि./प्रा. क. (छूट) न. दि-8/  
35(1) (iii) (89)/प्राक (छूट)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 6th January, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1688.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for

every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Indian Society for International Law  
7-8, Scindia House,  
Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate). For further extension of the approval, to the Director General of Income-Tax (Exemption), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval, In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of its period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 549 (F. No. DG|ND-8|8|Cal|35(1)(iii) (89-IT(E))]

M. K. SARKAR, Dy. Director.

कलकत्ता, 15 जनवरी, 1992

(आयकर)

का. मा. 1689.—यहाँसाधारण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर विभाग के नियम 6 के अर्धत विहित प्राधिकार द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" सर्वत्र के अर्धत अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग खाता बहियां रखेगा।
- (ii) यह संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजना, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिजर्व किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

आ एल जी सी सहलूम बर्गर वायर लाइन रिसर्च सेन्टर

द्वारा आयल एण्ड नैचुरल गैस कमिशन, (कां. तल

कैलाश, 26 के जी मार्ग, नई दिल्ली-110001

यह अधिनियम दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "यस" जैसा नवग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 550 (एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) न दि-38/35(1) (ii) (89)/आक (छूट)]

म. कु. सरकार, उद्य. निदेशक

Calcutta, the 15th January, 1992

## (INCOME-TAX)

S.O. 1689.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

ONGC-Schlumberger Wireline Research Centre,  
C/o, Oil & Natural Gas Commission, 6th Floor,  
Kailash, 26 K. G. Marg, New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions)

having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 550|F. No. DG|ND38|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director.

कलकत्ता, 16 जनवरी, 1992

आयकर

का. मा. 1690.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन लिखित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अंतर्गत अनुमोदन किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई शर्तों पर किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विवरण की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हिमानगन इन्स्ट्र्यूट आफ हार्स्पिटल इन्स्ट

113/80 स्वर्ण नगर

कानपुर-208001

यह अधिनियम दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "यस" जैसा नवग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 551 (एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) न. पी. 9/35(1) (ii) (89)/आक (छूट)]

म. कु. सरकार, उद्य. निदेशक

Calcutta, the 16th January, 1992

## (INCOME-TAX)

S.O. 1690.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Himalayan Institute of Hospital Trust,  
113/89, Swaroop Nagar,  
Kanpur-208001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of its period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 551 (F. No. DG|UP-O|Cal|35(1)(ii)|80-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director,

कलकत्ता, 17 जनवरी, 1992

आयकर

का. भा. 1691—सर्वसाधारण जो एनद्वारा सूचित किया जा रहा है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के

अनुमति प्राप्त करने के लिए निर्दिष्टित शर्तों पर "संघ" शब्दों के अंतर्गत अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीबंदी रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परिक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिश्ते के द्वारा सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षण आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हिमालयियन फाउन्डेशन

180 एच एस के बालाई बजार, नई

मंडाल-600026

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उल्लेखित शर्तें (1) "संघ" जैसा शब्दों के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की शर्तों को पूरा करने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की शर्तों को पूरा करने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना हैं।

[संख्या: 552 (एफ. नं. म. नि./आ. क. (छूट) टी. एन. 81/25(1)(ii)(89)/आ. क. (छूट)]

म. क. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 17th January, 1992

## (INCOME-TAX)

S.O. 1691.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial

Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Eye Research Foundation,  
180, N.S.K. Salai, Vadapalani,  
Madras-600096.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 552 (F. No. DG|TN-21|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 17 जनवरी, 1992

आयकर

का. आ 1692 --सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:-

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिन्हें क्षेत्राधिकार में उक्त

संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो आई टिक्स चिन्ता गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वि आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन आफ इण्डिया  
एस नं. 102, केंद्रीय हिल, पो. नं. 832  
आफ पोड रोड, कोठरुड, पुने-411004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:- 1. उल्लिखित शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिन्हें क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 553 (एफ. नं. म. नि./आ. क. (छूट) 113/35(1)  
(ii)(90)/आक (छूट)]

म. कु. सरकार, उक्त निदेशक

Calcutta, the 17th January, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1692.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.



## NAME OF THE ORGANISATION

The Automotive Research Association of India,  
S. No. 108, Votal Hill, P.B. No. 832,  
Off Paud Road, Kothrud,  
Pune-411 004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 553 (F. No. DG|M-113|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 20 जनवरी, 1992

आयकर

का. आ. 1693.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिगर्स किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन काउंसिल ऑफ एग्रिकल्चरल रिसर्च,  
कृषि भवन, डा. राजेंद्र प्रसाद रोड,  
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

1675 GI94—2

टिप्पणी— 1 उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 554 (एफ. नं. म. नि./आ. क. (छूट) नं. दि-78/कल 35(1)(ii) (90)/आक (छूट)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 20th January, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1693.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indian Council of Agricultural Research,  
Krishi Bhawan, Dr. Rajendra Prasad Road,  
New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Cal-

cutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 554 (F. No. DG|ND-78|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 21 जनवरी, 1992

आयकर

का. घा. 1694.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संव” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक राशिय, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च किता गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जवाहर लाल नेहरू एल्यूमीनियम रिसर्च डेवलपमेंट एण्ड डिजाइनसेन्टर,  
मोहता अपार्टमेंट, कटोल रोड, छावनी  
नागपुर-440013

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1 उपर्युक्त शर्त (1) “संव” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सूचित दिया जाता है कि ये अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां राशिय, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 556 (एफ. सं. म ति./आ. क. (छूट) एम-100/कल 35(1)(ii)/(90)/आक (छूट)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 21st January, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1694.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioners of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION :

Jawaharlal Nehru Aluminium Research Development & Design Centre,  
Mohfax Apartment,  
Katol Road, Chhaoni,  
Nagpur-440013.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 556 (F. No. DG|M-100|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 21 जनवरी, 1992

आयकर

का०आ० 1695.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ग्रसिम मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट बिड़ला ग्राम, नागवा-456331 मध्य प्रदेश।

यह अधिगृहणा दिनांक 1-1-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्राप्ति/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 557 (एफ०न० म०नि०/आ०क०(छूट) एम्पी-1/35 (1)(ii) 89/आ०क०(छूट)]

म० कु० सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 21st January, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1695.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of

the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Grasim Medical Research Institute,  
Birlagram, Nagda-456331,  
Madhya Pradesh.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 557 (F. No. DG|MP-1|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 22, जनवरी, 1992

आयकर

का०आ० 1696.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी

भवन' न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

इण्डियन कैंसर सोसाइटी, 74 जर्बाई वाडिया रोड, परेल, बम्बई-400 012

यह अधिगुणा दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी.— 1. उपयुक्त शर्त (1) "सय" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 558 (एफ०सं० म०नि०/आ०क०(छूट) एम-59/35(1)(ii) (89)/आक (छूट)]

म० गु० सरकार, उप निदेशक

Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Indian Cancer Society,  
74, Jorbai Wadia Road,  
Parel,  
Bombay-400 012.

This Notification is effective from the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 558 (F. No. DG|M-59|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

Calcutta, the 22nd January, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1696.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary,

कलकत्ता, 22 जनवरी, 1992

#### आयकर

का०आ० 1697—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन' न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

हार्ट फाउन्डेशन एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट सी-11, सिल्वर ए आर सी गुजरात कॉलेज के पास रेलवे क्रॉसिंग, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी.—1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संघ के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 559 (एफ०सं० म०नि०/आ०क० (छूट) जी-24/35(1)(ii) (90)/आ० (छूट)]  
म० कु० सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 22nd January, 1992

## INCOME-TAX

S.O. 1697.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Heart Foundation and Research Institute, C-11, Silver ARC, Near Gujarat College, Railway Crossing, Ellis Bridge, Ahmedabad-380006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|

Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 559 (F. No. DG|G-24|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 24 जनवरी, 1992

## आयकर

क्र०आ० 1698—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघ के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए खर्च लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्के किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

हेरिफाउन्डेशन एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट (एण्ड टावस कोलाजी एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट), पताफार्ड-601301, चिन्नैपुर तमिलनाडु।

यह अधिसूचना दिनांक 9-3-90 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी.—1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संघ के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 560 (एफ०सं० म०नि०/आ०क० (छूट) टी एन-42/कल 35(1)(ii) (90) आ० (छूट)]

म० कु० सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 24th January, 1992

## INCOME-TAX

S.O. 1698.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five[one|two] of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Fredrick Institute of Plant Protection and Technology (FIPPAT)  
Padappai-601301,  
Chingleput Dist.  
Tamil Nadu.

This Notification is effective for the period from 9-3-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 560 (F.No. DG|TN-43|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 28-01-92

प्रायकर

कॉन्सॉ 1699—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6

के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर संस्था संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाश को भी प्रस्तुत करेगा ।

श्री अरविन्द आश्रम ट्रस्ट, पों० आ० श्री अरविन्द आश्रम पोंड्डीचेरी-605002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए, प्रभावी है ।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (i) "गव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को । करना है ।

[संख्या : 561 (एक सं० म०नि० आ०क० (छूट) गण्ड-3 कल 35(1)(ii) (89) प्राक(छूट)]

म०कु० भरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 28th January, 1992

## INCOME-TAX

S.O. 1699.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five[one|two] of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Ashram Trust,  
P.O. Sri Aurobindo Ashram,  
Pondicherry-605002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or Shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 561|F. No. DG|Pond-3|Cal|35(1)(ii)|10-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1992

आयकर

का० आ० 1700—सर्वसाधारण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन निहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महराष्ट्र रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

सिद्धोमल रिसर्च फाउंडेशन 40, गली राजा कदार नथ, चूरी बाजार, दिल्ली-110006।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 562/एक०१०० ग०वि०/आ०क० (छूट)—तदि- 7/35(1)(ii) (89)/आ०क०(छूट)]

स० कु० सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 28th January, 1992

#### INCOME-TAX

S.O. 1700.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of cause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Siddho Mal Research Foundation,  
40, Gali Raja Kedar Noth,  
Chawri Bazar,  
Delhi-110006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 562/F. No. DG/ND-7/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 5 फरवरी, 1992

आयकर

कां० 1701.—संस्थापन की पुष्टि/सूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन की आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर, नियम के नियम 6 के अंतर्गत विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अंतर्गत अनुमोदन किया गया है —

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परिक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/अधिकार महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्कर् किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परिक्षित आय-व्यय हिसाब भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

संस्था का उद्देश्य फार हेल्थ केयर द्वारा सण्ड फार्मास्यूटिकल वर्कस लि० गोखले रोड, माउथ बाग्ने-400025

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: - 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तान प्रतियो में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि

बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 562/एफ० नं० डी०/आ००० (छूट) एम-112/35(1)  
(ii) (१०)/ए००० (छूट)]

सं०० सरकार, उप-निवेशक

Calcutta, the 5th February, 1992

## INCOME-TAX

S.O. 1701.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Zandu Foundation for Health Care,  
C/o, Zandu Pharmaceutical Works Ltd.,  
Gokhale Road,  
South, Bombay-400025.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for



extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 563/F. No. DG/H-112/Cal/35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 7 फरवरी, 1992

आयकर

कांअां 1702- सर्वसाधारण की पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:--

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू महरौला रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परिक्षित वार्षिक लेखा का प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) से जो गई गिनती किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परिक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ट्रिटेमेंट एंड ट्रेनिंग ऑफ चिल्ड्रन इन नीड ऑफ स्पेशल केयर शूरी हिल, शूरी रोड, बम्बई-400033।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभाव है।

टिप्पणी :- 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को भूमात्र दिया जाता है कि ये अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को ज्ञान प्रतियोगी में आवेदन करें, अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र का 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[यथा 564/एफ नं० मॉनि०एम 73/35(1)(ii)  
89 आ०अ० (छूट)]

म०फ० सरकार, उप-निदेशक

Calcutta, the 7th February, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1702.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has 1675 GI/94—3.

been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Research Society for the Care Treatment & Training of Children in need of Special Care, Sewri Hill, Sewri Road, Bombay-400033.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 564/F. No. DG/M-73/Cal/35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director.

कलकत्ता, 7 फरवरी, 1992

आयकर

कांअां 1703--सर्वसाधारण की पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम

6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्व-विद्यालय" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क किया गया सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

थापर अभियंत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान, पटियाला-147001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :- 1. उक्त शर्तें (1) "गैर" जैसा संवेग के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सूचित किया जाता है कि वे अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 565 / 0 फ० सं० म० लि० / पी. 4 / भा० क० (छट) / 35(1) (ii) / 89-आ. क. (छट)]

म० कु० सरकार, आ निदेशक

Calcutta, the 7th February, 1992

#### INCOME-TAX

S.O. 1703.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five [one] two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli

Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax | Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Thapar Institute of Engineering and Technology, Patiala-147001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax | Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 565 | F. No. DG | P-4 | Cal | 35(1)(ii) | 89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 7 फरवरी, 1992

आयकर

का.आ. 1704.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क किया गया संबंधित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

एसोसिएशन फॉर द वेलफेयर ऑफ पर्सन्स विथ ए मेंटल हैन्डिकैप इन महाराष्ट्र, भारत इन्शोरन्स बिल्डिंग, फर्स्ट फ्लोर, 15-ए, होर्नमैन सर्कल, बम्बई-400023

यह अधिसूचना विनाक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी-1 उपर्युक्त शर्त (1) 'संघ' जैसा सबको के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा-निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करेंगे।

[संख्या. 566/एफ. स. म. नि./एम 38-कल०/35(1) (iii)  
/89-आ. क. (२)]

म कु सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 7th February, 1992

## INCOME-TAX

S.O. 1704.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five one three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Association for the Welfare of Persons with a Mental Handicap in Maharashtra, Bharat Insurance Building, 1st Floor, 15-A, Horniman Circle, Bombay-400023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or Shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 566/F. No. DG|M-38|Cal|35(1) (iii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 10 फरवरी, 1992

## आयकर

का.आ. 1705 --सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन लिखित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :--

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रत (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्त/प्रायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

जैन विपक्षभारती पो--लाडकान 341306 राजस्थान (भारत)  
यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1 उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा सबको के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा-निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की

6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान  
विभाग को प्रस्तुत करना है

[संख्या : 567/एफ सं. म. नि./आर-3/आ. क. (छूट)/35  
(1)(iii)/89-आ. क. (इ.)]  
म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 10th February, 1992

### INCOME TAX

S.O. 1705.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one|three of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year. and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income-expenditure and its assets and liabilities.

### NAME OF THE ORGANISATION

Jain Vishva Bharati,  
P. O. Ladnan-341306,  
Rajasthan (India).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 567/F. No. DG/R-3/Cal/35(1)(iii)/89-IT (E)]  
M. K. SARKAR, Dy. Director.

कलकत्ता, 10 फरवरी, 1992

आयकर

का. आ. 1706.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 को उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदन किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मद्रास अभियांत्रिकी ऑफ मैनेटोबायोलोजी, 52-ए, ए. के. ब्लाक, 7-मुख्य सड़क, अन्ता नगर, मद्रास-600040

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 568/एफ सं. म. नि./टी एन-19/आ. क. (छूट)/35  
(1)(ii)/89-आ. क. (इ.)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 10th February, 1992  
(INCOME-TAX)

S.O. 1706.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has

been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Madras Institute of Magnetobiology,  
52-A, A.K. Block, 7th Main Road,  
Anna Nagar, Madras-600 040.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 568|F. No. DG|TN-19|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता; 11 फरवरी; 1992

(आयकर)

का. आ. 1707:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन बिहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ज) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

नेशनल काउंसिल फोर सीमेन्ट एण्ड बिल्डिंग मैटीरियल

एन-10, साउथ एक्स-II,

रिंग रोड, नई दिल्ली-110049

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 569 (एफ. सं. म. नि. एन डी-62/आ. क (छूट) 35(1) (ii)/90-आ. क. (छूट)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 11th February, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1707.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income-expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

National Council for Cement and Building Materials, M-10, South Extension II, Ring Road, New Delhi-110049.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

**NOTE :** The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 569/F. No. DGE/ND-62/Call/35(1)(ii)/90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 12 फरवरी, 1992

आयकर

का.प्र. 1708.—सर्वसाधारण को एम्बेड्डिंग सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन त्रिहस्त प्रार्थिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा बहिन्यां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) पत्रिक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई शर्तें क्रियान्वित गता संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विवरण का भा प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जसलोक अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर, 15, डॉ. देशमुख मार्ग, बम्बई-400026

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचित दिया जाता है कि ये अनुमोदन को आयकर बहिन्यां के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रेषित करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग का प्रस्तुत करने हैं।

[सं. 570/एफ सं. मं.नि.०/एम-35 आ.०(क.०/35(1)(ii)/89-आ.क. (द)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 12th February, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1708.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Jaslok Hospital and Research Centre, 15, Dr. Deshmukh Marg, Bombay-400026.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

**NOTE :** The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of

three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No 570/F.No. DG/M-35/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]  
M. K. SARKAR, Dy. Director  
of Income-tax (Exemptions) HQ-1

कलकत्ता, 12, फरवरी, 1992

आयकर

सं.आ. 1709—संविधान के अनुच्छेद 285 के अन्तर्गत निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए धन लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दी गई शर्तें निर्धारित किया गया संबंधित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जयन्त इण्डस्ट्रियल एंड साइंटिफिक रिसर्च, सीताफलवादी मजगाँव, बम्बई-400019

यह अधिसूचना दिनांक 9-1-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को भुगतान किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 571/एफ. स. स.नि/एम-64/आ. क. (छट) 35(1)(ii)/89 आ.क. (इ)]  
स. क. सरकार, उपनिदेशक

Calcutta, the 12th February, 1992  
(INCOME-TAX)

S.O. 1709.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in

concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one|two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Jayant Industrial and Scientific Research,  
13, Sitafalwadi Mazagaon,  
Bombay-400 010.

This Notification is effective for the period from 9-1-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 571/F. No. DG/M-64/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]  
M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 12 फरवरी, 1992

आयकर

सं.आ. 1710.—संविधान के अनुच्छेद 285 के अन्तर्गत निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए धन लेखा बहियां रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, "वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित-भाष्य-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

उषा वैज्ञानिक शोध संस्थान, 14, प्रिंसेप स्ट्रीट, कलकत्ता-700072  
यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।  
2. संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 572 एफ. सं. म निबं-1जी/आ.क. (छूट) 35(1) (ii)  
89-प्राक (इ)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 12th February, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1710.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Meharauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Usha Scientific Research Institute,  
14, Prinsep street,  
Calcutta-700072.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 572|F. No. DG|WB-10|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director.

कलकत्ता, 12 फरवरी, 1992

#### आयकर

का.प्रा. 1711.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "टी.ओ.बी.बी. भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित भाष्य-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

नातकीरा मेटे रियल टैक्नोलॉजी डिजाइनमेंट सेंटर  
(एन.एफ.एम.टी.डी.सी.), द्वारा इन्फोर्मेटिकल  
रिसर्च लैबोरेटरी पी.ओ. नंजनवाग  
हृदयवात-500258 (आ.प्र.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।



2 संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम आयकर महा-निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 573 एक. स. म. नि. आप्र 12/ आक (छूट)/35(1) (ii)/ (90-आक(क))]

म. कु. सरकार, उपनिदेशक

Calcutta, the 12th February, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1711.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one[two] of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Non-Ferrous Materials Technology Development Centre (NFTDC),

C/o, Defence Metallurgical Research Laboratory,

P.O. Kanchanbagh, Hyderabad-500258 (A.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax 1675 GI/94—4

Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 573/F. No. DG/AP-12/Cal/35(1) (ii)/90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 12 फरवरी, 1992

आयकर

का.भा. 1711.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन, को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 को प्रवीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अर्धीन अनुमोदित किया गया है —

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महा-निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल इंस्ट्रूमेंट एंड एजुकेशन सोसाइटी,

घोर सावरकर मार्ग, माहिम,

बम्बई-400016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1 उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2 संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 574 एक. स. म. नि. आ. क. (छूट)

35(i) (ii)/ 90 आक(छूट)]

म. कु. सरकार, उप-निदेशक

Calcutta, the 12th February, 1992

का.प्र. 18 फरवरी, 1992

## (INCOME-TAX)

प्राप्तक

S.O. 1712.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

National Health & Education Society,  
Veer Sevarkar Marg, Mahim,  
Bombay-400 016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 574(F. No. DG|N-132(Cal|35(1) (ii) |90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

का.प्र. 1713—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन शक्ति प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ष के अंतर्गत अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुमोदन कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्चें किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

विष्टुल भन्दा साइंटिफिक रिसर्च फाउंडेशन, 1, लिवटुल मन्दा रोड, बेंगलूर - 56001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 575 (एक. सं. केटी स.नि./आक. (छूट) 35 (1) (ii)/90-  
आ. क. (ई)]

म. कु. सरकार, उप-निदेशक

Calcutta, the 18th February, 1992

## (INCOME-TAX)

S.O. 1713.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary.

Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Vittal Mallya Scientific Research Foundation,  
1, Vittal Mallya Road,  
Bangalore-560001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 575/F. No. DG|KT-1|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 18 फरवरी, 1992

आयकर

का.आ. 1714.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उप-धारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू महरोली रोड", नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-वारीशतः वार्षिक विवरण की प्रतः (क) आयकर अधिनियम (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयुक्त महा-निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है और जिनके

कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

आन इंडिया हर्ट फाउंडेशन 4874 (फर्टे फनार), अम्बारी रोड  
24 दरिया गंज, नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयुक्त निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा-निदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 576/एफ.सं. एनडी 39 म.नि./आ.क. (छूट) 35(1) (ii) 89-  
आक. (ए.)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 18th February, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1714.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

All India Heart Foundation,  
4874 (1st Floor), Ansari Road,  
24, Daryaganj,  
New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemption), Calcutta through the Commissioner of Income-tax (Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 576/F. No. DG/ND-39/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 18 फरवरी, 1992

आयकर

का.मा. 1715.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन निहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा-बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिक्तियां किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री ए. एस. एम. मुरुगुप्पा चेट्टियार रिसर्च सेंटर, टीएम हाऊस, 28 राजाजी सलाई, मद्रास-600001

यह आदेश/सूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (i) संघ जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के प्रयत्न में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 577/एफ सं टीएम-4/का. क. (छूट) 35(1)(ii)/89-  
आ.क. (ई)]

म. क. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 18th February, 1992

## INCOME-TAX

S.O. 1715.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax (Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Shri A.M.M. Muruguppa Chettiar Research Centre, Tiam House, 28, Rajaji Salai, Madras-600001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax

Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 577/F. No. DG|TN-4|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 18 फरवरी, 1992

आयकर

क्र. भा. 1716.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाना है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा 1(1) के खंड (ii) के लिए, आयकर विभाग 6 के अधीन विहित प्राधिकार द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई विस्तृत किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करता।

संगठन का नाम

जयारामदास पटेल सांख्यिकी रिसर्च फाउन्डेशन, 705, ईरोस अपार्टमेंट्स, 56 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-1992 तक को अवधि के लिए प्रभाव है।

टिप्पणी:- 1. उक्त सं. (1) "घ" शर्त संवर्ग के लिए लागू नहीं है।

2. कोष्ठक में उद्धृत किया गया है कि ये अनुसंधान को (क) छूट के लिए आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में सावेदन करें, अनुमोदन की प्रतियाँ बटवारे के संबंध में कि सावेदन पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 578/एफ.नं. एन.ए-17/म.नि./आ. क (छूट)/35(1)(ii)/89-  
आ. क (ई)  
आयकर विभाग

Calcutta, the 18th February, 1992

## INCOME-TAX

S.O. 1716.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five)[one][two] of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income-expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Jayaramdas Patel Scientific Research Foundation,  
705, Eros Apartments, 56, Nehru Place,  
New Delhi-110019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 578/F. No. DG|ND-17|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 19 फरवरी, 1992

आयकर

क्र. आ. 1717.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" सर्वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा :

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई शर्तें निम्न किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दिव्यज्योत आयुर्वेदिक रिसर्च फाउंडेशन, 9, स्वेटा पार्क, मन्त्रालय भवन, आर. हाउस, अहमदाबाद-380015

यह अधिसूचना दिनांक 28-1-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :- 1. उक्त शर्तें (1) 'संघ' जैसा सर्वर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या. 579 (एफ.सं. जी-49/म.नि./आ.क. (छूट)/35(1)(ii)/90-आ.क. (ई)]

म. क. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 19th February, 1992

## INCOME-TAX

S.O. 1717.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Divyajyot Ayurvedic Research Foundation, 9, Sweta Park, Near Manekbaugh Hall, Ahmedabad-380015.

This Notification is effective for the period from 28-10-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 579/F.No. DG/G-49/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 19 फरवरी, 1992

आयकर

क्र. आ. 1718.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" सर्वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई शर्तें निम्न किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करना है।

copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

संगठन का नाम

श्री मदर्स इंस्टीट्यूट आफ रिलिज,  
10, सालफोरा रोड,  
नई दिल्ली-110001

The Mother's Institute of Research,  
10, Talkatora Road,  
New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 1-4-92 तक भी अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उभय ऋतु ऋतु (i) "संघ" जैसा संघों के लिए लागू नहीं होगा।

३. संगठन का सुझाव दिया जाता है कि वे अनुसंधान की प्रवृत्ति बढ़ाने के लिए आयुक्त आयुक्त/आयुक्त निदेशक (एनट) उनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयुक्त सहायनिदेशक (हूट), कसकता की नवन प्रतियों में धोयेदन करें, अनुसंधान की प्रवृत्ति बढ़ाने के संग्रह में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां यांचव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की प्रदान करना है।

[संख्या 5-47/प्र.क.न. डा. ऑ. एन.डी.-47/म.नि./मा.क./ (छट्ट)/35(1)(ii)  
90-मा. क. (ई)]

म. क. सरकार, उप निरीक्षक

**NOTE :** The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax, Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 580|F. No. DG|ND-47|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

Calcutta, the 19th February, 1992

(INCOME-TAX)

कलकत्ता, 24 फरवरी, 1992

**श्रीमद्वक्त्रं**

S.O. 1718.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one] two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

का.धा. 1719.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, प्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघों के अधीन अग्रमोचित किया गया है:—

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a

संगठन का नाम

तत्प्रमाण बाळमिल ऑफ एपसाइट संकेतोर्त गिसचं II,  
उद्गपस्य इस्टेट, तर्हि विएसी-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "सब" जैसा संयोग के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा-निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 581/एफ सं. ए.डी.-41/म.नि./आ.क. (छूट)/35(1) (iii)/  
89-आ के (ई)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 24th February, 1992

(INCOME-TEX)

S.O. 1719.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

National Council of Applied  
Economic Research,  
11, Indraprastha State,  
New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 581/F. No. DG/ND-41/Cal/35(1) (iii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 24 फरवरी, 1992

आयकर

का. घा. 1726—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संयोग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भलग लेखा ब्रह्मिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा—परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्कर् किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विश्वरत्न केन्द्र योग रिस्के फाउंडेशन, नं. 9, अण्णाभासा  
प्रसादा, तामा गार्गोई,  
बैंगलोर-560018

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "सब" जैसा संयोग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा-



निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 582/एफ. स. म. नि. केटी-14 प्रा. क. (छूट)/35(1)(ii)/

89--आयकर(इ.)]

म. कृ. सरकार, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th February, 1994

### (INCOME-TAX)

S.O. 1720.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st Mar of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

### NAME OF THE ORGANISATION

Vivekananda Kendra, Yoga Research Foundation,

No. 9, Appajappa Agrahara, Chamarajapet, Bangalore-56018.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of Three months aforesaid 1675 GI/94-5

or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 582 (F. No. DGKT-14/Cal/35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 24 फरवरी, 1992

### आयकर

का. प्रा. 1721 --सर्वकार द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 को उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रयोजन निहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के प्रयोजन आत्मनिर्भर किया गया है :-

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए पर्याप्त लेखाबहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110018 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिपोर्ट किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आगन्त्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

### संगठन का नाम

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रबल है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संस्था" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सूचित दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 583(एफ.सं. जी-16.म.नि./प्रा.क. (छूट)/35(1)(iii)/89-आक(इ.)]

म. कृ. सरकार, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th February, 1992

### (INCOME-TAX)

S.O. 1721.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has

been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five[one] three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mcharauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Gujarat Institute of Area Planning,  
Sarkhej Gandhinagar Highway,  
Gota-382481,  
Distt. Ahmedabad.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply in triplicate for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 583/F. No. DG/G-16/Cal/34(1) (iii) [89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 25 फरवरी, 1992

आयकर

का.प्र. 1722 — सर्वसाधारण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा

35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संघों के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक गतिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिगचं किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आद-व्यय विवरण को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कोटारो इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस धर्मवर्मा म्यूचुअल  
निश्चिन्ना (फिन्स एनोर्) 9, बंगलौर रोड,  
कलकत्ता-700001

इस अधिनियम दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संघों के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है वे माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी है।

[संख्या : 584/एफ.स. प.व-2/म नि/आ.क (छट)/35 (1) (ii)/  
89-आ.क. (ख)]

म कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 25th February, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1722.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five[one] two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secre-

tary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Kothari Institute of Medical Sciences,  
Bombay Mutual Building (5th Floor),  
9, Brabourne Road,  
Calcutta-700001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No.584/F/No. DG/WB-2/Cal/35(1) (ii) 89-IT (E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 25 फरवरी, 1992

(आयकर)

का.मा. 1723—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संघों के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर

महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उस संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

नालाबते होस्पिटल मेडिकल केन्द्र, स्वामी विवेकानन्द रोड, गाँव पारने (पश्चिम) बम्बई-400056

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघों के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 585/एफ.स. एम. 58 मा. नि./मा.क. (छूट)/35 (1) (ii)/  
89 आ.क. (इ)]

म.क. सरकार, उप निदेशक आयकर

Calcutta, the 25th February, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1723.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May on each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Nanavatji Hospital Medical Research Centre,  
Swami Vivekananda Road,  
Ville—Parle (West),  
Bombay-400056.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 585|F. No. DG|M-58|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director.  
of Income Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 25 फरवरी, 1992

आयकर

क्र.आ. 1724 :—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन बिहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनिवार्य से लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक रात्रि, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र,  
जनपथ नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा सबर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), बयकत, को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र को 6 प्रतियां संवध, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 585/एफ. नं. एम.डी.-22-म.नि. आ. क. छूट) 35(1)(ii)

89अ. (ई)]

म. कु. र. रकार, उपा निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 25th February, 1992

## (INCOME-TAX)

S.O. 1724.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research :

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities ;

## NAME OF THE ORGANISATION

Indira Gandhi National Centre for the Arts,  
Janpath, New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the

expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 586/F. No. DG/ND-22/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director.

कलकत्ता, 25 फरवरी, 1992

#### आयकर

क्र.आ 1725:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर निवृत्त के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संस्था' संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को पति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिगर्स किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

संधाता मेडिकल रिसर्च सोसाइटी,  
एक्सटेंशन एरिया,  
मिराज-416410 (एम.एस.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 587/एफ. सं. एम-44-म. नि.-आ. क.-(छूट) 35 (1) (ii)/  
89/आ. क. (छूट)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 25th February, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1725.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Sandhata Medical Research Society, Extension Area, Miraj-416410 (M.S.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 587/F. No. DG/M-44/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 25 फरवरी, 1992

आयकर

का.आ. 1726:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि गुजरात कैंसर सोसाइटी, न्यू सिविल हॉस्पिटल कंपाउण्ड, असारवा,  
अहमदाबाद-380016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संस्था" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं० 588/एफ.सं. जीजी-22-म.नि./आ.क. (छूट) 35 (1) (ii)/89-आई.टी. (ई)]

म.कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 25th February, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1726.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May if each year ; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax(Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Gujarat Cancer Society, New Civil Hospital Compound, Asarwa, Ahmedabad-380016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 588|F. No. DG|G-22|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR., Dy. Director

कलकत्ता, 25 फरवरी, 1992

आयकर

का.आ. 1727:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कि या

यह सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षण आय-व्यय हिस्सा को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

इंडियन मेडिकल साइंटिफिक रिसर्च फाउंडेशन, अजय मैगन, मालवीय रोड, राजकोट-360002, गुजरात (इंडिया)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1992 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 589/एफ.सं. डी.जी./जी-50-ग.नि.आ.क. (छूट) 35 (1)-(ii)/91-आ.क. (इ)]

म.कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 25th February, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1727.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May if each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax(Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Indian Medical Scientific Research Foundation,  
Ajoy Mansion, Malaviya Road, Rajkot-  
360002, Gujarat (India).

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 589/F. No. DG|G-50|Cal|35(1)(ii)|91-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 26 फरवरी, 1992

#### आयकर

का.घा. 1728 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अंतर्गत विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक द्वितीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिग्स किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिस्सा को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

भारतीय वैज्ञानिक अनुसंधान फाउंडेशन, 753, डॉ. चौडी रोड, पराग कॉलोनी, बम्बई-400014

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 590/एफ.सं. म. 43/आ.क. (छूट) 35(1)(ii) 89-आ.क. (ई.)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 26th February, 1992

### (INCOME-TAX)

S. O. 1728.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) of the Income-tax Act, 1961 under the category "College" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May if each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

### NAME OF THE ORGANISATION

International College of Surgeons, 753, Dr. Chanti Road, Parsi Colony, Bombay-400014.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the

order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 590/F. No. DG/M-43/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 26 फरवरी, 1992

### आयकर

का.प्र. 1729—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "कॉलेज" शर्तों के अंतर्गत अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रयोगशाला भवन, "न्यू मेहरौली रोड" दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षण वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई शर्तों को पालन किया गया गवर्नित छूट के बारे में लेखापरीक्षण आवेदन-पत्र दिवाव को भी प्रस्तुत करेगा।

### संगठन का नाम

मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन सोर्द्रेज भवन, 4-ए, डॉ. चंटी रोड, बम्बई-400014

यह अधिसूचना वित्तिक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1 उपर्युक्त शर्तों (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 591/एफ. सं. एम/31-म.नि.आ.क. (छूट) 35(1)ii/90आ.क. (ई.)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 26th February, 1992

### (INCOME-TAX)

S.O. 1729.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific &



Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Foundation for Medical Research, Godrej Bhavan, 4-A, Home Street, Bombay-400001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 591|F. No. DG|M-131|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 27 फरवरी, 1992

प्रायकर

का. भा. 1730.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, प्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संगठन" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियों रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) प्रायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में जो गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हास्पी एगरीकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउण्डेशन, गार्दरी हाउसिंग सोसाइटी फास रोड नं. 1, पो. वाक्स नं.-7602 साताड (पश्चिमी) बम्बई-400064

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है को माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र का 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 592/एफ. स. एम-4/म नि./भा.क. (छूट) 35(1)(ii)/89आक(ई)]

म.क. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 27th February, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1730.—[It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary,

Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax(Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

### NAME OF THE ORGANISATION

Aspec Agricultural Research and Development Foundation, Adarsh Housing Society Cross Road, No. 1, P.O. Box No. 7602, Malad (West), Bombay-400 064.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 592|F. No. DG|M-4|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 27 फरवरी, 1992

आयकर

का.प्र. 1731.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्स किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

पैरामाउन्ट एकाडमी आफ टेक्नोलॉजी, 14-3 छातावाला लैंन  
कलकत्ता-700012

यह अधिसूचना दिनांक 28-10-1993 से 31-3-1993 तक के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग ले लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन का सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 593 / एफ. सं. पब-39 म.नि./मा.क. (छूट) 35(i)(ii)/90-  
आक(ई)]

म. क. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 27th February, 1992

### (INCOME-TAX)

S.O. 1731.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

### NAME OF THE ORGANISATION

Paramount Academy of Technology,  
14-3, Chhatawala Lane,  
Calcutta-700012.

This Notification is effective for the period from 20-10-1991 to 31-3-1993.

की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax, Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[संख्या 594 (एफ. सं. एम-104/म. नि. प्रा.क. (छूट) 35(1) (ii)/ 90 आ क(ब)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 27th February, 1992

### (INCOME-TAX)

S.O. 1732.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax, Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

### NAME OF THE ORGANISATION

Logmanya Tilak Hospital, Silver Jubilee Research Foundation,  
L.T.M.G. Hospital, Sion,  
Bombay-400022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax, Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the

[No. 593/F. No. DG/WB-39/Cal/35(1) (ii)/90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 27 फरवरी, 1992

### आयकर

का.आ. 1732.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संगठन" वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीयां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्कर् किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

### संगठन का नाम

लोकमान्य तिलक हॉस्पिटल, गिल्बर्ट जुबली रिसर्च फाउण्डेशन, एन.टी.एम. जी. हॉस्पिटल, सायन, बम्बई-400022

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघ के लिए लागू नहीं होगा।  
2 संगठन को गुणाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र

Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 594/F. No. DG/M-104/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 27 फरवरी, 1992

आयकर

का. प्रा. 1733.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित "संगठन"

संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महाविदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

लोकमान्य तिलक म्यूनिसिपल मेडिकल कालेज एंड लोकमान्य तिलक म्यूनिसिपल जनरल हॉस्पिटल स्टाफ एंड रिसर्च सोसायटी, सियॉन, बम्बई-400022

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 595 (एफ. सं. एम-105 म.नि/आ.क. (छूट) 35(1)(ii) / 90-म.क. (छूट)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 27th February, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1733.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-

section (1) of Section 35 (Thirty Five) (two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Logmanya Tilak Municipal Medical College and Lokmanya Tilak Municipal General Hospital Staff and Research Society, Sion, Bombay-400022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 595/F. No. DG/M-105/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 27 फरवरी, 1992

आयकर

का.प्रा. 1734.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संगठन" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

जगदल साइंटिफिक रिसर्च फाउण्डेशन, 35, संपांगी टैंक रोड, बंगलोर-560027

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचित दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है को माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

संख्या 596/एफ. सं. म. नि. केट-10/बल/35(1)(ii)(89-आ.क. (छूट)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 27th February, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1734.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research,

search, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Jagdale Scientific Research Foundation,  
35, Sampangi Tank Road,  
Bangalore-560027.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 596/F. No. DG|KT-10|Cal|35(1)(ii)[89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

कलकत्ता, 28 फरवरी, 1992

#### आयकर

का.आ. 1735.—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उस संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई गिनती किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

मराठी रिसर्च फाउण्डेशन, मेने बिल्डिंग, श्री गोविन्द राव जी मराठे रोड, मिराज-416410, जि. -सांगली

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) 'संघ' जैसा सर्वग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 597/एफ. सं. डा. आ. नम-81/म. नि. आ. क. (छूट) 35(1)]

(ii) 90आ. क. (छूट)]

म. कु. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 28th February, 1992

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1735.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Marathe Research Foundation.  
Mane Building,  
Shri Govindraoji Marathe Road,  
Miraj-416 410, Distt. Sangli (M.S.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 597|F. No. DG|M-81|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director

Calcutta, the 28th February, 1992

कलकत्ता, 28 फरवरी, 1992

## (INCOME-TAX)

## आयकर

का.आ. 1736—आई.आय.एन को एन.डी.आर. सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन' न्यू मुहुरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (एट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (एट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क दिया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

दि.ए.ए.आई. सोशल एण्ड लेबर रिसर्च फाउन्डेशन, द्वारा द इम्प्लायर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, आर्मी एण्ड नेवी बिल्डिंग 148, एम जी रोड, बाम्बे-23

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संस्था" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

(2) संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (एट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (एट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 598/एफ. सं. एम.-29/म नि./आ.क. (छूट)/35(1)  
(iii)/89 आ क (ई)]

म.क. सरकार, उप निदेशक

S.O. 1736.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

The EFI Social and Labour Research Foundation,  
C/o, The Employers' Federation of India,  
Army and Navy Building, 148, M. G. Road,  
Bombay-400 023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 598/F. No. DG|M-29|Cal|35(1)(iii)|89-IT(E)]  
M. K. SARKAR, Dy. Director

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1994

का. आ. 1737.—रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 की धारा 6 के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री आर. आर. गुप्ता को दिनांक 16 जुलाई, 1994 से 5 मई, 1996 तक की और अवधि के लिए औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं. 7/2/94—बी. ओ. 1]

के. के. मंगल, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 5th July, 1994

S.O. 1737.—In pursuance of the powers conferred by section 4 read with section 6 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985, the Central Government hereby re-appoints Shri R. R. Gupta, as the Chairman of the Board for Industrial and Financial Reconstruction for a further period from 16th July, 1994 and upto 5th May, 1996.

[No. 7/2/94-B.O.I.]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1994

का. आ. 1738.—रुग्ण औद्योगिक कंपनियों (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 (1986 का 1) की धारा 6 के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा डा. महफूज अहमद को 1 मई, 1994 से 30 अप्रैल, 1996 तक की और अवधि के लिए औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के सदस्य के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं. 7/6/94—बी. ओ.—1]

के. के. मंगल, अवसर सचिव

New Delhi, the 5th July, 1994

S.O. 1738.—In pursuance of the powers conferred by section 4 read with section 6 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1986), the Central Government hereby re-appoints Dr. Mahfooz Ahmed, as a Member of the Board for Industrial and Financial Reconstruction for a further period from 1st May, 1994 and upto 30th April, 1996.

[No. 7/6/94-B.O.I.]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1994

का. आ. 1739.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेवखली अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार,

एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग) प्रभाग की दिनांक 26 जुलाई, 1989 की अधिसूचना सं. 13/1/89 बी. ओ. (III) जो 9 सितम्बर, 1989 को भारत के राजपत्र में का. आ. सं. 2108 के रूप में प्रकाशित हुई थी, में निम्नलिखित संशोधन करती है, यथा :—

मव सं. 1 के प्रारम्भिक भाग में उक्त अधिसूचना की सारणी और उससे संबंधित प्रविष्टियों में निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा—

(1)

(2)

संयुक्त प्रबंधक (संपदा),  
भारतीय रिजर्व बैंक,  
बम्बई

भारतीय रिजर्व बैंक का या  
उसके द्वारा या उसकी ओर से  
न्यू बम्बई सहित बम्बई से पट्टे  
पर लिये गये या इजाजत और  
अनुज्ञप्ति द्वारा लिए गए सभी  
परिसर

[सं 13/1/89-बी. ओ. III]

बी. एल. सचदेव, अवसर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1994

S.O. 1739.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) the Central Government hereby makes the following amendment to the Notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. 13/1/89-B.O. III, dated 26th July, 1989 published as S. O. No. 2108 in the Gazette of India dated 9th September, 1989, namely :—

In the Table to the said notification in the opening portion for item number 1 and entries relating thereto the following shall be substituted, namely :—

(1)

"The Joint Manager (Estate),  
Reserve Bank of India,  
Bombay.

(2)

All the premises belonging to,  
or taken on lease or leave  
and licence by or on behalf  
of the Reserve Bank of India,  
in Bombay including New  
Bombay."

[No. 13/1/89-BO-III]

B. L. SACHDEVA, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1994

का. आ. 1740.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध यूनाइटेड बैंक



ग्राफ इंडिया कलकत्ता पर 8 मार्च, 1996 तक की अवधि के लिए उस सीमा तक लागू नहीं होंगे, जहां तक उनका सम्बन्ध गिरवीदार के रूप में तिवोली पार्क अपार्टमेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड की प्रवक्त शेयर पूंजी की उसकी धारिता से है।

[सं 15/2/87-बी ओ (III)]

बी. एल. सचदेव, अवसर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1994

S.O. 1740.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to United Bank of India, Calcutta, for a period upto 8th March 1996 in so far as they relate to its holding of the shares of Tivoli Park Apartments (P) Ltd. as pledgee.

[No. 15/2/87-B.O.-(III)]

B. L. SACHDEVA, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1994

का. आ. 1741.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग) के दिनांक 22 दिसम्बर, 1993 के का. आ. संख्या 1005 (अ), जो भारत के असाधारण राजपत्र के भाग-II, खण्ड 3 के उप-खण्ड (ii) की जिल्द 777 में प्रकाशित हुआ था, में पंक्ति-4 में "स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कर्मागियल एण्ड इन्टरनैशनल बैंक लिमिटेड" शब्दों के लिए "एस बी आई कर्मागियल एण्ड इन्टरनैशनल बैंक लिमिटेड" शब्द पढ़ें।

[सं. 4/24/92-बी ओ ए (II)]

बी. एल. सचदेव, अवसर सचिव

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 8th July, 1994

S.O. 1741.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. S.O. 1005(E), dated the 22nd December, 1993 published in Issue No. 777 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 22nd December, 1993 in line 5 for the words "State Bank of India Commercial and International Bank Limited" read "SBI Commercial and International Bank Limited".

[No. 4/24/92-BOA (II)]

B. L. SACHDEVA, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1994

का. आ. 1742.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 22 दिसम्बर, 1993 के का. आ. सं. 1004(अ), जो भारत सरकार के असाधारण राजपत्र के भाग II खण्ड 3 के उप खण्ड (ii) की जिल्द सं. 777 में प्रकाशित 1675 GI/94—7

हुआ था, में पंक्ति 4 में "स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कर्मागियल एण्ड इन्टरनैशनल बैंक लिमिटेड" शब्दों के लिए "एस बी आई कर्मागियल एण्ड इन्टरनैशनल बैंक लिमिटेड" शब्द पढ़ें।

[सं. 4/24/92 बी ओ ए (I)]

बी. एल. सचदेव, अवसर सचिव

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 8th July, 1994

S.O. 1742.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. S.O. 1004 (E), dated the 22nd December, 1993 published in Issue No. 777 in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 22nd December, 1993 in line 7 for the words "State Bank of India Commercial and International Bank Limited" read "SBI Commercial and International Bank Limited".

[No. 4/24/92-BOA (I)]

B. L. SACHDEVA, Under Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 7 जून, 1994

का. आ. 1743.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्नलिखित सार्वजनिक संस्थान का नाम शामिल करती है, अर्थात्:—

'अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्'

[सं. 4(1) संस्था V/92 (I)]

जी. पी. गुप्ता, उप सचिव

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 7th June, 1994

S.O. 1743.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby adds to the Schedule to the said Act the name of the following public institution, namely :—

"ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION"

[No. 4(1)-EV/92(I)]

G. P. GUPTA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 7 जून, 1994

New Delhi, the 7th June, 1994

का. भा. 1744--सविध्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के उपबंध (धारा 8क को छोड़कर) उक्त अधिनियम की अनुसूची में विनिर्दिष्ट अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के कर्मचारियों के लाभार्थ स्थापित सविध्य निधि के लिए भी लागू होंगे।

[सं. 4(1)--संस्था V/92(II)]

जी. पी. गुप्ता, उप सचिव

S.O. 1744.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act (except section 6-A) shall apply to the Provident Fund established for the benefit of the employees of the All India Council for Technical Education specified in the Schedule of the said Act.

[No. 4(1)-EV/92(ii)]

G. P. GUPTA, Dy. Secy.

### नागरिक प्रति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

#### भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1994

का. भा. 1745--भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

#### अनुसूची

| क्रम सं. | स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक                                                                             | नए भारतीय मानक द्वारा अतिरिक्त भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ष | स्थापित तिथि |
|----------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|--------------|
| (1)      | (2)                                                                                                                            | (3)                                                                                 | (4)          |
| 1.       | आई एस : 919 (भाग 1)--1993 सीमाओं और उपयुक्तताओं का आई एस ओ तंत्र भाग 1 छूटों, विचलनों और उपयुक्तताओं के आधार (दूसरा पुनरीक्षण) | आई. एस : 919--1959                                                                  | 1993-05-31   |
| 2.       | आई. एस. : 1538--1993 पानी, गैस, और मलजल के लिए बलवां लोहे के दाब पाइप की फिटिंग की विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)                   | आई. एस : 1538--1960                                                                 | 1993-07-31   |
| 3.       | आई एस : 1885 (भाग 35)--1993 विद्युत् तकनीकी शब्दावली, भाग 25 धूर्णी मशीनें (पहला पुनरीक्षण)                                    | आई. एस : 1885--1973                                                                 | 1993-07-31   |
| 4.       | आई एस : 5111--1993 प्रशीलक संपीडक का परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)                                                                  | आई. एस : 5111--1969                                                                 | 1993-05-31   |
| 5.       | आई एस : 2875 --1993 बस्तादि-मक्का भरने के लिए बोरे (पहला पुनरीक्षण)                                                            | आई. एस : 2875--1964                                                                 | 1993-08-31   |

| (1)                                                                                                                                                           | (2)                | (3)        | (4) |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|------------|-----|
| 6. आई एस : 5825—1993 इन्तर्लूक वेष्टन तारों के सूचकांक ज्ञात करने के लिए परीक्षण प्रक्रिया (पहला पुनरीक्षण)                                                   | आई एस : 5825—1970  | 1993-03-31 |     |
| 7. आई एस : 8888 (भाग 1)—1993 अल्प लागत वाले आवास की अपेक्षार्थ-मार्गदर्शिका भाग 1 शहरी क्षेत्र (पहला पुनरीक्षण)                                               | आई एस : 8888—1978  | 1993-07-31 |     |
| 8. आई एस 9219 : 1993—बुवाई उपस्कर-पशु कपित जुताई मशीन के लिए बीजारोपण जुड़नार (पहला पुनरीक्षण)                                                                | आई एस 9219—1979    | 1993-08-31 |     |
| 9. आई एस : 9825—1993 क्लोरीन की गोलियां (पहला पुनरीक्षण)                                                                                                      | आई एस : 9825 —1981 | 1993-09-30 |     |
| 10. आई एस 10810 (भाग 63) —1993 केबलों की परीक्षण पद्धतियां भाग 63 अग्नि अवस्थाओं के अन्तर्गत विद्युत् केबलों का धुआं धनत्व मापन                               | —                  | 1993-07-31 |     |
| 11. आई एस : 12970—(भाग 5/अनु. 5)—1993 अर्ध चालक युक्तियां—समाकलित परिपथ भाग 5 एनालोग समाकलित परिपथ-आवश्यक रेटिंग और गुणधर्म अनुभाग 5 वोल्टता और धारा नियंत्रक | —                  | 1993-09-30 |     |
| 12. आई एस : 13630 (भाग 11)—1993 सिरेमिक टाइलें—परिपथ पद्धतियां भाग 11 सतह अवधर्पण के प्रति प्रति-रोधिता ज्ञात करना—कांचाम टाइलें                              | —                  | 1993-07-31 |     |
| 13. आई एस : 13630 (भाग 12)—1993 सिरेमिक टाइलें—परीक्षण पद्धतियां भाग 12 गहरे अवधर्पण के प्रति प्रति-रोधिता ज्ञात करना—अकांचाम टाइलें                          | —                  | 1993-07-31 |     |
| 14. आई एस : 13711—1993 सिरेमिक टाइलें नमूने लेने तथा स्वीकार्यता का आधार                                                                                      | —                  | 1993-05-31 |     |
| 15. आई एस : 13746—1993 अपतर् जैकेट संरचनाओं के लिए भू-तकनीकी जांच मार्गदर्शी सिद्धांत                                                                         | —                  | 1993-08-31 |     |
| 16. आई एस : 13755—1993 3 प्रतिशत ई 6 प्रतिशत (ग्रुप बी-2 ए) जल अवशोषण वाली इस्ट्रैसड सिरेमिक टाइलें-विशिष्ट                                                   | —                  | 1993-07-31 |     |
| 17. आई एस : 13760—1993 शौचालय साफ करने का पाउडर-विशिष्ट                                                                                                       | —                  | 1993-08-31 |     |
| 18. आई एस : 13778 (भाग 2)—1993 कुंडलन तारों की परीक्षण पद्धतियां भाग 2 आयास ज्ञात करना                                                                        | —                  | 1993-08-31 |     |
| 19. आई एस 13781—1993 पारगम्य सिन्ट्रित धातु सामग्रियों-बुबुब्ब परीक्षण छेद साहज ज्ञात करना                                                                    | —                  | 1993-07-31 |     |
| 20. आई एस : 13788—1993 कीटनाशक-किटाजिन तकनीकी-विशिष्ट                                                                                                         | —                  | 1993-05-31 |     |
| 21. आई एस : 13800—1993 जूने की नाप-चिन्हांकन पद्धति                                                                                                           | —                  | 1993-07-31 |     |
| 22. आई एस 13811—1993 विमान लदाव (पुंज) ट्राली-विशिष्ट                                                                                                         | —                  | 1993-07-31 |     |

| (1) | (2)                                                                                                                                                                                                   | (3) | (4)        |
|-----|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|------------|
| 23. | आई एस 13821—1993 वानिकी औजार बुडन काइलिंग वाइस—विशिष्ट                                                                                                                                                | —   | 1993-07-31 |
| 24. | आई एस : 13822—1993 ब्रेल अनुलिपिकरण शीट—विशिष्ट                                                                                                                                                       | —   | 1993-07-31 |
| 25. | आई एस : 13825—1993 धरेलु सिलाई मशीन ग्राम शैफ्ट सामने के बुश—विशिष्ट                                                                                                                                  | —   | 1993-07-31 |
| 26. | आई एस : क्यूसी 300300—1992 इलैक्ट्रॉनिक उपस्कर में उपयोग के लिए जड़ित संधारित्र विषय विशिष्ट ठोस और गैर-ठोस इलैक्ट्रॉनिक वाले एल्यूमीनियम इलैक्ट्रॉनिक संधारित्र                                      | —   | 1993-10-31 |
| 27. | आई एस : क्यूसी 300600—1993 चीनी मिट्टी-परावैद्युत के जड़ित संधारित्रों के लिए इलैक्ट्रॉनिक उपस्कर विषय विशिष्ट में उपयोग के लिए जड़ित संधारित्र, वर्ग                                                 | —   | 1993-08-31 |
| 28. | आई एस : 300601—1993 चीनी मिट्टी परावैद्युत के जड़ित संधारित्रों के लिए इलैक्ट्रॉनिक उपस्कर, ब्लैक ब्योरे विशिष्ट में उपयोग के लिए जड़ित संधारित्र, वर्ग 1 मूल्यांकन के स्तर ई                         | —   | 1993-08-31 |
| 29. | आई एस : क्यूसी 301200—1993 जड़ित धात्विक पोली-प्रोपाइलीन फिल्म परावैद्युत डी सी संधारित्र के लिए इलैक्ट्रॉनिक उपस्कर विषय विशिष्ट में उपयोग के लिए जड़ित संधारित्र                                    | —   | 1993-06-30 |
| 30. | आई एस : क्यूसी 30201—1993 जड़ित धात्विक-पोलीप्रोपाइलीन फिल्म परावैद्युत डी सी संधारित्रों के लिए इलैक्ट्रॉनिक उपस्कर-ब्लैक ब्योरे विशिष्ट में उपयोग के लिए जड़ित संधारित्र-मूल्यांकन स्तर ई           | —   | 1993-06-30 |
| 31. | आई एस : क्यूसी 301301:1993 जड़ित धात्विक पोली-प्रोपाइलीन फिल्म परावैद्युत ए सी और स्पंद संधारित्रों के लिए इलैक्ट्रॉनिक उपस्कर ब्लैक ब्योरे विशिष्ट में उपयोग के लिए जड़ित संधारित्र-मूल्यांकन स्तर ई | —   | 1993-06-30 |
| 32. | आई एस : क्यूसी 400200:1992 इलैक्ट्रॉनिकी उपस्कर में उपयोग के लिए जड़ित प्रतिरोधक विषय विशिष्ट: जड़ित पावर प्रतिरोधकों के लिए                                                                          | —   | 1992-08-31 |
| 33. | आई एस : क्यूसी : 400300—1992 इलैक्ट्रॉनिकी उपस्कर में उपयोग के लिए जड़ित प्रतिरोधक विषय विशिष्ट: जड़ित परिशुद्धता प्रतिरोधकों के लिए                                                                  | —   | 1992-11-30 |
| 34. | आई एस : क्यू सी 400301: 1992 इलैक्ट्रॉनिकी उपस्कर में उपयोग के लिए जड़ित प्रतिरोधक ब्लैक विस्तृत विशिष्ट जड़ित परिशुद्धता प्रतिरोधक मूल्यांकन स्तर ई                                                  | —   | 1993-11-30 |
| 35. | आई एस : क्यूसी 410100: 1992 इलैक्ट्रॉनिकी उपस्कर में प्रयुक्त विभवमापी, विषय विशिष्ट सीसा पेंच से चालू होने वाला तथा पहले से सेट                                                                      | —   | 1992-08-31 |

| (1) | (2)                                                                                                                                                                                                         | (3) | (4)        |
|-----|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|------------|
| 36. | आईएस : क्यूसी 410101 : 1992 इलेक्ट्रॉनिकी उपस्कर में प्रयुक्त विभवमापी, विषय विशिष्ट सीसा-पेंच संचालित और धूर्णी पूर्वनियत विभवमापी निर्धारण स्तर ई                                                         | —   | 1992-12-31 |
| 37. | आईएस : क्यूसी 750108 : 1992 अर्धचालक युक्तियां विविक्त युक्तियां—रेक्टिफायर डायोडीज रेक्टिफायर डायोडीन सहित (एवालेन्स रेक्टिफायर डायोडीज सहित) रिक्त स्थान व्योरा—विशिष्ट 100 एम्पीयर तक परिवेश और केसरेटित | —   | 1992-11-30 |

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में विक्री हेतु उपलब्ध है।

[सं. के.प्र.वि./13 : 2]

एन श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMERS AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION  
BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 5th July, 1994

S.O.1745—In pursuance of clause (b) of sub-rule(1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s) Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each :

## SCHEDULE

| Sl. No. | No. year and title of the Indian standard(s) No. Established                                                        | No. and year of the Indian Standard or standards, if any, superseded by the new Indian Standard. | Date of Establishment. |
|---------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------|
| 1       | 2                                                                                                                   | 3                                                                                                | 4                      |
| 1.      | IS:919(Part 1):1993 ISO system of limits and fits Part 1 Bases of tolerances, deviations and fits (Second revision) | IS:919-1959                                                                                      | 93-05-31               |
| 2.      | IS:1538-1993 Cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage-specification. (third revision)        | IS:1538-1960                                                                                     | 93-07-31               |
| 3.      | IS:1885 (Part 35)-1993 Electrotechnical vocabulary Part 35 rotating machines (first revision)                       | IS: 1885-1973                                                                                    | 93-07-31               |
| 4.      | IS:2875-1993 Textiles—corn bags—Specification (First Revision)                                                      | IS:2875-1964                                                                                     | 93-08-31               |
| 5.      | IS:5111:1993 Testing of refrigerant compressors (First Revision)                                                    | IS 1511:1969                                                                                     | 93-05-31               |

| (1) | (2)                                                                                                                                                                                        | (3)            | (4)      |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|----------|
| 6.  | IS:5852-1993 Test procedure for the determination of the temperature index of enamelled winding wires.                                                                                     | IS: 5825-1970  | 93-03-31 |
| 7.  | IS: 8888 (Part I):1993 Requirements of low income housing-guide Part 1 Urban areas.<br>(First Revision)                                                                                    | IS : 8888:1978 | 93-07-31 |
| 8.  | IS 9219-1993 Sowing equipment-seeding attachment for animal drawn cultivators—Specification<br>(First Revision)                                                                            | IS : 9219-1979 | 93-08-31 |
| 9.  | IS:9825-1993 Chlorine tables—specification IS:9825-1981<br>(First Revision)                                                                                                                | —              | 93-09-30 |
| 10. | IS: 10810 (Part 63): 1993 Method of tests for cables Part 63 Measurement of smoke density of electric cables under fire conditions.                                                        | —              | 93-07-31 |
| 11. | IS:12970 (Part 5/Sec 5): 1993 Semiconductor device-integrated circuits Part 5 Analogue integrated circuits—essential ratings and characteristics section 5 voltage and current regulators. | —              | 93-09-30 |
| 12. | IS13630 (Part 11):1993 Ceramic tiles—methods of test Part 11 Determination of resistance to surface abrasion—Glazed tiles.                                                                 | —              | 93-07-31 |
| 13. | IS:13630 (Part 12): 1993 Ceramic tiles — Methods of test Part 12 Determination of resistance to deep abrasion—Unglazed tiles.                                                              | —              | 93-07-31 |
| 14. | IS:13771 : 1993 Ceramic tiles sampling and basis for acceptance.                                                                                                                           | —              | 93-05-31 |
| 15. | IS:13746-1993 Geo-technical investigations for off-shore jacket structure —Guidelines                                                                                                      | —              | 93-08-31 |
| 16. | IS:13755:1993 Dust-pressed ceramic tiles with water absorption of 3% E 6% (Group B IIa)—Specification.                                                                                     | —              | 93-07-31 |
| 17. | IS:13760:1993 Toilet cleaner, powder — Specification                                                                                                                                       | —              | 93-08-31 |
| 18. | IS:13778 (Part 2):1993 Methods of—test for windlag wires Part 2 Determination of dimensions                                                                                                | —              | 93-08-31 |
| 19. | IS:13781-1993 Permeable sintered—metal materials—Determination of bubble test pore size                                                                                                    | —              | 93-07-31 |
| 20. | IS:13788:1993 Pesticides-Kitazin—technical specification.                                                                                                                                  | —              | 93-05-31 |
| 21. | IS:13800-1993 Shoe size—Method of marking.                                                                                                                                                 | —              | 93-07-31 |
| 22. | IS:13811:1993 Air cargo (Bulk) trolley—Specification.                                                                                                                                      | —              | 93-07-31 |

| (1) | (2)                                                                                                                                                                                               | (3) | (4)      |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|----------|
| 23. | IS:13821-1993 Forestry tools-wooden filing vice—Specification                                                                                                                                     | —   | 93-07-31 |
| 24. | IS:13822:1993 Braille duplicating Sheet — Specification                                                                                                                                           | —   | 93-07-31 |
| 25. | IS:13825-1993 Household sewing machines Arm shaft front bush —Specification.                                                                                                                      | —   | 93-07-31 |
| 26. | IS: OC 300300-1992 Fixed capacitors for use in electronic equipment Sectional specification : Aluminium electrolytic capacitors with solid and non-solid electrolyte                              | —   | 93-10-31 |
| 27. | IS:QC 300600:1993 Fixed capacitors for use in electronic equipment—sectional specification for fixed capacitors of ceramic dielectric, class J.                                                   | —   | 93-08-31 |
| 28. | IS: QC 300601:1993 Fixed capacitors for use in electronic equipment, blank detail specification for fixed capacitors of ceramic dielectric, class q, assessment level E                           | —   | 93-08-31 |
| 29. | IS: QC 301002:1993 Fixed capacitors for use in electronic equipment, sectional specification for fixed metallized polypropylene film dielectric D.C. Capacitors                                   | —   | 93-06-30 |
| 30. | IS QC : 301201:1993 Fixed capacitors for use in electronic equipment—blank detail specification for fixed metallized polypropylene film dielectric D.C. Capacitors—Assessment level E.            | —   | 93-06-30 |
| 31. | IS QC 301301:1993 Fixed capacitors for use in electronic equipment, blank details specification for fixed metallized polypropylene film dielectric A.C. and Pulse capacitors, assessment level E. |     | 93-06-30 |
| 32. | IS:QC 400200:1992 Fixed resistors for use in electronic equipment sectional specification : Fixed power resistors.                                                                                | —   | 92-08-31 |
| 33. | IS: QC 400300:1992 Fixed resistors for use in electronic equipment Sectional Specification : Fixed precision resistors.                                                                           | —   | 92-11-30 |
| 34. | IS:QC 400301:1992 Fixed resistors for use on electronic equipment Blank detail specification: Fixed precision resistors Assessment Level E.                                                       | —   | 93-01-30 |
| 35. | IS QC:410100:1992 Potentiometers for use in electronic equipment Sectional specification : Lead-screw actuated and Rotary present potentiometers.                                                 | —   | 92-08-31 |

| 1                                                                                                                                                                                                            | 2 | 3 | 4        |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|---|----------|
| 36. IS: QC 410101:1992 Potentiometers for use in electronic equipment Blank detail specification : Lead-Screw actuated and Rotary Present Potentiometers Assessment level E                                  |   |   | 92-12-31 |
| 37. IS : QC 750108:1992 Semiconductor devices— Discrete devices Rectifier Diodes: Blank detail specification for rectifier diodes (inculding avalanche Rectifier Diodes), Ambient and case-rated, Upto 100A. | — |   | 92-11-30 |

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhawan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh, and Madras. and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Patna and Tribandrum.

[No. CMD/13:2]

N. SRINIVASAN, Addl. Dir. Gen.

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 जून, 1994

का.प्रा. 1746. — केन्द्रीय सरकार, कोयला मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80% कर्मचारीभूत ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 197 के नियम 10 के उप नियम (4) के अंतर्गत अधिसूचित करती है :-

- (1) नार्वन कोलफील्ड्स लि.,  
मुख्यालय, सिंगरोली,  
जिला सीधी ( मध्य प्रदेश)
- (2) निगाही परियोजना,  
नार्वन कोलफील्ड्स लिमिटेड,  
पोस्ट—निगाही,  
जिला—सीधी ( मध्य प्रदेश)

[फा.सं. ई-11016/2/94-हिन्दी]

कमलकान्त मिश्र, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 29th June, 1994

S.O. 1746.—The Central Government hereby notifies the following offices, under the Administrative control of the Ministry of Coal, the 80 per cent staff whereof have acquired working knowledge of Hindi, under sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976 :-

- (1) Northern Coalfields Ltd., (Headquarter),  
Singrauli, Distt. Sidhi (M.P.)
- (2) Nigahi Project,  
Northern Coalfields Limited,  
Post—Nigahi,  
Distt.—Sidhi (M.P.).

[F. No. E-11016/2/94-Hindi]

KAMAL KANT MISHRA, Jt. Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(महिला एवं बाल विकास विभाग)

पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले में

राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का.प्रा. 1747. —राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनकी सहमति से पूर्व विन्यास अधिनियम 1890 (1890 का 6) के खण्ड 10 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि नीचे दिए गए व्योरे के अनुसार रु. 2,26,326 (दो लाख, छब्बीस हजार, तीन सौ छब्बीस मात्र) सिडिकेट बैंक, होस ब्रास, नई दिल्ली में 90 दिनों के लिए फिक्स डिपॉजिट योजना के अंतर्गत 7% की व्याज दर से 15-4-94 को पुनः निवेश की गई.

| क्रम सं. | राशि | पिछले निवेश की तारीख | भुगतान की तारीख | अभिमुखितयां |
|----------|------|----------------------|-----------------|-------------|
|----------|------|----------------------|-----------------|-------------|

|                                               |  |         |         |  |
|-----------------------------------------------|--|---------|---------|--|
| 1. रु. 2,24,347/-                             |  | 28-2-94 | 15-4-94 |  |
| (भुगतान तारीख के बाद देय राशि रु. 2,26,326/-) |  |         |         |  |

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के दिनांक 2 मार्च, 1979 के समय-समय पर यथा संशोधित सां. प्रा. 120(ई) की अधिसूचना के माध्यम प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के संचालन की योजना के अनुसार प्रयोग किए जाने हेतु उपरोक्त छाता भारतीय पूर्व विन्यास के खर्जांची के नाम होगा।

[सं. 13-6/94-टीएमए]

रतन चन्द, प्रवर सचिव



## MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Women &amp; Child Development)

## IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT 1890 (6 of 1890)

## IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND NEW DELHI

New Delhi, the 1st July, 1994

S.O.1747—On the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi and in exercise of the powers conferred by Section 10(2) of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 2,26,326 (Rupees Two lakh twenty six thousand Three hundred and Twenty six only) as per particulars given below be invested in Fixed Deposit Scheme for 90 days in Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi, at the rate of interest 7% per annum w.e.f. 15-4-94.

| Sl. No. | Amount                                              | Date of Previous investment | Date of Maturity | Remarks |
|---------|-----------------------------------------------------|-----------------------------|------------------|---------|
| 1.      | Rs. 2,24,347/<br>(Maturity Value)<br>Rs. 2,26,326/) | 28-02-94                    | 15-04-94         |         |

2. The above account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi published with the Notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120(E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F.No. 13-6/94-TR-II]

RATTAN CHAND, Under Secy.

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का.आ. 1748.—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50वां) की धारा 2 के खण्ड (ए) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे दी गयी अनुसूची के कालम-1 में उल्लिखित प्राधिकारी को उक्त कालम-3 की तदनुकूपी प्रविष्टि में उल्लिखित क्षेत्र की सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्य करने के लिए एतद्वारा प्राधिकृत करती है।

## अनुसूची

| व्यक्ति का नाम    | पता                                                                                                               | क्षेत्रीय अधिकारी |
|-------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|
| 1                 | 2                                                                                                                 | 3                 |
| एम.सी. श्रीवास्तव | गैस अक्वाइरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड,<br>पीडीआईएल, बिल्डिंग,<br>ए-14, सेक्टर-1<br>नोएडा, गाज़ियाबाद<br>(उत्तर प्रदेश) | हरियाणा           |

[मं. एल.-14016/18/94-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1748.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of 1675 GI/94—8

Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby authorises the authority mentioned in Column 1 of the schedule below to perform the function of Competent Authority under the said Act, within the area mentioned in the corresponding entry in the Column 3 of the said schedule.

## SCHEDULE

| Name of the Person | Address                                                                             | Territorial Jurisdiction |
|--------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------|
| 1                  | 2                                                                                   | 3                        |
| S.C. SRIVASTAVA    | GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.<br>PDIL BUILDING<br>A-14, SECTOR-I<br>NOIDA : GHAZIABAD | HARYANA                  |

[No. L-14016/18/94-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का.आ. 1749—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50वां) की धारा 2 के खण्ड (ए) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे दी गयी अनुसूची के कालम-1 में उल्लिखित प्राधिकारी को उक्त कालम-3 की तदनुकूपी प्रविष्टि में उल्लिखित क्षेत्र की सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्य करने के लिए एतद्वारा प्राधिकृत करती है।

## अनुसूची

| व्यक्ति का नाम | पता                                                                                                                                           | क्षेत्रीय अधिकारी |
|----------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|
| 1              | 2                                                                                                                                             | 3                 |
| एम.के. त्वासी  | गैस अक्वाइरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड<br>एच.बी.जे. अपपेडेशन<br>पाइपलाइन परियोजना,<br>भारतीय विद्यालय जीराहा,<br>ए.डी. रोड, शिवपुरी,<br>मध्य प्रदेश | मध्य प्रदेश       |

[मं. एल.-14016/18/94-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O.1749.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby authorises the authority mentioned in column 1 of the schedule below to perform the function of competent authority under the said Act, within the areas mentioned in the corresponding entry in the column 3 of the said schedule.

## SCHEDULE

| Name of person | Address                                                                                                                                            | Territorial jurisdiction |
|----------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------|
| 1              | 2                                                                                                                                                  | 3                        |
| M.K. Tyagi     | Gas Authority of India Ltd.<br>HBJ Upgradation Gas Pipe<br>Line Project,<br>Bhartiya Vidyalaya Chauraha,<br>A. B. Road,<br>Shivpuri-473 551 (M.P.) | Madhya<br>Pradesh        |

[No. L-14016/18/94 G.P.]  
ARDHENDU SEN, Director

संचार, भंडालय  
(डाक विभाग)

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1994

का.पा. 1750.—गजभावा अधिनियम, (संघ के वास्तविक प्रयोजनों के लिए प्रयोग), 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में केन्द्र सरकार, डाक विभाग के पालम्पुर प्रधान डाकघर, धर्मशाला मंडल, हिमाचल प्रदेश, कार्यालय को जिसके 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यवाहक ज्ञान प्राप्त कर लिया है. अधिसूचित करना है।

[सं. ई-11017/1/92-रा.भा.]

डा. निरिंदरजी सिंह, निदेशक (राजभाषा)

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Posts)

New Delhi, the 6th July, 1994

S.O. 1750.—In pursuance of Sub-Rule 4 of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the union) Rules, 1976, the Central Government hereby notify the office of Palampur Head Post Office, Dharamshala Division, Himachal Pradesh Circle of the Department of Posts, where 80 per cent of the staff has acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E-11017/1/92-OL]

DR. G. D. SINGH, Director (OL)

(दूरसंचार विभाग)

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1994

का.पा. 1751.—चूंकि भारतीय दूर निव्याहली, 1951 के नियम 434(III)(2)(ग) के अनुसार तिरुवनन्तपुरम टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र में संशोधन करने के बारे में तिरुवनन्तपुरम और करियावट्टम में प्रचलित समाचार-पत्रों में एक सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की गई थी जिसमें संभवतः इससे प्रभावित होने वाले व्यक्तियों की धारणाओं तथा उनके सुझाव, समाचार-पत्रों में सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर मंगी गए थे;

और चूंकि उपर्युक्त सूचना सार्व-साम्राज्य की जानकारी के लिए 'केरल कौमुदी' में 4-1-94 को, "मलायाला मनोरमा" तथा "माथ्रुभूमि" में 5-1-94 और "द हिन्दू" में 8-1-94 को प्रकाशित की गई थी तथा इसका सुदृष्ट "मलायाला मनोरमा" में 25-1-94 को, 26-1-94 को "केरल कौमुदी" "माथ्रुभूमि" में और "द हिन्दू" में 27-1-94 को प्रकाशित किया गया था;

और चूंकि उपर्युक्त सूचना के बारे में जनता में प्राप्त जानकारी तथा सुझावों पर केन्द्र सरकार ने विचार कर लिया है।

अतः यह उक्त नियमावली के नियम 434(III)(2)(ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते महानिदेशक, दूरसंचार एक्टिंगा घोषणा करने हैं कि 1-8-94 से तिरुवनन्तपुरम और करियावट्टम का संशोधित स्थानीय क्षेत्र इस प्रकार होगा —

तिरुवनन्तपुरम टेलिफोन एक्सचेंज प्रणाली

तिरुवनन्तपुरम का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो तिरुवनन्तपुरम नगर निगम के अंतर्गत पड़ता है, किंतु वे टेलीफोन उपभोक्ता जो कि तिरुवनन्तपुरम नगर निगम के बाहर स्थित हैं किंतु जिन्हें तिरुवनन्तपुरम टेलीफोन व्यवस्था से सेवा प्रदान होती है वे इस व्यवस्था के किमी भी एक्सचेंज से जब तक कि 5 किलोमीटर की दूरी के भीतर स्थित रहेंगे और इस व्यवस्था से जुड़े रहेंगे किंतु वे किमी अन्य टेलीफोन प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र में न स्थित हों, तब तक स्थानीय शुल्कदर से प्रभावित करेंगे।

करियावट्टम टेलिफोन एक्सचेंज प्रणाली

करियावट्टम टेलीफोन एक्सचेंज का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो करियावट्टम टेलीफोन एक्सचेंज से 5 किलोमीटर की दूरी के भीतर पड़ता है किंतु इसकी सीमा उत्तर में थुम्बा-पुथुकुरुची रोड और कजाकुट्टम पंचायत बार्डर में सं. पं. जंक्शन तक सीमित रहेगी।

[फाइल सं. 3-3/85-पी एच बी]

गुरदीप सिंह, निदेशक (पीएच ई)

(Department of Telecommunications)

New Delhi, the 21st July, 1994

S.O. 1751.—Whereas a public notice for revising the local area of Thiruvananthapuram Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(2)(C) of the Indian Telegraph Rules, 1951, in the Newspapers in circulation at Thiruvananthapuram and Kariyavattam inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 4-1-94 in 'Kerala Kaumudi' 5-1-94 in 'Malayala Manorama' and 'Mathrubhumi' and 8-1-94 in 'The Hindu' and corrigendum published on 25-1-94 in 'Malayala Manorama', 26-1-94 in 'Kerala Kaumudi' and 'Mathrubhumi' and 27-1-94 in 'The Hindu' newspapers;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 434(III)(2)(C) of the said Rules, the Director General Telecommunications hereby declares that with effect from 1-8-94 the revised local area of Thiruvananthapuram and Kariyavattam shall be as under:

## Thiruvananthapuram Telephone Exchange System

The local area of Thiruvananthapuram shall cover an area falling under the jurisdiction of Thiruvananthapuram Municipal Corporation; provided that the telephone subscribers located outside Thiruvananthapuram Municipal Corporation limits but who are served from Thiruvananthapuram Telephone System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 km of any exchange of this system and remain connected to any exchange of this system and provided further that they do not fall in the local area of any other telephone system.

## Kariyavattam Telephone Exchange System

The local area of Kariyavattam shall cover an area falling within 5 km radial distance from Kariyavattam Telephone Exchange; provided that this limit shall be restricted to St. Andrews Junction in Thumba-Puthukuruchi road and Kazhukottam Panchayat Boundary on the North.

[F. No. 3-3/85-PHB]

GURDIP SINGH, Director (Phones-E)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1994

का.आ. 1752—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी बी एम बी के प्रबंध तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के द्वारा 33ए के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को ..... को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/4/94-आई.आर. (सी. II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 6th July, 1994

S.O. 1752.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award U/S 33-A of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of B.B.M.B. and their workmen which was received by the Central Government on the . . .

[No. L-22013/4/94-IR(C.II)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,

CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

I.D. No. 119/93

Complaint U/S 33-A of I.D. Act in Reference No. 64/92

Ram Dutt Vs. Bhakra Beas Management Board.

For the workmen : Shri Dhani Ram

For the management : Shri D. L. Sharma.

## AWARD

The petitioner has made the present complaint alleging that the management is guilty of contravention of provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947 during the pendency of reference I.D. 64/92 the management has appointed regular beldar ignoring the workman. The management in their written statement questioned the maintainability of this complaint. On the pleadings of the parties following issue was framed :

## 1. Whether the complaint is maintainable ? OPP

However Mr. Dhani Ram representative of the petitioner has made a statement that he withdraws the present complaint as per the orders of the Hon'ble H. P. High Court. In view of the statement made by the representative of the petitioner the present complaint is dismissed as withdrawn. Ministry be informed.  
Chandigarh.  
3-5-1994.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1994

का.आ. 1753.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी बी एम बी के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के द्वारा 33ए के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को ..... को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/3/94-आई.आर. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th July, 1994

S.O. 1753.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award U/S 33-A of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh as shown in the annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of B.B.M.B. and their workmen, which was received by the Central Government on the . . .

[No. L-22013/3/94-IR(C.II)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR PRESIDING OFFICER,

CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

I. D. No. 118/93

Complaint U/S 33-A of I.D. Act in Reference No. 15/92

Moti Ram Vs. Bhakra Beas Management Board.

For the workman : Shri Dhani Ram.

For the management : Shri D. L. Sharma.

## AWARD

The petitioner has made the present complaint alleging that the management is guilty of contravention of provisions of Section 33 of the Industrial Dispute Act 1947 during the pendency of reference I.D. 15/92 the management has appointed regular beldar ignoring the workman. The management in their written statement questioned the maintainability of this complaint. On the pleadings of the parties following issue was framed :

## 1. Whether the complaint is maintainable ? OPP

However Mr. Dhani Ram representative of the petitioner has made a statement that he withdraws the present complaint as per the orders of the Hon'ble H.P. High Court. In view of the statement made by the representative of the petitioner the present complaint is dismissed as withdrawn. Ministry be informed.  
Chandigarh.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

का.आ. 1754.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय बाघ निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण I, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/87/86-डी-II (बी)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th July, 1994

S.O. 1754.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal-I, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. F. C. I. and their workman, which was received by the Central Government on the 7-7-94.

[No. L-42012/87/86-D.II(B)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT  
HYDERABADPresent :—Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial  
Tribunal-I.

Dated : 30th day of May, 1994

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 59 OF 1992

Between :—

G. Purushotham .. .. . PETITIONER

AND

1. The Senior Regional Manager,  
F. C. I., Hyderabad.
2. The District Manager,  
Food Corporation of India,  
Kurnool. .. .. . RESPONDENTS.

Appearances :—M/s. G. Bikshapathi, G. Vidya Sagar, V.  
Vishwanatham, N. Vinesh Raj and G. Ravi Mohan,  
Advocates for the Petitioner.Sri Koka Satyanarayana Rao, Advocate for the Respon-  
dents.

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-42012/87/86-D.II(B), dt. 26-8-1992 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, Kurnool, (AP) in terminating the services of Sri Purushotham, Ex-daily rated watchman, is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

This reference is registered as Industrial Dispute No. 59 of 1992 and notices were issued to both the parties.

2. The brief facts of the claims statement filed by the Petitioner-workman is read as follows :—The Petitioner was appointed as Watchman on daily wage basis. The F.C.I. is engaged in procurement of paddy. During the years 1973 to 1977 there was heavy procurement programme consequent to the bumper crops in Andhra Pradesh. Having realised that the appointing of employees on daily rate basis is not proper the F.C.I. has issued instructions to regularise the services of the daily rated workmen from 8-1-1976 onwards. In respect of employees who were terminated from services, an amendment was introduced to the F.C.I. Employees Service Regulations in 1976 to the effect that the employees who were recruited on daily rate basis should also be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. The relevant Gazette Notification is extracted below :

"Provided further such of the employees who were recruited on daily rate basis for periods of less than 3 months on purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical break shall also be eligible to be considered for appointment against the direct recruitment along with candidates sponsored by Employment Exchange."

The petitioner worked as Watchman from 7-1-1976 to 16-3-1976 in Kosgi Depot and Timancherla Depots from 20-3-1976 to 25-4-1977 and his services were disengaged from 25-4-1977 without any notice or any valid reasons. It is submitted that the impugned order of disengagement is illegal and arbitrary, and unwarranted whereas the workman appointed subsequent to the petitioner's appointment were continued but the services of the petitioner were terminated. The alleged action is also violative of Section 25-H of the I.D. Act. The Respondents have not maintained the seniority list and has not followed the procedure for retrenchment under Section 25-G of the I. D. Act. It is therefore prayed that the Hon'ble Court may be pleased to hold that the

disengagement of the petitioner w.e.f. 25-4-1977 as illegal, arbitrary and unwarranted and consequently pass as Award directing the Respondents to reinstate the petitioner into service with all consequential benefits and pass orders as this Hon'ble Court deems fit and proper.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent is read as follows :—The Respondent submits that the petitioner worked as Watchman from 7-1-1976 to 16-3-1976 in hired depot at Kosgi and from 20-3-1976 to 25-4-1977 a hired godowns, Guntakal. But the petitioner never worked for 240 days continuously in a year. The contention of the petitioner that his services were disengaged from 25-4-1977 without any notice for valid reasons is not true and correct. The petitioner never put in 240 days of service in a year as such the applicability of the provisions of the I. D. Act does not arise. The allegation of the petitioner that the Respondent violated Section 25-H of the I. D. Act is no true and correct. The petitioner has never been sponsored by the Employment Exchange. As such the question of consider in the petitioner's case for regular appointment does not arise. In view of what has been stated above the respondent prays that this Hon'ble Tribunal may be pleased to reject the reference and pass a Nil award.

4. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in terminating the services of Sri Purushotham ex-daily rated Watchman is justified?

5. W.W1 is examined on behalf of the Petitioner-workman and marked Exs. W1 to W3. M.W1 was examined on behalf of the Respondent-Management and no documents were marked on its side.

6. W.W1 is G. Purushotham. He deposed that he is the concerned workman in this case. He worked in the F.C.I. as Watchman from 7-1-1976 to 16-3-1976 in Kosgi Depot. Ex. W1 is the certificate issued by the District Manager, F.C.I. He worked again in F.C.I. Timmencherla from 20-3-1976 to 25-4-1977. Ex. W2 is the certificate dt. 27-4-77 issued by the Timmencherla Asstt. Manager, F.C.I. Thereafter he was disengaged from the services. At the time of his disengagement he was not issued any notice nor paid any retrenchment compensation. He made representation to the District Manager for engagement in service but the same was ignored by the Disstt. Manager. Then he approached the A.L.C. The matter was referred to this Hon'ble Tribunal. He prays this Hon'ble Tribunal to reinstate him into service with back wages. Ex. W3 is the xerox copy of the Office order dt. 20-3-76 issued by the Disstt. Manager, FCI, Kurnool with regard to his appointment.

7. M.W1 is S. Vidya Sagar. He deposed that he knows the petitioner. The petitioner worked as daily rated watchman on temporary basis. The petitioner never worked in any calendar year for a period of 240 days. The hired godowns in which the petitioner was engaged was desired. The petitioner disengaged from 25-4-1987 for want of work. The petitioner raised the dispute after lapse of 9 years, and thereafter this has been referred to this Tribunal. It is not true to say that the respondent violated Section 25-G and H of the I. D. Act. The petitioner is not entitled to get any kind of relief as claimed in his claims statement.

6. There is no dispute with regard to the petitioner appointment as Watchman on daily wage basis. As seen from the claim statement that the Respondent having realised that the appointing of employees on daily rate basis is not proper, the Respondent has issued instructions to regularise the services of the daily rated workmen from 8-1-1976 onwards. In respect of employees who were terminated from service an amendment was introduced to the F.C.I. Employees Service Regulations in 1976 to the effect that the employees who were recruited on daily rate basis should also be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates as sponsored by the Employment Exchange. A reading of the Gazette Notification indicate that "provided further such of the employees who were recruited on daily rate basis for a period of less than 3 months on purely temporary basis and whose services have been retrained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against the direct recruitment along with candidates sponsored by Employment Exchange." Here in this case the petitioner worked as Watchman from 7-1-1976 to 16-3-1976 and this fact is also admitted by the Respondent in their counter. As seen from the claim statement the petitioner

services were disengaged from 25-4-1977 without any notice or any valid reasons which I feel it is illegal and arbitrary. It is also the case of the petitioner that the workmen appointed subsequent to the petitioner's appointment were continued by the services of he petitioner were terminated. This action on the part of the Respondent is clear case of discrimination. It is seen that the petitioner made several representations but the Respondent have not considered the same. Hence I find that the alleged action on the part of the Respondent is violative of Section 25-H of the Industrial Disputes Act. On a consideration of the facts and circumstances of the case, that the petitioner was disengaged with effect from 25-4-1977 is illegal and unwarranted and that the petitioner is liable to be reinstated into service with all benefits.

9. In the result, the action of the Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) in terminating the services of Sri Purushotham, ex-daily rated watchman, is not justified. The Petitioner workman is entitled to be reinstated into service with all consequential benefits.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 30th day of May, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

#### Appendix of Evidence

Witnesses Examined  
for Petitioner/Workmen :  
W.W1 G. Purushotham.  
Witnesses Examined  
for Respondent/Management :  
M.W1 S. Vidyasagar.

#### Documents marked for the Petitioner/Workmen :

- Ex. W1—Certificate issued to the Petitioner, with regard to working day particulars.
- Ex. W2—Certificate issued to the Petitioner, with regard to working day particulars.
- Ex. W3 20-3-76—Xerox copy of office order issued by the District Manager, FCI with regard to appointment.

#### Documents marked for the Respondent/Management :

NIL

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

का.ग्रा. 1755.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजक और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-42012/10/86-डी-V/डी-II (बी) (पार्ट)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th July, 1994

S.O. 1755.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal-I, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of F.C.I. and their workmen, which was received by the Central Government on 7-7-1994

[No. L-42012/10/86-D.V/D.II(B)(Pt)]

RAJA LAL, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

Present :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I.

Dated : 30th day of May, 1994

#### INDUSTRIAL DISPUTE NO. 80 OF 1992 BETWEEN

S. Jilani Basha

.. Petitioner

AND

1. The Senior Regional Manager,  
F.C.I., Hyderabad.

2. The District Manager,  
Food Corporation of India,  
Kurnool.

.. Respondents

Appearances :

S/Sri G. Bikshapathi, G. Vidyasagar, V. Vishwanatham,  
N. Vinesh Raj and G. Ravi Mohan, Advocates for  
the Petitioner.

Sri K. Satyanarayana Rao, Advocate for Respondent  
No. 1 and 2.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012/10/86-D.V/D.II (B) (Pt) dt. 30-10-1992 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, Kurnool in terminating the services of Sri S. Jeelani Basha, ex-daily rated watchman, is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled to ?"

This reference is registered as Industrial Dispute No. 80 of 1992 and notices were issued to both the parties.

2. The brief facts of the claims statement filed by the Petitioner-workman is read as follows :—The petitioner was appointed as Watchman on daily wage basis. The F.C.I. is engaged in procurement of paddy. During the years 1973 to 1977, there was heavy procurement programmes consequent to the bumper crops in Andhra Pradesh. Having realised that the appointing of employees on daily rate basis is not proper, the Food Corporation of India has issued instructions to regularise the services of the daily rated workman from 8-1-1976 onwards. In respect of employees who were terminated from service, an amendment was introduced to the F.C.I. Employees Service Regulations in 1976 to the effect that the employees who were recruited on daily rate basis should also be considered for appointments against direct recruitment along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. The relevant Gazette Notification is extracted below :—

"Provided further such of the employees who were recruited on daily rate basis for periods of less than 3 months on purely temporary basis whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against the direct recruitment along with candidates sponsored by Employment Exchange."

The petitioner worked as Watchman from 21-9-1976 to 17-1-1977 and was disengaged from 17-1-1977 without any notice or any valid reasons. The impugned order of disengagement is illegal and arbitrary. The alleged action is also violative of Section 25-H of the I. D. Act. It is therefore prayed that the Hon'ble Court may be pleased to hold that the disengagement of the petitioner w.e.f. 17-1-1977 as illegal and unwarranted and pass an Award directing the Respondent to reinstate the petitioner into service with all consequential benefits and pass such other order as this Hon'ble Court deems fit and proper.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent is read as follows :—The petitioner was engaged as a daily rated Watchman without the media of Employment Exchange in view of the urgency of providing Watch and Ward Staff to the FCI godowns depending upon the requirements. The Petitioner was engaged during the period from 21-9-1976 to 16-1-1977 at various places for 115 days. The petitioner is only engaged in daily wages depending on exigency of work. The question of applicability of Section 25-F of the I. D. Act in the present case does not arise. The petitioner is not vested right either in law or on practice to claim for reinstatement when there is no termination. The Respondent has not violated any procedure of law in respect of terminating the petitioner's services. There is already surplus labour as such the question of reinstating the petitioner into service after lapse of 17 long years does not arise. The Respondent has not violated any provisions of law or contract as such the petitioner is not entitled for any relief from this Hon'ble Court. In view of what has been stated above, the Respondent prays that this Hon'ble Court may be pleased to declare that the reference made is not an industrial dispute and that the petitioner is not entitled to any relief, consequently a nil award may be passed in the case.

4. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in terminating the service of Sri S. Jeelani Basha, Ex-daily rated Watchman is justified ?

5. M.W1 was examined on behalf of the Respondent-Management. No documents were marked on its side. No oral or documentary evidence has been adduced & marked on behalf of the Petitioner-workman.

6. M.W1 is S. Vidya Sagar. He deposed that he knows the Petitioner. The petitioner was engaged as daily rated Watchman during the period 21-9-1976 to 16-1-1977. The petitioner was engaged in hired godowns and hired godowns were de-hired since 1977. The petitioner was not engaged due to lack of work. The petitioner raised this dispute after ten years after he was disengaged. The Respondent has not violated Section 25-H and 25-G of I. D. Act. The petitioner is not entitled for any kind of relief as claimed in his claims statement.

7. There is no dispute that the Petitioner was appointed as Watchman on daily wage basis. As seen from the claim statement that the Respondent having realised that the appointing of employees on daily rate basis is not proper, the Respondent has issued instructions to regularise the services of the daily rated workmen from 8-1-1976 onwards. In respect of employees who were terminated from service, an amendment was introduced to the F.C.I. Employees Service Regulations in 1976 to the effect that the employees who were recruited on daily rate basis should also be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates as sponsored by the Employment Exchange. A reading of the Gazette Notification indicate that "provided further such of the employees who were recruited on daily rate basis for periods of less than 3 months on purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against the direct recruitment along with candidates sponsored by Employment Exchange". Here in this case the Petitioner worked as Watchman from 21-9-1976 to 17-1-1977 and this fact is also admitted by the Respondent in their counter. As seen from the claim statement the petitioner services were disengaged from 17-1-1977 without any notice or any valid reasons, which I feel it is illegal and arbitrary. It is also the case of the petitioner that the workmen appointed subsequent to the petitioner's appointment were continued but the services of the petitioner were terminated. This action on the part of the Respondent is clear case of discrimination. It is seen that the petitioner made several representations but the Respondent have not considered the same. Hence I find that the alleged action on the part of the Respondent is violative of Section 25-H of the Industrial Disputes Act. On a consideration of the facts and circumstances of the case, that the petitioner was disengaged with effect from 17-1-1977 is illegal and unwarranted and that the petitioner is liable to be reinstated into service with all benefits.

8. In the result, the action of the Management of Food Corporation of India, Kurnool in terminating the services of Sri S. Jeelani Basha, ex-daily rated watchman is not justifi-

fied. The concerned workman is entitled to be reinstated into services, with all consequential attended benefits.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 30th day of May, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

#### Appendix of Evidence

Witnesses Examined for Petitioner :

NIL

Witnesses Examined for Respondent :

M.W1 S. Vidyasagar.

Documents marked for the Petitioner :

NIL

Documents marked for the Respondent :

NIL

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

का.या. 1756.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार रामबंगा लाइमस्टोन एण्ड डोलोमाइट माइन्स प्राफ. कीलिंग सिमेंट लिमिटेड, रायबंगा, बिरमित्रपुर जिला मुन्दरनगर के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, उड़ीसा, भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-29012/17/91-आई आर (विवाद)]

बी.एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th July, 1994

S.O. 1756.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Orissa Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Raiboga Limestone of Dolomite Mines of Kalinga Cement Ltd., At. Raiboga, P.O. Birmitrapur, Dist. Sundergarh, and their workmen, which was received by the Central Government on 07-07-1994.

[No. L-29012/17/91-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

#### PRESENT :

Sri P. K. Tripathy, M.A. LL.B.,  
Presiding Officer,  
Industrial Tribunal,  
Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 24 of 1991 (Central)

Dated, Bhubaneswar, the 20th June, 1994

#### BETWEEN

The management of Raiboga Limestone  
and Dolomite Mines of Kalinga  
Cement Ltd.,  
At. Raiboga, P.O. Birmitrapur,  
Dist. Sundergarh.

..First party-  
management.

#### AND

Their workman Sri Shankar Kumar Yadav,  
Blasting and Drilling Supervisor,  
Represented through the Sundergarh  
Mining Workers' Union, Rourkela-12,  
Dist. Sundergarh.

..Second party-  
workman.

## APPEARANCES:

Sri A. P. Roopra, Sr. Manager (Personnel)—For the first party-management.

Sri B. S. Pati, General Secy., of the Union.—For the second party-workman.

## AWARD

In exercise of the power u/s 10(1)(d) read with Section 10(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) (for short 'The Act'), the Central Government in the Ministry of Labour vide their Order No. L-29012/17/91-IR (Misc.) dated 21-6-91 have forwarded the following schedule of reference for adjudication:—

"Whether the action of the management of Raiboga Limestone and Dolomite Mines of Kalunga Cement Ltd., At. Raiboga, P.O. Birmittapur, Dist. Sundergarh (Orissa) in refusing employment to Shri Shankar Kumar Yadav, Blasting and Drilling Supervisor with effect from 7-7-90 is lawful and justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The Manager, Kalunga Cement Limited and Sri Shankar Kumar Yadav (described as the first party and second party in the cause, title) are hereinafter referred to as the management and the workman, respectively.

3. On 20-8-90 the workman lodged a complaint with the Labour Enforcement Officer (Central) (for short 'L.E.O.') contending that while he was working as a Supervisor in Raiboga Limestone and Dolomite Mines of the management he was not paid the prescribed minimum wages and also he was not granted with other service benefits, allowances and bonus and all of a sudden on 7-7-90 he was put out of work. He further complained claiming back wages and other emoluments and for reinstatement. On the even date the L.E.O. made correspondence with the management with a direction to produce the records and registers for verification and checking in connection with the aforesaid claim of the workman. The management made contact with its contractors relating to employment particulars of the workman and came to learn that the workman was never employed. Accordingly, the management sent a reply, so also the contractors. In that connection, one of the contractors namely, Sanjay and Brothers intimated that the workman was a personal servant in his house and he committed theft of records and registers from his premises as a result of which F.I.R. was lodged and Raiboga P.S. case No. 23 of 1990 was registered against the workman and the same was under investigation. The L.E.O. made further correspondence with the management as well as the contractors and invited them for conciliation but the management except giving written reply denying to the contentions of the workman regarding his employment, did not participate in the conciliation. Thus, the L.E.O. submitted a failure report and that is how the dispute has been referred.

4. In the claim statement the workman has contended that he joined the service on 31-6-85 as a Helper (Mines) Blaster and later on promoted to Blasting and Drilling Supervisor. When the workman demanded higher wages, the management refused further employment with effect from 7-7-90. He has thus claimed that the aforesaid refusal of employment is illegal. He has also prayed for reinstatement in service with full back wages and all other consequential benefits.

5. In its written statement the management inter-alia has contended regarding non-maintainability of the reference and it has further asserted that the workman was never an employee of the management. It has also raised the plea of non-joinder of necessary parties, such as the contractors working under the management.

6. On the basis of the aforesaid pleadings of the parties, the following issues are settled:—

## ISSUES

- (1) Is the reference maintainable?
- (2) Is the second party a 'workman' as defined in the Industrial Disputes Act?
- (3) Is the Sundergarh Mining Workers Union competent to raise the dispute and fight for the workman?

(4) Is the present proceeding bad for non-joinder of necessary parties?

(5) Is the action of the management of Raiboga Limestone and Dolomite Mines of Kalunga Cement Ltd., At. Raiboga, P.O. Birmittapur, Dist. Sundergarh (Orissa) in refusing employment to Shri Shankar Kumar Yadav, Blasting and Drilling Supervisor w.e.f. 7-7-90 lawful and justified?

(6) To what other relief the second party is entitled to?

7. To substantiate its case, the management has examined one witness, namely, M.W.1 Sri Alam Singh Roopra, Sr. Manager (Operation), Kalunga Cement Ltd. It has also tendered in evidence Exts. 7 to 10. The workman contested the claim and cross-examined M.W.1. Thereafter he adduced his evidence in examination-in-chief in part on 3-9-93 and during that phase he tendered in evidence documents which were marked as Exts. A, B and C and on his request his further examination was deferred and though the case was adjourned from time to time he did not appear to depose further. Hence, on 6-1-94 order was passed by this Tribunal to expunge the evidence adduced from his side. In that connection, while adjourning the case from 23-12-93 to 6-1-94 the workman was saddled with cost for seeking the adjournment. Under such circumstances, at present there is no evidence from the side of the workman so far as the present dispute is concerned.

8. Keeping in view absence of any evidence from the side of the workman, at the stage of argument the management did not press into service the pleas relating to maintainability and non-joinder of necessary parties. On the other hand, the management contended that its consistent case from the very beginning is that the workman is not an employee either under the management or under its contractors so far as it relates to the business of the management. Thus, the burden is heavy on the workman to prove that he was ever employed and was on the pay roll/wage roll of the management. Since the workman has failed to prove the same, therefore, the case should be decided against the workman. In that connection, the management also referred to the oral and documentary evidence from its side.

In his evidence, M.W. No. 1 has categorically deposed about the facts which is consistent with the written statement pleas as mentioned above (in a preceding paragraph). During cross-examination the workman attempted to prove an identity card said to have been granted in his favour by the management, so also an employer's certificate but M.W. No. 1 denied the genuineness of such documents and disowned the said documents. During cross-examination of M.W. No. 1 nothing was brought out from his mouth which could have given an inference that the workman was ever an employee under the management, be it directly or indirectly. Relating to the identity card which was marked X for identification the management has contended the same to be a fabricated one and in that connection it has produced the I.D. card register containing altogether 58 entries concerning 58 employees and the xerox copy of the same has been marked as Ext. 10. Admittedly, the workman has not been mentioned as an employee so far that register is concerned. Ext. 3 is the F.I.R. lodged by the contractor, Ashok Kumar Misra, who was a contractor under management, alleging that the workman committed theft of records and registers of certain dates. Exts. 1, 6 and 8 are the correspondence made by the L.E.O. and the Asst. Labour Commissioner (Central), Rourkela and in that connection Exts. 4, 5, 7 and 9 are the replies given from the side of the management disowning the workman as an employee. All these documents go to support the case of the management that throughout they have disowned the workman as an employee. In that connection, it may further be noted that genuineness of the identity card marked X and the certificate marked Y for identification have been proved by the workman. The identity card bears cuttings and it does not contain signature of the authority. The document marked Y is only a xerox copy and even the genuineness of the signature of the Mines Manager has been denied by the M.W. No. 1. It may further be noted here that the whole thing appears to be fishy so far as the workman is concerned, in as much as, on 20-8-90 he submitted the complaint, Ext. 2. That document does not bear the signature of the L.E.O. in proof of receipt of the said complaint but nonetheless on



the even date he sent notice to the management. Similarly, in Ext. 2 the workman has mentioned that he was working as a Supervisor under two contractors. Such a thing is impracticable and that fact has been reiterated in its reply by the management to the L.E.O. In spite of such categorical reply by the management and its contractors the L.E.O. insisted upon the conciliation which is evident from the other correspondences (exhibits) as noted above. If the stand of the management that the workman was never an employee under it is true and correct, then it is an unique case of its style where a person has devised this method to get a job and the L.E.O. played to his hands. It is beyond the jurisdiction of this Tribunal to probe into such matter to find out if the L.E.O. has shared conspiracy in the aforesaid manner. However, it is left open for the concerned Labour Commissioner to probe into the matter and to do the needful on administrative side. This observation may be communicated to the Regional Labour Commissioner (Central), Bhubaneswar.

9. Be that as it may, on an analysis of the available evidence in record, it is found that the workman has not been able to prove that he was an employee under the management. Hence, the question of his removal is a myth. As such, the question of consideration of legality of such removal and regarding granting of further relief in that connection does not arise. In other words, it is held that the workman has not proved to be an employee under the management and it has not been proved that he was refused employment with effect from 7-7-90. hence, the workman is not entitled to any relief, whatsoever.

10. The award is passed accordingly..

Dictated & corrected by me.

P. K. TRIPATHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

का.आ. 1757.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार जैन चैना क्ले माइन्स(प) लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. (2) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 07-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन. 29011/6/90-आई आर (विधि)]  
बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th July, 1994

S.O. 1757.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2) at Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jain China Clay Mines (P) and their workmen, which was received by the Central Government on 7-7-94.

[No. L-29011/6/90-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 20 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jain China Clay Mines (P) Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—None.

On behalf of the employers—Shri K. Chakravorty, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : China Clay Mines.

Dhanbad, the 17th June, 1994

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-29011/6/90-I.R. (Misc.), dated, the 7th April, 1992.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh for reinstatement with full back wages of Shri Saifal Seikh and 16 others as per appendix-A in Rajmahal Clay and Silica and Mines of M/s. Jain China Clay Mines (P) Ltd., is justified? If so, what relief are the workmen entitled to?"

2. This matter is pending since April, 1992. From the record I find that on 31-3-93 the W.S. on behalf of the workmen was received. On 14-7-93 the W.S. on behalf of the management was filed and after that a number of adjournments were given for filing documents by the parties. It further find that since August, 1993 no step has been taken on behalf of the workmen. A notice dated 31-1-94 was also issued to the concerned workman directing General Secretary, Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh, Pakur to take steps in the matter. Since then two months time lapsed but there was no appearance from the side of the workmen. Again another notice dated 6th May, 1994 was sent to the General-Secretary fixing 30-5-94 for the steps. I find that even on that day nobody appeared on behalf of the workmen. In this way it is crystal clear the workmen have got no interest in the matter and in the result a 'No dispute' Award is passed.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

का.आ. 1758.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उड़ीसा माइनिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-29011/51/87-डी-III(बी)]  
बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th July, 1994

S.O. 1758.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Orissa Mining Corporation and their workmen, which was received by the Central Government on 7-7-1994.

[No. L-29011/51/87-D.III (B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL : ORISSA : BHUBANESWAR

PRESENT :

Shri P. K. Tripathy, M.A.L.L.B.,  
Presiding Officer,  
Industrial Tribunal,  
Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 10 of 1992 (Central)  
Bhubaneswar, the 13th June, 1994

BETWEEN

The management of M/s. Orissa Mining Corporation.  
Bhubaneswar .. First party-  
management.

AND

Their workmen represented through Sukinda Region  
Chromite Khadan Mazdoor Sangha, P.O. Kaliapani,  
Dist. Cuttack .. Second party-  
workmen.



## APPEARANCES :

None—for both the parties.

## AWARD

The Ministry of Labour of the Central Government vide its Order No. L-29011/51/87-D.III (B) dated 26-2-1992 forwarded for adjudication the following dispute in exercise of the power under Section 10(1)(d) and 10(2)(a) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) :—

"Whether the demand of Daily-rated weekly paid workers (as per the list annexed to the order of reference) for payment of equal wages and identical benefits at par with the monthly rated employees for doing the same and similar nature of work is lawful and justified? If so, to what relief the workmen are entitled to and from which date? And "whether the demand of daily rated workers as per the annexure attached to the order of reference for payment of House rent allowance is justified? If so, what should be the quantum of the said allowance?"

2. It appears from the copy of the aforesaid reference that the parties were noticed by the Government with a direction to file the claim statement by the second party-workmen through their union and for filing of written statement by the management. Since the parties did not appear in obedience to the said direction, this Tribunal sent notice in registered post with A.D. to the second party-workmen. In spite of that the second party did not appear and file claim statement. Thereafter the management was noticed to file written statement and documents. Though the management appeared on a single date i.e. on 18-4-94 and applied for time to file written statement but it did not file the written statement. Today (13-6-94) neither party appeared to participate in the hearing. They have also taken no other steps in the proceeding. Under the given circumstance and in the absence of any evidence from either side. It is not possible to decide the dispute under reference. On the other hand, the conduct of the parties leads this Tribunal to an inference that perhaps the parties are no more interested in the dispute either due to an amicable settlement or due to lack of interest. Hence, there is no hesitation to pass a no dispute award and accordingly such award is passed. Dictated and corrected by me.

P. K. TRIPATHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1994

का.सा. 1759—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार म/म. जमिया मिस्री एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड, के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, बोम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-07-94 को प्राप्त हुआ था।

[म. एम-31011/6/92-आई आर (विविध)]  
बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th July, 1994

S.O. 1759.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Jesia Mistry Agencies Pvt. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-7-1994.

[No. L-31011/6/92-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

1675 GI94—9

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/56 of 1993

Employers in relation to the management of M/s. Jesia Mistry Agencies Pvt. Ltd.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the employers—Shri A. H. Lakhani, Representative.

For the workmen—Shri S. R. Wagh, Advocate.

INDUSTRY : Ports and Docks STATE : Maharashtra  
Bombay, the 17th June, 1994

## AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-31011/6/92-IR (Misc.) dated 3rd June, 1993 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 :

"Whether the action of the management of M/s. Jesia Mistry Agencies Pvt. Ltd. Bombay in retrenching S/Shri A. R. Sawant, A. R. Thakur, K. S. Sawant, V. B. Dalvi, R. G. Patil, S. D. Chougule and H. R. Salian simultaneously with effect from 1-8-1991 while appointing seven professionals as retainers on the similar job performed by these retrenched workmen is just and proper? If not, to what relief are these workmen entitled for?"

2. The parties to the said dispute were served with the notice. The employer appeared through its Accounts Manager. So far as the Union is concerned, on the earlier occasion did not appear. On 2-5-1994 an application was filed by the Secretary of the Union viz. Transport and Dock Workers' Union, Bombay. It was informed that the 7 workers concerning to the present industrial dispute have accepted retrenchment and have settled the dispute by direct negotiations with the Company. It is further prayed that under such circumstances the Union does not was not to pursue the reference and it may be disposed of. Under such circumstances I accept the application and pass the following order.

## ORDER

The Reference is disposed of as not prosecuted Parties to bear their own costs.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1994

का.सा. 1760—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार म/म ए. वि. मि एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2 बोम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[म. एम-31012/15/91-आई आर (विविध)]  
बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th July, 1994

S.O. 1760.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. ABC and Sons Pvt. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-7-1994.

[No. L-31012/15/91-IR (Misc.)]  
B. M. DAVID, Desk Officer

**ANNEXURE**  
**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL**  
**TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY**

**PRESENT :**

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/49 of 1993  
Employers in relation to the management of M/s. ABC  
and Sons Pvt. Ltd.

**AND**  
**Their Workmen.**

**APPEARANCES :**

For the employers—Shri Ishwar Gouda, Representative.  
For the workmen—Shri K. M. Rao, General Secretary,  
National Dock Workers' Union.

**INDUSTRY :** Ports and Docks **STATE :** Maharashtra  
Bombay, the 17th June, 1994

**AWARD**

The Central Government, Ministry of Labour, New Delhi  
by its Order No. L-31011/15/91-IR (Misc.) dated 3-6-1993  
referred the following industrial dispute to this Tribunal for  
adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes  
Act, 1947 :

"Whether the action of the management of M/s. Arde-  
shir B. Cursetjee and Sons Private Limited—Stevedors,  
Clearing and Forwarding Agents, Bombay—In ret-  
renchment of 28 Maintenance Staff of Launch  
Maintenance Department, after due compliance of  
the provision of I. D. Act, 1947—with effect from  
1st April, 1989—as per Annexure I.B. is just, proper  
and legal ? If not, to what relief are these work-  
men entitled to ?"

The parties to this Reference were served with notice.  
Representative of the Employer appeared in view of the notice.  
On 7th December, 1993 Mr. K. M. Rao, General Secretary  
of the National Dock Workers' Union filed a letter in the  
name of the Secretary of this Tribunal informing that the  
matter is settled. The workers took their dues and went to  
their native places, they are more members of their Union  
and as such the said case may be closed. This letter was  
initialled by my predecessor. It came to my notice today.  
Today when the matter was called out nobody appeared on  
behalf of the Union. Under such circumstances I accept  
the letter for disposing of the Reference.

**ORDER**

The Reference is disposed of as not prosecuted. No orders  
as to costs.

**S. B. PANSE, Presiding Officer**

नई दिल्ली, 7 जून, 1994

का.आ. 1761.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का  
14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स. भारत कोकिस  
कोल लिमिटेड का मनीडीह प्रोजेक्ट के प्रबंधन के संसद नियोजकों और  
उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय  
सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 1), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित  
करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-20012/141/90-आई आर (कोल-I)]

सी. गंगाधरन, डैस्क अधिकारी

S.O. 1761.—In pursuance of Section 17 of the Industrial  
Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government  
hereby publishes the Award of the Central Government In-  
dustrial Tribunal (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure  
in the Industrial Dispute between the employees in relation  
to the management of Moonidih Project of M/s. B.C.C.L. and  
their workmen, which was received by the Central Govern-  
ment on 4-7-94.

[No. L-20012/141/90-IR(Coal-I)]  
**C. GANGADHARAN, Desk Officer**

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL**  
**TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD**

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of  
the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 216 of 1990.

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Moonidih  
Project of M/s. B.C.C. Ltd.

**AND**  
**Their Workmen**

**PRESENT :**

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

**APPEARANCES :**

For the Employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen.—Shri M. K. Sengupta, Advocate.

**STATE :** Bihar.

**INDUSTRY :** Coal.

Dated, the 24th June, 1994

**AWARD**

By Order No. L 20012(141)/90-I.R.(Coal-I) dated 26-9-1990,  
the Central Government in the Ministry of Labour has, in  
exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section  
(1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Dis-  
putes Act, 1947, referred the following dispute for adjudica-  
tion to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Moonidih  
Project of M/s. BCCL in dismissing Shri Laldeo  
Rabidas, Miner/Loader under letter No. Mnd/PO/  
PA/Dismissal/89/2117 dated 24-9-89 is justified ?  
If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. Both sides have filed their written statements and re-  
joinders. The case of the management is that the concerned  
workman Laldeo Rabidas had obtained employment as Miner/  
Loader by falsely declaring himself to be the son of Shankar  
Rabidas of Village—Sewaldih, P.O. Lalpur, P. S. Putki, Dist.  
Dhanbad, showing himself to be one of those affected persons  
whose property had got damaged on account of mining opera-  
tion. It has been further submitted that in order to give  
relief of such residents, the management had decided to give  
employment to persons belonging to schedule castes and  
schedule tribes of that area. The concerned workman was  
issued letter of appointment dated 4-2-87 as per that criteria.  
It is also submitted that the concerned workman submitted  
his attestation form, certificate from B.D.O., caste certificate  
etc. showing himself to be the son of Shankar Rabidas of  
village—Sewaldih.

3. From the pleading it will appear that one Aklu Das,  
said to be the son of aforesaid Shankar Rabidas, who him-  
self was a workman at the Moonidih Project, had informed  
the management, later, that the concerned workman was not  
his brother, but his brother-in-law.

4. According to the written statement of the management,  
chargesheet dated 7/8-3-89 against the alleged misconduct  
under Clause 17(i)(o) of the Certified Standing Order was  
issued against the workman and the disciplinary proceeding  
was held in which the Enquiry Officer found the charge to  
have been proved. On consideration of the materials on  
record and the enquiry report, the competent authority issued  
order of dismissal of the concerned workman by letter dated  
24/27-9-89.

5. The workman in his written statement has submitted  
that after he had put in satisfactory service continuously for  
more than two and half years he was issued the aforesaid  
chargesheet and he was put under suspension. Then the  
workman submitted his reply denying the allegation that he  
had given no such wrong information. It has been claimed  
that despite sufficient evidence put in by the concerned work-  
man, the charge against him was held to have been proved.  
Thereafter this industrial dispute was raised. A prayer had  
been made for reinstatement of the concerned workman with  
full back wages.

6. It may be noted here that the concerned workman, who himself has raised the dispute, in his rejoinder to the written statement of the management has admitted that he had got service on the basis of the scheme as mentioned in para 2 of the written statement of the management.

7. Before proceeding further, it will appear from the order dated 30-6-92 of the learned predecessor that the fairness and propriety of the domestic enquiry was taken up as preliminary issue but, later, the learned Advocate for the workman conceded that the domestic enquiry was fair and proper. The learned predecessor by the aforesaid order also held that the domestic enquiry was fair and proper.

8. From the record of the domestic enquiry it will appear from Ext. M-2, which is the reply of the workman to the chargesheet issued to him, that the workman had claimed that he was indeed son of Shankar Rabidas with his home at Sewaldih. He requested the management to get the matter properly enquired into. He claimed that whatever documents he had filed including caste certificate, in all Shankar Rabidas was mentioned as his father.

9. In the domestic enquiry as will appear from the statement of Sri R. K. Jha, the management's representative, that the only evidence on which the management had relied upon was the information provided by Aklu Rabidas or Aklu Das that Laldeo Rabidas was his brother-in-law, not his brother. It will appear that in the domestic enquiry the management representative had admitted that at the time of registration in the Employment Exchange he had produced his caste certificate in which his father's name was mentioned to be Shankar Rabidas of village—Sewaldih. The management representative also admitted that after receipt of the appointment letter Laldeo Rabidas had produced verification roll, identification certificate, attestation form and character and age certificate granted by Gazetted Officer, in all of those documents the name of his father was noted to be Shankar Rabidas. These documents mentioned by the management representative had been marked exhibits on behalf of the management.

10. The management representative further stated that Aklu Rabidas son of Shankar Rabidas submitted information that the concerned workman was his brother-in-law and that he was not permanent resident of Sewaldih rather of village—Malkera. From this statement it will also appear that Aklu Das had also attested, by giving L.T.I. on the verification roll submitted by the concerned workman. But later Aklu Das gave a writing to the Deputy General Manager of Moonidih Area that his L.T.I. upon the verification roll was obtained by the concerned workman by fraud. This written intimation of Aklu Das was marked Ext. M-9. On the basis of this the management representative claimed that the concerned workman was not the son of Shankar Rabidas. From the cross-examination of the management representative it will appear that only evidence on which the management had initiated action or was basing its case, was the allegation made by Aklu Rabidas alias Aklu Das. When in cross-examination he was asked as to whether he had called Aklu Rabidas in course of enquiry, the management representative replied that there was no need for that as his written statement had been produced. At that the co-worker of the proceedee appealed to the Enquiry Officer to call Aklu Rabidas at which the Enquiry Officer, by adopting a peculiar method, directed the concerned workman to proceed himself to produce Aklu Rabidas on the next date.

11. As already seen from the documents filed in course of enquiry and as admitted by the management representative, in all the documents including caste certificate the responsible persons like Gazetted Officers had mentioned the concerned workman as son of Shankar Rabidas. In face of that if the management wanted to prove that such information was wrongly given by the concerned workman for the purpose of securing employment it was the management which was supposed to adduce cogent evidence to prove that. What has been done indeed is that the management chose not to call Aklu Rabidas as witness but put the onus upon the proceedee to prove that he was the son of Shankar Rabidas by asking the proceedee to call Aklu Rabidas as witness if he so wanted, on which even the Enquiry Officer directed the concerned workman to bring Aklu Rabidas, a person who had made allegation against the concerned workman.

12. Be that as it may, it appears that Aklu Rabidas was subsequently produced on 13-9-89 although on 12-9-89 the management representative had rested its case and by order, the Enquiry Officer had concluded the enquiry.

13. Therefore, what appears from the materials on record is that it was only the allegation of Aklu Das which had created this dispute, hence a lot depended upon the evidence of Aklu Das when he came before the Enquiry Officer, whoever might have brought him.

14. In his statement Aklu Das, who earlier in the enquiry proceeding has also been referred to Aklu Rabidas, has said that he was a resident of Sewaldih and Laldeo Rabidas was his brother-in-law who lived in village Malkera. He further said that while Aklu Rabidas was getting the paper relating to his joining the service (verification roll), prepared, he told the witness that since the witness had to go to duty, he should put his L.T.I. upon that paper at which he put his L.T.I. and went to duty. He admitted that he had given L.T.I. also over the letter addressed to Dy. General Manager. Significantly he said that he was called by Sri. R. K. Jha (presenting officer) who had got his statement written.

15. During his cross-examination this witness said that Laldeo Rabidas was living in Sewaldih since his childhood as his father had expired while he was a kid and since then he was living with him (Aklu Das). This witness further said that the name of the father of the concerned workman was Shankar Rabidas.

16. This point is significant. According to this witness here the name of the father of the concerned workman was almost the same as the name of the witness's father. It has already been seen that even in course of enquiry the surname "Rabidas" and "Das", in connection with Aklu Das, have alternated each other. This witness admitted that the concerned workman had built a house and had settled at village Sewaldih.

17. In the last a pointed question was asked to this witness to say as to whether the name of father of Laldeo Rabidas was Shankar Rabidas? In reply the witness said that he had no reason to tell a lie and that the name of Laldeo's father was Shankar Rabidas. The evidence of this witness particularly his last statement absolutely demolishes his unsubstantiated assertion made earlier which was reduced to writing at the behest of the management official containing the allegation that Shankar Rabidas was not the name of the father of the concerned workman. I find that this aspect of the evidence was not examined by the Enquiry Officer. The management and the Enquiry Officer appear to have concluded that if an allegation was made by a relation, that in itself was sufficient proof. This approach, needless to say is wrong and cannot be sustained.

18. To me it appears that neither the Enquiry Officer, nor the superior officer who had examined the materials on record and had decided to dismiss the workman from service had properly applied their minds to the facts and circumstances as brought in by the domestic enquiry. It was wrong to conclude that a mere allegation which somehow was re-radiated by the maker of the allegation himself in course of his evidence could be taken as substantiation of the allegation on which the extreme punishment or, for that matter, any punishment could be inflicted. Neither the Enquiry Officer nor the other concerned superior official had any reason to conclude, on the basis of materials on the record, that the charge was substantiated.

19. Therefore I find that the findings of the Enquiry Officer or the punishment emanating therefrom cannot be sustained.

20. In view of findings above I must hold that the dismissal from service of Laldeo Rabidas was absolutely unjustified. In view of this finding I also must hold that the workman is entitled to back wages and other benefits which he would have otherwise received had he continued in service.

21. Following award, therefore, is rendered,—that the action of the management of Moonidih Project of M/s. B.C.C. Ltd. in dismissing Laldeo Rabidas, Miner/Loader, under their letter dated 24-9-89 was not justified. The concerned workman is entitled to his reinstatement in service immediately on this award becoming enforceable. The concerned workman shall also be entitled to receive all the back wages,

including the amount which was not paid during his period of suspension and all other benefits to which he would have been entitled had he not been dismissed from service. The back wages and other financial benefits shall be paid upto the date of his reinstatement in service. The management is so directed. Since the workman himself had sponsored this dispute, a cost of Rs. 500 is awarded in his favour, payable by the management.

P. K. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1991

का.आ. 1762.-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार से, भारत कोयला कोल लि. की जोगिडीह कोलियरी के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम (सं. 1) धमबाद के पंचपट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-20012/128/91-आई आर (कोल-I)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th July, 1994

S.O. 1762.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. I), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Jogidih Colliery of M/s. B.C.C.L and their workmen which was received by the Central Government on 4-7-94.

[No. L-20012/128/91-JR(Coal-I)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 1135 of 1991

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Jogidih Colliery of M/s. BCC Ltd.

#### AND

Their Workmen

#### PRESENT :

Shri P. K. Sinha,  
Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : Shri D. Mukherjee, Secretary,  
Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : BIHAR

INDUSTRY : Coal

Dated, the 21st June, 1994

#### AWARD

By Order No. L-20012(128)/91-I.R.(Coal-I) dated the 26th November, 1991, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the management of Jogidih Colliery in Govinpur Area III of M/s. BCC Ltd. is justified in dismissing the workman Shri Radhya Turi, Loader w.e.f. 29-4-89. If not, to what relief the said workman is entitled?"

2. The case of the parties can be discerned from their written statement from which it will appear that the claim of the management was that the concerned workman, Radhya Turi, was working as Miner/Loader at Jogidih Colliery. He absented himself from duty without permission or authorised leave with effect from 15-10-85 and remained absent for more than three years continuously without any information. Thereafter Chargesheet dated 24-10-88 was issued alleging misconduct of such continued absence under provision of Clause 17(1)(n) of the Model Standing Orders.

Further it has been averred by the management that the workman replied to the charge-sheet on 25-10-88 stating therein that he absented from duty on account of illness of his wife and was also apprehending trouble from some of money lenders. Finding the explanation to be unsatisfactory, the management ordered for a domestic enquiry which was held in accordance with rules and natural justice and after which the Enquiry Officer submitted his report finding the charge to have been established. On consideration of enquiry report and the materials on record, the competent authority ordered of the workman by letter dated 29-4-89.

4. The sponsoring Union in its written statement has admitted that the workman had absented from duty without taking any leave due to unavoidable circumstances but claiming that a co-worker had informed the management about the reason of absence, still chargesheet was served. It was alleged that the enquiry was irregular and invalid. It was also claimed that the workman had worked till 1986 and had received wages for that period. The claim is that the workman had absented because of reasonable cause, but his dismissal from service was irregular.

5. The points for consideration are whether or not the report of the Enquiry Officer and conclusion arrived at can be said to be just and proper and, if so, whether the punishment awarded to the workman was justified.

6. The charge-sheet is Ext. M-1 in which the workman was charged with absents since 15-10-85 without taking leave or without information, which was a misconduct under clause 17(1)(n) of giving the Model Standing Orders. This chargesheet is dated 9/24-10-88.

7. Ext. M-2 is the reply of the workman against the aforesaid chargesheet in which he stated that he had absented since 15-10-85 because of sudden illness of his wife. He further said that because of that illness he had taken money from some persons who had started threatening him because of which he could not join his duty. He also explained that because the Post Office was at a distance from his village, he could not send any information. He also submitted that except him there was none to give information (to the management about his absence) hence information could not be sent. He justified his action stating that he was an illiterate man.

8. Ext M-3 appears to be another letter sent by the workman to the management which appears to have been received in the office on 9-10-88 in which also he submitted that he had absented from 15-10-85 because of illness of his wife and because of threatening by money lenders. He had requested the management that he should be allowed to join the duty.

9. In course of the enquiry in which the workman had participated, the management representative A.B. Singh gave his statement that the concerned workman was absents himself since 15-10-85, hence he was issued chargesheet. Another witness was one Sri Surendra Divedi who produced leave Register as well Medical Leave Register which were exhibited in the enquiry, and submitted that in accordance with these two documents the concerned workman had been absents since 15-10-85 without any information and without taking leave. The concerned workman refused to cross-examine both the witnesses.

10. Radhya Turi examined himself as his witness and said that he was absenting since 15-10-85 because his wife had fallen ill as also because some of his money lenders had started threatening him. He said that because of aforesaid twin reasons he could not join his duty. He admitted that he had not given any information. He submitted that he was illiterate and poor man and there was none in his home who was literate. He accepted his guilt and prayed for excuse and assured that in future he would not repeat the same again.

11. Therefore, even the concerned workman had admitted more than once that he had been absenting since 15-10-85 without taking leave and without giving any information to the management.

12. That the concerned workman remained absent for about three years is also evident from Ext. M-3 in which the concerned workman had requested the management to allow him to join duty admitted his absence. As already stated, this letter appears to have been received in the office of the management on 9-10-88.

13. According to Clause 17(1)(n) it is misconduct for a workman if he continuously absents himself from duty for more than ten days without permission and without satisfactory cause. It stands established that the concerned workman was absent for much more than ten days without permission or information. Now what is to be seen in whether there was any satisfactory cause for such absence. Unfortunately for the workman no satisfactory cause has been shown for such prolonged absence. The workman has claimed that his wife was ill. But there is no evidence of her illness or the treatment. He further stated that some of his money-lenders had started troubling because of which he could not join his duty. There appears to be some inherent contradiction in this statement. If he had taken some money then one way to repay that amount was to join his duty and earn his wages. By absenting from duty for three years could not have solved the loan problem. It is unreasonable to think that if a person has given loan to a workman and wanted that to be repaid he would prevent the workman from going to work which was the surest way to ensure that his loan remained unpaid.

14. From the materials on the record it appears that earlier also the workman had remained absent in similar manner. Ext. M-1/1 is another chargesheet dated 25/26-4-85 for his remaining absence from duty since 18-2-1985. According to this document he was also placed under suspension. Explanation of the workman dated 26-4-85 can be seen in Ext. M-2/1 in which also he had taken plea of the illness of his wife in which also he had submitted that since he was alone in the house, he could not give information.

15. Therefore, it is clear from the materials on the record that the workman had remained absent for almost three years without taking leave or without giving any information during the period to the management, and without any satisfactory cause.

16. The learned counsel for the sponsoring union has advanced certain arguments in favour of the workman which I shall now discuss. His first argument was that two registers were produced before, and marked exhibits by the Enquiry Officer, have not been produced in the tribunal. But I do not think that such non-production has caused any prejudice to the workman. Those two registers were produced only to show that the concerned workman had absented himself without leave or information since 15-10-85. But since this allegation has been admitted by the workman, there is no need to seek further evidence to establish the charge.

17. Sri D. Mukherjee, appearing on behalf of the sponsoring union, further argued that the management had not challenged the reason for absence stated by the workman in his evidence. Perhaps the learned lawyer, who also is an official of the union, meant to say that the management did not challenge that the statement of the workman by putting specific suggestion. As a matter of fact I find that the management was neither asked by the Enquiry Officer to cross-examine this witness nor the management representative cross-examined him on his own. But such niceties of cross-examination, in case such suggestion was not put, are not

very relevant in a domestic enquiry as those would have been in a case in the Civil Court. Once it was admitted or proved that the workman had absented himself for such a long period without authorisation or information, the onus lay on the workman to prove by cogent evidence that there was sufficient and good reasons for such absence. On the face of it, as I have discussed, I do not find that mere assertion of the sufficiency of cause proved that he had good or sufficient reason for such a long absence.

18. Sri Mukherjee stated as would be clear from Ext. M-1/1 that in that chargesheet he was also placed under suspension. He argued that there is no evidence that the suspension was ever withdrawn, hence during the period of such previous suspension he could not have been dismissed on the basis of any subsequent charge-sheet.

19. Sri B. Joshi, appearing on behalf of the management has drawn my attention to Ext. M-8, dated 4/12-7-85, relating to Ext. M-1/1 in which the Manager of Jodidih Colliery had informed the workman that in the domestic enquiry the charge had been established against him and through he deserved severe punishment, but the management taking a lenient view, had ordered that he be put under suspension for ten consecutive working day without pay. The workman was also informed that the period was being confirmed against the period of his suspension commencing from the date of issue of the chargesheet. The workman was warned to be careful in future. He was allowed to resume his duty with effect from 15-7-85.

20. It appears that LTI of Radhya Turi on this letter, in token of his receipt of information, was taken on 13-7-85.

21. Sri Mukherjee argued that the letter in Ext. M-8 was a take one and that the Manager was not competent to issue such letter. There is nothing before me to uphold either of these two arguments of Sri Mukherjee.

22. In the last Sri Mukherjee argued that keeping in view of poverty of the workman, and the misconduct if found established, the punishment was too harsh. But I do not agree. No industry can run smoothly if discipline amongst the working force is not maintained. If a workman absents himself for such a long period without sufficient cause and if he is let off with some minor punishment it would create a bad precedent.

23. Under the circumstances of the matter I do not find that the action of the management was unjustified.

24. The following award, therefore, is rendered—

The management of Jodidih colliery of M/s. BCCL was justified in dismissing the workman, Radhya Turi, Loadar, with effect from 29th April, 1989. The workman is not entitled to any relief.

In the circumstances of the case I award no cost.

P. K. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

का. आ. 1763.-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार केन्द्र सरकार के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण अहलेप के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल/12012/441/91 आर्क आर (बी-2)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th July, 1994

S.O. 1763.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, ALLEPPEY as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 6-7-1994.

[No. L-12012/441/91 IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

# ANNEXURE

## IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, ALLEPPEY

(Dated this the 8th day of June, 1994)

### PRESENT :

Shri K. KANAKACHANDRAN, Presiding Officer  
I.D. No. 18/92

### BETWEEN

The Deputy General Manager, Canara Bank, Circle  
Office, Trivandrum.

### AND

The Workman of the above concern represented by the  
Assistant Secretary, Canara Bank Staff Union,  
Kerala Regional Committee, 41/1757, Ernakulam-18.

### REPRESENTATIONS :

M/s. M. C. Sen &  
Parvathy A. Menon,  
Advocates, Kochi-682016.

For Management

M/s. H. B. Shenoy Associates,  
Advocates, "VATSAL",  
Krishnaswamy Road,  
Ernakulam, Kochi-682035.

For Union.

### AWARD

1. This dispute was referred for adjudication by the Government of India through the reference order No. 12012/441/91 IR(B.II) dated 25-3-1992. The issue referred for adjudication read as follows :—

"Whether the action of the management of Canara Bank in imposing a punishment of stoppage of increment with cumulative effect on Sri. G. Devaraj is justified? If not, to what relief is the workman entitled to?"

2. The workman concerned while working as Clerk at Madura Coats Extension Counter, Koratty of the management Bank, he was served with a charge sheet on 24-2-1990 alleging gross misconducts of disobeying the lawful and reasonable orders of persons placed in authority over him. It is also alleged that he knowingly made false statements and misbehaved in a disorderly manner and his behaviour was prejudicial to the interest of the Bank. It is useful to extract the charges levelled against the workman dated 24-2-1990.

### CHARGE

"You have been working as Clerk at our Chalakudy branch since 30-6-1986.

On 5-12-1989, at about 4 P.M., Sri. R. Ganesh, the Officer-in-Charge of Madura Coats Extension Counter, Koratty, which is attached to our Chalakudy branch requested you to take possession of the second keys of Double Lock, since the then Cashier, Smt. P. A. Saraswathy who was holding the key was going on leave. You refused to accept the keys and told the Officer to make arrangements for deputing a Clerk from the Main branch for taking the Keys. Subsequently, you yourself contacted Main branch directly and asked Sri Job John, Officer to depute a Clerk to receive the key from Smt. P. A. Saraswathy. When Sri. Job John asked you why you could not hold the keys, you

replied, "it is none of my business" and also stated that if another person is deputed from the main branch, that Clerk also will get one day's allowance. You also said that "I may fall sick at any time, and I am going to consult a Doctor".

You were again instructed by the Officer, Sri. R. Ganesh on the instruction of the Sr. Manager of Chalakudy branch to take the second set of keys. You refused to accept the keys and submitted a leave application for 6-12-89 stating that you were having chest pain and wanted to meet the Doctor and that you would not be attending the office.

Then Sri. R. Ganesh, Officer-in-Charge contacted the Main branch around 4.30 PM and arranged for deputation of one Clerk. So Sri. T. N. Sudeva Sarma, Clerk was deputed to Madura Coats Extension Counter on 5-12-1989 from the Main branch.

Your refusal to take over keys in the last minute compelled the Officer-in-Charge of the counter to contact Main branch and arrange for deputation of a Clerk to take over the keys. This has inconvenienced the normal functioning of the Main branch also.

On the same around 5 O'Clock, you unauthorisedly took the Cash Register which was kept on the officer's table and signed near the wordings, "512-89 Received II key AOH from P. A. Saraswathy" in the said register even when the Officer instructed you not to sign since you had refused to take possession of the keys. You subsequently deleted your above signature affixed in the said register and kept back the register on the table. You had wilfully put your signature in the cash abstract with the intention to divert the issue. Your act of having put the signature in the Cash register without receiving the keys is highly objectionable and it is not expected of an employee of the Bank. By this act, you have tampered with the cash register.

On 6-12-89, you reported for duty at Madura Coats Extension Counter and handed over a letter dated 6-12-89 to cancel your earlier letter dated 5-12-89. From this, it is clear that you have submitted the letter by furnishing false reasons on 5-12-89 only for the purpose of refusing to take possession of the keys.

From your above act, it is very clear that you have wilfully disobeyed the lawful and reasonable orders of the superiors and refused to take over the keys and to substantiate your refusal, you have submitted a letter furnishing false details that you were sick.

Our Staff Section (W), Circle Office, Trivandrum had addressed a letter to you vide their reference TSSW/11550/EP/Ar. Dt. 21-12-89 asking for your explanation in this matter. In your reply dated 10-1-90 you had stated that you have taken over the keys of the double lock from Smt. P. A. Saraswathy, the then Cashier on 5-12-89 which is evident from the recordings made in the cash abstract book, with your signature. On further investigation it has been clear that you have signed the cash register without receiving the key from Smt. P. A. Saraswathy, with the intention of diverting the issue.

By your above acts you have not only disobeyed the lawful and reasonable orders of your superiors but also have made false statements in the correspondence addressed to superior authorities and have also tampered with the records of the Bank.

Your action of not having taken possession of the keys in spite of the instructions of your superiors and also for having signed in the Cash Register inspite of the instruction of your officer not

to do so, you have disobeyed the lawful and reasonable orders of the persons placed in authority over you and thereby you committed Gross Misconduct within the meaning of Chapter XI, Regulation 3, Clause (d) of Canara Bank Service Code.

Your action of having submitted a letter on 5-12-89 with a false statement that you were sick in order to refuse the keys and also for having stated in your letter dated 10-1-1990 that you have taken over the keys from Smt. P. A. Saraswathy, you have knowingly made false statements and thereby you have committed Gross Misconduct within the meaning of Chapter XI, Regulation 3, Clause (a) of Canara Bank Service Code.

Your action of having signed in the cash register without receiving the keys from the then Cashier Smt. P. A. Saraswathy, when you were not expected to handle the cash register, you have acted in a disorderly manner and committed Gross Misconduct within the meaning of Chapter XI, Regulation 3, Clause (k) of Canara Bank Service Code.

Your above actions being prejudicial to the interests of the Bank, you have committed Gross Misconduct within the meaning of Chapter XI, Regulation 3, Clause (m) of Canara Bank Service Code.

3. On the above charges a domestic enquiry was conducted and for the purpose of enquiry the management had appointed Sri L. Simon Dod Singh, Staff Section (Officers) Circle Office, Trivandrum as the Enquiry Officer. The workman was permitted to defend his case in the enquiry by any other employee of the Bank or a representative of a registered trade union. There was no Presenting Officer for the management. After adducing evidence of both management and the delinquent workman, a detailed enquiry report was submitted to the management. As provided in the service Code applicable to the management Bank a show cause notice was also given to the workman against the proposed punishment of barring of increment with cumulative effect. The workman submitted his explanation to the show cause notice. Along with the enquiry files, his findings and reply given by workman to the show cause notice were submitted by the enquiry Officer to the management. Disciplinary authority viz., Deputy General Manager imposed the punishment of barring of two increments with cumulative effect. However on the appeal filed by him, the appellate authority reduced the punishment by limiting the barring of two increments to one increment with cumulative effect. The legality of that punishment is the dispute to be adjudicated herein.

4. In the claim statement filed by the union several grounds were urged not only against the domestic enquiry but also against the legality of the punishment awarded. It is alleged that in spite of the fact that Enquiry Officer-cum-Presenting Officer was a legally trained person, the workman was compelled to defend himself in the enquiry. The charge sheet was issued under the provisions of the Canara Bank Service Code. In his case only the provisions of All India Bipartite Settlements entered into from time to time would be applicable. Since the disciplinary action was initiated against the Bipartite settlement, the enquiry proceedings and imposition of punishment thereon had become a nullity. The Enquiry Officer was acting as the Judge-cum-Prosecutor and he was anxious in fixing charges on the workman. He acted in a biased manner. The management witnesses in the enquiry were tutored by him. The entire conducting of the enquiry was in violation of principles of natural justice and the finding recorded by him were perverse. Therefore it is pleaded that the enquiry may be declared as illegal and workman may be permitted to adduce evidence to vindicate his stand.

5. The management filed a detailed counter statement. In that, they justified the enquiry on several grounds. According to them enough opportunity was given to the workman to defend his case. After adducing evidence of both sides, this Tribunal passed a preliminary order on 4-3-1994 sustaining the domestic enquiry conducted against the workman. I shall extract hereunder the full text of the preliminary order.

## PRELIMINARY ORDER

- “(1) The industrial dispute referred for adjudication is on the justifiability of the action of the management of Canara Bank in imposing the punishment of stoppage of increment with cumulative effect in the case of G. Devaraj, the workman concerned.
- (2) In the statement of claim filed by the union in this dispute a preliminary issue has been raised on the validity of the domestic enquiry conducted against the workman before the imposing of punishment. According to them the charges against the workman are vague and are lacking material particulars. The alleged misconduct does not come within any of the specified misconducts. No proper enquiry was conducted even on the charges levelled against the workman. The Enquiry Officer was acting as a Judge-cum-Prosecutor who was very anxious in fixing the charges on the workman. He acted in a biased manner. In the guise of re-examination of management witnesses, he was conducting fresh examination of the management witness. The management witnesses were also tutored by the Enquiry Officer. Although the workman requested for permission to seek the assistance of a Lawyer, the same was denied. Such a request was made by him obviously on account of the fact that the Enquiry Officer was also acting as the Presenting Officer. Moreover he was a Law Graduate also. The Enquiry Officer was very anxious in establishing the allegations against the workman and in his anxiety he refused to record certain vital questions put by the workman to the witnesses. Certain important documents including a preliminary investigation report sent by an official of a Bank was not at all brought on record at the time of enquiry. Some of the documents produced by the management were marked by the Enquiry Officer illegally and improperly in spite of the objection raised by the workman. Therefore, in sum and substance the enquiry conducted against the workman was vitiated on account of several infirmities. On the findings also the union has got serious objections. According to them, the findings are perverse and not supported by any legal evidence. The Enquiry Officer had committed grave error in relying on an investigation report submitted by an official of the management.
- (3) The management in their counter statement has repudiated all the allegations raised in the claim statement on the issue of validity of the enquiry. According to them, there is no compulsion that in the domestic enquiry there must be a Presenting Officer for the employer. The allegation that the workman was not permitted to be defended by an Advocate in spite of the fact that Enquiry Officer-cum-Presenting Officer was a legally trained person is also untrue. In fact on the very first day of the enquiry, the workman had stated that he himself would defend in the enquiry. No request was made by the workman for permitting him to seek the assistance of an employee of the Bank or a representative of the union or even of a Lawyer. There was also no irregularity in proposing the punishment which would be imposed and that was strictly in accordance with the provisions relating to disciplinary proceedings in the Bank.
- (4) Both sides adduced oral and documentary evidence in support of the respective contentions. On the side of management, Enquiry Officer was examined as MW1 and entire files were marked as Ext. M1 in the course of examination, MW1, the Enquiry Officer had admitted that he was acting as Presenting Officer also. He has also admitted that in Ext. W2 (Management's witness list) he added one more name for the purpose of examination. Moreover the witness list on the side of management was given to the workman only in the course of enquiry. Ext. W2 list was also signed by the Enquiry Officer. According to the union, the Enquiry Officer was having a deep involvement to see that the workman was brought to book. It is also alleged that several



leading questions were asked by the Enquiry Officer to the management witness and that was nothing but an effort to fix guilt on the workman.

(5) From the pleadings and also from the evidence adduced, the questions to be resolved are :

- (1) Whether the Enquiry Officer was justified in acting as the Presenting Officer also ?
- (2) Was there any kind of denial of opportunity to the workman to defend his case?
- (3) Was there any impropriety in proposing the punishment by the Enquiry Officer after conducting of the enquiry?

(1) The Enquiry Officer acting as the Presenting Officer—whether legal?

(6) It is an admitted case that there was no presenting Officer on the side of the management. The submission made by the counsel for the workman is that there was no fair play because the Enquiry Officer himself was presenting the case of the management. He had examined all the management witnesses. On the other hand the submission of the management is that no illegality has been committed by the Enquiry Officer in assuming the role of the Presenting Officer since it was sheer out of necessity to canvass that point the learned counsel relied on several decisions of the Supreme Court and also the Kerala High Court. In *Workman of Buckingham and Karnatic Mills, Madras vs. Buckingham Karnatic Mills* (1970) (i) LLJ26 the Supreme Court held that merely because Enquiry Officer was putting questions to the witnesses in the absence of a Presenting Officer, it will not in any manner vitiate the enquiry. In *Machinery Manufacturing Corporation Vs. Pal and others* [1963 (1) LLJ 131] the Calcutta High Court held that charge of bias on the ground that Enquiry Officer himself cross-examined witnesses cannot be sustained. The Kerala High Court in *Nilgiri Tea Estate Ltd., Vs. Workmen* [1991 (2) KLT Short notes page 54] held that putting questions to the witnesses by the Enquiry Officer in the absence of a Presenting Officer will not vitiate the enquiry. It was further held that merely because he was asking questions to witnesses, it cannot be said that the Enquiry Officer had acted as a Prosecutor and a Judge or that he was biased. Here, in this case, all the management witnesses who were examined by the Enquiry Officer were cross-examined by the delinquent workman himself and the records reveal that all the witnesses were thoroughly cross-examined by the delinquent. Relying on the above said decisions cited, I hold that no illegality was committed by the Enquiry Officer in the matter of conducting of domestic enquiry.

(2) Was there any denial of opportunity to the workman to defend in the enquiry?

(7) One of the complaints of the workman in the proceedings before this Tribunal is that there was no fair play because in the absence of a Presenting Officer, the Enquiry Officer was doing the job of Presenting Officer also. According to them, a legally qualified Enquiry Officer was examining all the witnesses on the side of management. Because of this reason, the workman had requested permission for seeking the assistance of a Lawyer in the enquiry and that was turned down by the Enquiry Officer. On the other hand, while tendering evidence before this Tribunal, the Enquiry Officer deposed that the workman was permitted to seek either the assistance of a trade unionist or any other employee conversant with the domestic enquiry proceedings. But the delinquent himself expressed his

readiness to participate in the enquiry without the help of a third person. According to MW1, the workman had never asked for permission to seek the assistance of a Lawyer. If he had such desire, he could have made request in writing seeking permission of somebody including that of a Lawyer this contentions issue it is conceded by the workman that he made only oral request for engaging a Lawyer. In the absence of any cogent evidence it cannot be held that the workman had made request for seeking the assistance of a Lawyer and the same was turned down. Moreover the assistance of a Lawyer or a co-worker even of a representative of union cannot be sought as a matter of right. In *Nilgiri Tea Estate Ltd. Vs. Workmen* [1991 (2) KLT Short not page 54] it was held by the Kerala High Court :

"In a domestic enquiry to which rules of evidence are not strictly applicable, assistance of a Lawyer or co-worker or a representative of a Union is not a matter of right and it depends upon the discretion of the Enquiry Officer to be considered in the fact and situation of each case. Denial of such opportunity cannot said to be violative of natural justice."

(8) The Enquiry Officer had deposed before this Tribunal that all the witnesses on the side of the management were thoroughly cross-examined by the delinquent in most befitting manner. According to the management the workman himself was conducting cases against the management in various forums. The written submissions of the workman after the completion of enquiry to his employer will show that he is a person well conversant with the requirements of all procedural matters in a domestic enquiry. Therefore I do not think that the non-appearance by a Lawyer in the domestic enquiry for assisting the workman had been prejudicial to his interest.

(3) Was there any legality in proposing the punishment by the Enquiry Officer ?

(9) The enquiry proceedings reveal that after the completion of enquiry, the Enquiry Officer issued show cause notice to the workman proposing the punishment of barring of two increments with cumulative effect. The workman's complaint is that the same punishment as recommended by the Enquiry Officer was awarded by the employer management. Because of this, it is alleged, the Enquiry Officer had actually acted both as a Prosecutor and as a Judge and therefore the whole enquiry is vitiated. It is also contended that such kind of issuance of show cause notice after completion of enquiry by the Enquiry Officer himself is against the provisions contained in the bi-partite settlement. According to the union, the provisions of bi-partite settlement will prevail on the provisions if at all contained in the Service Code prescribed by the Management. On the other hand the contention of the management is that the provisions of Service Code are still applicable with all vehemence in the matters relating to disciplinary proceedings. Without going further on the controversy regarding which will prevail ultimately whether the Service Code or bi-partite settlement, I would like to decide the rival contentions raised by both sides on the basis of judicial pronouncement. In *Sivarajan Vs. Presiding Officer* (1988 (2) KLT 385) it was held by the Kerala High Court that so long as the recommendations of the Enquiry Officer are not at all binding to the employer management, not much significance need be attached to the recommendations of the Enquiry Officer on the nature of punishment to be awarded. On the identical situation the Supreme Court held in *A.N.D. Silva Vs. Union of India* (AIR 1962 SC 1130).

"Neither the conclusion on the evidence nor the punishment which the enquiry authority may regard as appropriate is binding upon the punishing authorities."



(10). Still in another case, *Union of India Vs. H. C. Gopal* [AIR 1964 (SC) 364] it was held by the Supreme Court that the Enquiry Officer was holding the enquiry only as a delegate. Therefore neither his findings nor his recommendations are binding to the employer. If we examine the rational of the above said decisions, it can be seen that the recommendations of the Enquiry Officer on the nature of punishment cannot be considered as prejudicial to the interest of workman so long as the position is that such recommendations are not at all binding to the disciplinary authority.

(11) In the light of the above, I hold that there is nothing irregular or illegal in the domestic enquiry conducted against the workman. Hence I sustain the enquiry."

6. After the passing of the preliminary order both sides were heard elaborately on the propriety of the punishment awarded to the workman. Several grounds were urged by the counsel for workman for attacking the propriety of the punishment. According to him the findings arrived at by the Enquiry Officer are perverse and without any legal evidence. It is stated that before imposing the punishment of barring of two increments with cumulative effect, the disciplinary authority had not given any opportunity to the workman to say anything against the proposed punishment. Thirdly it is urged that the punishment imposed is *ultra vires*.

7. Before deciding the merit of the contention on the perversity of the findings, I will discuss first whether disciplinary powers were properly exercised by the management before imposing the punishment.

8. As per the Service Code applicable to the Canara Bank employees, the charges levelled against the workman would come under gross misconduct for which any of the major penalties contemplated in Clause 4 of Chapter XI of the Code could be imposed. If such gross misconduct is found to be proved, the delinquent can be awarded even dismissal or discharge. It may also invite stoppage of increments. Since it is found in the enquiry that the alleged misconducts were proved, the barring of increment is one of the punishments which could be imposed as per the Service Code. There is nothing in the bipartite settlement making any kind of restriction in the exercise of powers by the management. The misconduct alleged against are coming under Clause 19(5)(i) and 19(6)(b) of the bipartite settlement also. In the bi-partite settlement also awarding of the punishment of stoppage of increment is contemplated. In view of these, there is nothing wrong in the exercise of powers by the disciplinary authority. Now the question is before imposing the punishment is it incumbent on the disciplinary authority to issue show cause against the proposed punishment. The learned counsel for the workman submits that in the case on hand, the Enquiry Officer himself had given notice to workman to show cause against the punishment proposed by him. It is the contention of the learned counsel that by doing so the Enquiry Officer has stepped into the shoes of the Disciplinary Authority for which he is not competent. On these contentions, the learned counsel for the management has submitted that after recording the findings in the enquiry, the Enquiry Officer had only suggested the reasonable punishment which could be awarded. According to the learned counsel so long as the recommendations are not at all binding to the management, any recommendation regarding the punishment by the Enquiry Officer is of no consequence. The learned counsel has relied on a decision rendered by the Kerala High Court in *Sivarajan V. Presiding Officer* [(1988) 2 K.J.T. 385] in support of his contention. It was held that so long as the recommendations of the Enquiry Officer are not at all binding to the employer management, no significance need be attached to the recommendation of the Enquiry Officer on the nature of punishment to be awarded. Identical views were expressed by the Supreme Court in earlier occasions also. [See *Union of India Vs. H. C. Gopal* (AIR 1964) SC 364 and *A.N.D. Selva Vs. Union of India* (AIR 1962) SC 1130]. Exactly on identical situation where in Canara Bank is one of the parties, the Division Bench of the Andhra Pradesh High Court had occasion to discuss prevailing nature of bipartite settlement in *V. Krishna* 1675 GI94-10

*Moorthy Vs. Canara Bank*. The contention raised in that case was that issuance of show cause notice by the Enquiry Officer is not contemplated in the bipartite settlement and only in the Service Code applicable to the management Bank, such a provision is there. The contention raised was that since the provisions of bipartite settlement prevail on the provisions of Service Code, any action initiated in terms of the Service Code will be a nullity. After considering the submission of both sides, the Andhra Pradesh High Court held :

"But the question is whether on the facts of the present case there is any conflict between the provisions of the Bipartite agreement and the provisions in the Rules ?

It will be noticed that under para 19.14 by the Bipartite agreement the Chief Executive Officer or the Principal Officer in India, of a Bank, or an alternate Officer at the Head Office or principal office appointed by him for the purpose, shall decide which officer(s) shall be empowered to hold the enquiry and take disciplinary action in the case of each office or establishment. That would only mean that the Bipartite agreement requires that the person who holds the enquiry and takes the disciplinary action should be a person appointed for that purpose either by the Chief Executive Officer or the Principal Officer in India, of a bank, or a alternate Officer at the Head office or Principal office appointed by him. ....

There is, therefore, no conflict between the rule in force in the bank applicable to the disciplinary matter and para 19.14 of the Bipartite agreement."

9. Regarding the competency of the Enquiry Officer for issuing show cause notice proposed the punishment the Andhra Pradesh High Court in the above case said :

"In our view, there is no conflict between the Regulation 10(1) of the Canara Bank Service Code and para-19.12 of the Bipartite agreement. All that para 19.12 states is that the delinquent officer "shall be given a hearing as regards the nature of the proposed punishment in case any charge is established against him".

.....  
As stated earlier it will be necessary for the appellant to establish that there is a direct conflict between the procedural regulations of the bank and the provisions of the Bipartite agreement in order to contend that the latter prevails over the former. We are unable to find any such conflict in para 19:12 of the Bipartite agreement to say that it requires a proposal to be issued by the disciplinary authority alone and not by the enquiry officer. We cannot therefore accept the second contention".

10. Another contention urged by the learned counsel for the workman is that while awarding a major penalty it is incumbent on the disciplinary authority to consider and assess the past conduct of the delinquent employee. According to him since the punishment was proposed by the Enquiry Officer without having any occasion to make an assessment on the past conduct of the workman, and imposition of punishment without having such a course is unfair act. An Enquiry Officer who is proposing the punishment will not be conversant with the past conduct of the delinquent. The consideration of the past conduct is not a mandatory process. It was held by the Division Bench of the Andhra Pradesh High Court in *State Bank of Hyderabad Vs N. Narayana Rao* [W.A. No. 7/1981 dt. 16-8-1989—not reported] that having regards to the gravity of misconduct established the punishing authority was of the view that the employee deserved the maximum punishment, that could be imposed and the non-consideration of the past record may not be said to have vitiated the order of punishment. In view of these, I hold that the disciplinary powers were properly exercised by the Management.

11. Now we will come to the question whether the findings of the Enquiry Officer are vitiated on account of the lack of legal evidence.

12. In the charge sheet itself entire incidents leading to the commissioning of misconduct are narrated. It is stated in the charge that when the Officer-in-Charge of Koratty Extension Counter instructed the delinquent to receive second key from the Cashier, he refused to obey by insisting the Officer-in-Charge to make some other arrangements for deputing a Clerk from the main branch. It is also alleged in the charge sheet that the delinquent himself contacted the Main branch for deputing someone from there to receive the second key. Because of the shortage of time, the Officer-in-Charge of the Extension Counter again requested the delinquent to receive the key; but he refused. Only then after arrangements were made for deputing another Clerk viz., T. N. Sudeva Sarma, from Main branch to the Extension Counter for attending cash on the next day viz., 6-12-1989. When these arrangements were made, the delinquent put his signature on the cash register indicating his receipt of key from the Cashier P. A. Saraswathy on 5-12-1989. Since that was an unauthorised signing, the same was cancelled later. These incidents were narrated not only by the Officer-in-charge but also other employees including the Cashier-in-Charge. The Manager of the Main branch and also the officials there had also confirmed these incidents while tendering evidence before the Enquiry Officer. The persons who tendered evidence in the domestic enquiry had given a statement before an official of Canara Bank viz., A. Rajan of the Circle Office, Trivandrum when preliminary investigation was conducted by him. The statement given to the Investigating Officer were more or less confirmed by the witnesses who tendered evidence before the Enquiry Officer also. In view of these there is no scope for any reappraisal of evidence by this Tribunal especially when the domestic enquiry conducted by the management was in full compliance of the principles of natural justice. What should be the punishment awarded to the delinquent is purely a managerial discretion and only when there is irregularity or lack of any legal evidence or victimisation, this Tribunal will be justified in interfering on the punishment awarded by an employer. Although it may appear that the incident happened on 5-12-1989 seemingly a minor one the seriousness of its after effect cannot be ignored or belittled. Extension counter is part of a branch where there will be a skeleton staff. If a Cashier is on leave on a particular day, as a work arrangement, normally a person working in the same place may be asked to attend the cash. The delinquent initially refused. Later he gave a lame excuse saying that he would be on leave on the next day for having consultation with a Doctor. But he did not avail that leave and attended the work on the next day. If he was inclined to carry out instruction of the Officer-in-Charge of the extension, there would not have been any chance for this kind of development. The signing by him in the cash register even when he had plan to go on leave on the next day for medical reasons, he should not have signed cash register. Later his signature was cancelled. All those will be suggestive of the demeanour of the delinquent in the commissioning of the alleged misconduct. Therefore there is no material to absolve the workman from the charges levelled against him. For these type of misconduct any of the major penalties contemplated in the Canara Bank Code or of the bipartite settlement could be awarded. But the management chose to award the punishment of only barring of two increments. However on appeal, the appellate authority had reduced that punishment to one of barring of one increment with cumulative effect. In view of this I do not think the management had acted unfairly and vindictively against the workman. However I feel the interest of justice will be sufficiently met if the barring of one increment is limited to ten years.

Award is passed accordingly.

(Dated this the 8th day of June, 1994)

K. KANAKACHANDRAN, Industrial Tribunal

## APPENDIX

(I.D. No.: 18/92)

Witness examined on the side of the Management:—

MW1 : Simon

Witness examined on the side of the Union:—

WW1 : Devaraj.

Exhibits marked on the side of the Management:—

M1 : Entire Enquiry Files.

Exhibits marked on the side of the Union:—

W1 : The Enquiry Notice issued to the workman dated 2-3-1990.

W2 : Photocopy of the list of documents and List of Witnesses.

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1994

का. आ. 1764—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पंजाब एण्ड सिंध बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 7 जुलाई, 1994 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/255/91 आई आर (बी-2)]

बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th July, 1994

S.O. 1764.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab and Sind Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 7-7-1994.

[No. L-12012/255/91-IR-(B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

## ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

PRESENT :

Sri P. K. Tripathy, M.A. LL.B.,  
Presiding Officer,  
Industrial Tribunal,  
Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 3 of 1992 (Central)

Dated, Bhubaneswar, the 17th June, 1994

## BETWEEN

The management of Punjab & Sindh Bank,  
Ashoknagar, Unit-II, Bhubaneswar-751001. First party-  
management.

## AND

Their workman Sri Mahendranath Nayak,  
C/o Late Paramananda Nayak,  
At/P.O. Khantapara, Dist. Balasore. Second party-  
workman.

## APPEARANCES :

Sri J. K. Nayak, Officer of the Bank—For the first party-management.

Sri M. N. Nayak, the workman himself—For the second party-workman.

## AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of power u/s 10(1)(d) and Section 10(2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), (hereinafter referred to as 'The Act') have referred the following schedule of dispute for adjudication vide their Order No. 1-12012/255/91-IR(B.II) dated nil:—

"Whether the action of the management of Punjab and Sind Bank, Ashoknagar Branch, Bhubaneswar in terminating the services of Shri Mahendranath Nayak, ex-casual workman with effect from 10-7-90 is legal and justified? If so, to what relief the workman is entitled to?"

2. The case of the workman is that from 12-5-87 to 10-7-90 he worked continuously as a Peon in the Punjab and Sind Bank at Ashoknagar Branch, Bhubaneswar, which is a Corporate Public Sector Bank constituted under the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (hereinafter referred to as the 'management'). Though the workman was temporarily appointed as against a permanent vacancy, yet his service was not regularised. On the other hand, staffs were recruited to fill-up the said post and without following the procedure relating to retrenchment the workman was illegally disengaged and his service was terminated. He has further stated that during the aforesaid period from 1987 to 1990 he was paid daily wage at the rate of Rs. 15 which is comparatively low than the daily wage of an employee of the equal category. Hence, he has prayed for reinstatement in service with full back wages, regularising his service as against a permanent vacancy and to pay the differential amount for the period covered by 12-5-87 to 10-7-90.

3. The management has contested the case and it has stated in its written statement that the workman was employed on casual basis, his employment was not for 240 working days in any calendar year and his service was automatically terminated after the last phase of the service period expired. Under such circumstance, the management has urged that it is not a case of retrenchment and the procedure relating to retrenchment was not required to be followed. The management has further stated that the appointment of the workman being purely temporary and casual in nature, he is not entitled to any of the reliefs prayed.

4. After the written statement by the management was filed the workman has filed a rejoinder contending that he had worked for 240 days in a calendar year i.e. during 1989. Besides that in 1987 the workman worked for 30 days; in 1988 he worked for 210 days and in 1990 (till 10-7-90) he worked for 138 days. He has contended that he was in continuous employment under the management with break in service only on Sundays and holidays and accordingly for all working days he has been paid wages. He has further mentioned in Annexure-III that in 1988 also he was paid monthly salary for certain months. The workman has reiterated his demands and the prayers as mentioned above.

5. Keeping in view the reference and the aforesaid facts, the following issues were framed:—

## ISSUES

- (1) Whether the action of the management of Punjab and Sind Bank, Ashoknagar Branch, Bhubaneswar in terminating the services of Shri Mahendranath Nayak, Ex-casual workman with effect from 10-7-90 is legal and/or justified?

- (2) To what relief, if any, the workman is entitled to?

6. In support of its case, the management has examined M.V.J. Sri Dibakar Kansal, the Branch Manager of the Bank. It has also tendered in evidence Exts. 1 to 1/76 which

are the vouchers in proof of payment of wages to the workman. The workman has examined himself as W.W.1 and on his behalf documents have been marked as exhibits, viz., memorandum of settlement dated 16-10-92 between the management and their workmen marked Ext. A; a letter issued by the management on 6-9-93 regarding implementation of the aforesaid settlement marked Ext. D; representation dated 6-10-89 made by the workman for allowing him to attend the interview marked Ext. B and the minutes of the conciliation proceeding marked Ext. C.

7. Section 2(s) of the Act defines the term 'workman'. The present second party claims to be a workman within the meaning of the aforesaid definition. The management has not disputed the same. Therefore, it is held that the present second party is a workman as per the definition in Section 2(s) of the Act.

8. The workman has challenged his termination as an act of retrenchment within the meaning of Section 2(oo) read with Section 25-F of the Act. In substance his case is that during the aforesaid period beginning with 12-5-87 to 10-7-90 he was in continuous service save and except on Sundays and public holidays and intermittent break in service which has been alleged as a colourful device by the management to camouflage the whole issue. The evidence of W.W.1 is very specific in that regard. During cross-examination that part of his evidence has not been challenged by the management. Thus, the aforesaid evidence of WW1 remains unchallenged. On the other hand, M.W.1 in his evidence in examination-in-chief has stated that the workman worked for 38 days in 1987; for 205 days in 1988; 166 days in 1989 and 133 days till 10-7-90 in the year 1990. In the cross-examination he has stated that "as per the bank's record the workman joined as a casual labourer on 31-10-87. His last working day was 10-7-90". He has further stated that "I can not say if the total period of engagement of the workman from July 1989 to July 1990 was 254 days". In that connection, it may further be noted that M.W.1 has stated in his evidence that he joined in the branch on 6-4-93. Therefore, his evidence is entirely based on the available official record and he has no personal knowledge about the actual days during which the workman was employed. Annexure-III (filed with the rejoinder of the workman) gives a detail chart of the number of days and the period during which the workman worked. It goes to show that in 1987 the workman worked for 30 days in 1988, he worked for 210 days in 1989 he worked for 248 days and in 1990 (till 10-7-90) he worked for 138 days. The management has also not disputed this factual aspect either by tendering any positive evidence or even by denying to such assertion of the workman. On the other hand, Ext. 1 series filed by the management corroborates to the evidence and the statement of the workman that he was continuously engaged in the aforesaid manner. In that connection, the remaining vouchers are not forthcoming. Admittedly, such vouchers are under the control and custody of the management. In the absence of a statement from the side of the management that except Ext. 1 to 1/76 there is no other voucher relating to payment of wages to the workman it can not be presumed that the aforesaid vouchers (Ext. 1 series) are the whole of the vouchers relating to the workman. The sum total of the aforesaid discussion leads this Tribunal to hold that the claim as advanced by the workman regarding continuity in service from May '87 till July '90 (as indicated earlier) is the true state of affair. This Tribunal further held that during the year 1989 the workman had worked for more than 240 days and he has also worked continuously for a period exceeding 12 months in doing his incumbency.

9. At this juncture, the contention of the management, in spite of the aforesaid plea of the workman, is that it is not a case of retrenchment as per the provisions in Section 2(oo) of the Act, therefore, the management was not required to follow the provisions of law in Section 25-F of the Act. The workman advanced a contrary argument and relies on a series of decision in support.

10. Section 2(oo) of the Act reads as hereunder:—

"retrenchment" means the termination by the employer of the service of a workman for any reason whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action, but does not include—

(a) voluntary retirement of the workman; or

- (b) retirement of the workman on reaching the age of superannuation if the contract of employment between the employer and the workman concerned contains a stipulation in that behalf ; or
- (bb) termination of the service of the workman as a result of the non-renewal of the contract of employment between the employer and the workman concerned on its expiry or of such contract being terminated under a stipulation in that behalf contained therein ; or
- (c) termination of the service of a workman on the ground of continued ill-health.

It may be noted here that clause (bb) was inserted by virtue of an amendment in the year 1984. It is the contention of the management that by virtue of the said provision the termination of the service of the workman does not amount to retrenchment. This contention needs careful consideration.

The workman has relied upon the decisions reported in AIR 1976 SC page 1111 (State Bank of India Vrs. Sri N. Sundara Money); AIR 1977 SC Page 31 (Hindustan Steel Ltd. Vrs. The Presiding Officer, Labour Court, Orissa and others); AIR 1978 SC page 8 (Delhi Cloth and General Mills Co. Ltd. Vrs. Sambhunath Mukherjee and others); AIR 1981 SC page 1253 (Mohan Lal Vrs. The management of M/s. Anar Electronics Ltd.) and AIR 1982 SC page 854 (L. Robert D'Souza Vrs. The Executive Engineer, Southern Railway and another) in which their Lordships of the Hon'ble Supreme Court have been pleased to interpret the provisions in Section 2(oo) of the Act (before its amendment in the year 1984) and their Lordships have been pleased to propound that even the termination of a temporary employee or daily rated or casual workman amounts to retrenchment if the same is not coming within the definition of exceptions in Section 2(oo) of the Act that is to say if the termination of the service was not as a consequence of any disciplinary action or due to voluntary retirement or due to retirement on superannuation or due to continuous illness and absence resulting in termination of service. In the said decisions there was no scope for considering the interpretation of Clause (bb) of Section 2(oo) of the Act, in as much as, the said provisions was inserted in the Statute by virtue of an amendment vide Act 49 of 1984. Thus the crux of the matter is as to whether this exception provided in Clause (bb) applies in terms to the termination of the workman.

11. At the risk of repetition, it may be stated that the aforesaid clause (bb) of Section 2(oo) provides that if the service of a workman is terminated as a result of non-renewal of the contract of employment between the employer and the workman after the expiry of the said period or if such contract being terminated under a stipulation in that behalf contained therein. (The underlinings are by this Tribunal to put emphasis).

The term 'contract' has not been defined in the Act. In Halsbury's Laws of England, 3rd Ed. Vol. 8 Page 54, the term 'contract' has been defined and quoted as hereunder :—

"A contract is an agreement made between two or more persons which is intended to be enforceable at law, and is constituted by the acceptance by one party of an offer made to him by the other party to do or to abstain from doing some act. The offer and acceptance may be either express or inferred by implication from the conduct of the parties."

According to Section 2(h) of the Indian Contract Act, 1872, "An agreement enforceable by law is a contract." In other words, contract is an agreement between competent parties, upon a lawful consideration to do or to abstain from doing some act which is binding.

12. That being the meaning of the term 'contract' it is to be seen whether a contract expressly or impliedly was subsisting between the management and the workman regarding termination of the service on 10-7-90. The evidence

of MW-1 is completely silent on that aspect. He has even not stated that when employment was given to the workman and how it was regulated from time to time till the date of his termination on dated 10-7-90. No appointment letter specifying the terms and conditions of the casual employment has been produced by the management. Nothing has been produced to infer that the workman had been informed that his service was terminable at the sweet will of the management at any point of time. Under the given circumstance and in the absence of specific evidence it can safely be concluded that no contract was subsisting between the management and the workman specifying therein the period of service of the workman or a stipulation that at any time it is terminable without notice. Thus, the condition precedent for complying the provisions in clause 2(oo) sub clause (bb) are not satisfied by the management and therefore, that clause is also not applicable in the present case. In this connection, it may be noted here that while considering a similar matter the Hon'ble Supreme Court in a decision reported in 1994 (68) F.L.R. page 443 (M. Venugopal Vrs. The Divisional Manager, Life Insurance Corporation of India and another) have been pleased to observe that "It need not be impressed that if in the contract of employment no such stipulation is provided or prescribed, then such contract shall not be covered by clause (bb) of Section 2(oo)." (at page 446).

At the aforesaid factual backdrop, legal provisions and the observations of the Hon'ble Supreme Court, this Tribunal is not prepared to accept the contention of the management. On the other hand, this Tribunal finds that the termination of employment of the workman is not covered by any of the exceptions provided in Section 2(oo) of the Act. Thus, the act of termination of service of the workman falls within the mischief term 'retrenchment' as defined in Section 2(oo) of the Act. In other words, the termination of service of the workman on 10-7-90 amounts to an act of retrenchment.

13. After coming to the aforesaid conclusion, the adjudication of the dispute becomes easier, in as much as, admittedly the management has not taken any step for service of retrenchment notice or payment of retrenchment compensation as provided in Section 25-F of the Act. In clear terms MW-1 has also admitted about the said fact while deposing in this Tribunal. In all the aforesaid cited decisions of the Hon'ble Supreme Court their Lordships have been pleased to propound that when there has been a retrenchment without satisfying the provisions in Section 25F, then such order of retrenchment (even if it is called as termination by the management) is void ab initio and therefore, it is nonest in the eye of law. Thus, while answering the reference this Tribunal is of the opinion that termination of service of the workman with effect from 10-7-90 is illegal and unjustified.

14. The next part of the reference relates—

"To what relief the workman is entitled to ?" At this juncture, the contention of the workman and the objections of the management are mentioned again for the sake of clarity and continuity in discussion. The workman has claimed two benefits, viz. (a) equal pay for equal job from the date of his engagement till the date of his termination i.e., from 12-5-87 to 10-7-90 and (b) for reinstatement in service as a regular employee with back wages from the date of termination till the date of reinstatement. The management has opposed to both the prayers on the ground that it is not a case of retrenchment, which issue has already been adjudicated in a preceding paragraph.

The evidence of the workman is that he was appointed in the transfer vacancy of a Peon, namely, Jaysingh Behera who was transferred on promotion to Kharagpur. It is the admitted case of both the parties that during 1987 and 1988 the workman was paid wages at the rate of Rs. 15 per day whereas during 1989 and 1990 he was paid wages at the rate of Rs. 25 per day. As per the memorandum of settlement, Ext. A, the management decided to regularise the services of casual and temporary employees who have worked for 240 days in a calendar year. That is the case advanced by the workman. As has been mentioned in preceding paragraph, the workman has asserted that in the year 1989 only he worked for more than 240 days. Thus, his case for regular employment on the basis of the aforesaid settlement (Ext. A) is implementable because of completion of

240 working days in 1989. On a bare arithmetical calculation of the particulars given in Annexure-III (filed along with the rejoinder of the workman) it is found that 240 working days was completed on 21-12-89 and from that day onwards, as per the settlement in Ext. A, the workman is entitled for regular appointment. In his evidence the workman has stated that he was performing the job of a regular Peon and doing all necessary works of a Peon. Since he became a temporary employee eligible to be regularised after completion of service till 21-12-89, therefore, basing upon the sound principle of equal pay for equal job, the workman is entitled for a wage equivalent to 1/30th (one thirtieth) of salary of a workman in the category of Peon from 21-12-89 till 10-7-90 for each date on which he worked in the bank.

15. It is indeed a said state of affairs that even after exploiting the service of the workman for nearly three years his case was not considered either for regularising him in service or allowing him a chance to attend the interview conducted in the year 1989-90 to fill-up the vacancy of two posts of peon. In that context, the evidence of the workman read with Ext. B goes to show that his representation was not even taken into consideration for allowing him to attend the interview. When this Tribunal has already come to the conclusion that the act of termination amounts to retrenchment and when Ext. A in clear terms accepts on principle to regularise the services of casual employees as sub-staff, who have completed 240 days of service in a calendar year, there is no hesitation in the mind of this Tribunal to grant the relief of regularisation of service of the workman. Accordingly, the management is directed to regularise the service of the workman and to give him substantive appointment. Since for no fault of his the workman remained out of engagement from 10-7-90 and when no evidence is forthcoming from the side of the management that during these intervening period the workman has been employed elsewhere, therefore, he is entitled to the back wages from 11-7-90 till the date of regularisation of his service.

16. As per the aforesaid discussion and findings, award is passed to the effect that termination of service of the workman with effect from 10-7-90 is illegal and non-sustainable in the eye of law. The workman is therefore, entitled to wages at the rate of 1/30th (one thirtieth) of the monthly salary of a Peon in the Bank for the days during which he worked in the Bank from 21-12-89 till 10-7-90 and in that connection the wages already paid to him for the said period be adjusted towards such dues and the remaining be paid in this two months hence. The workman is to be given appointment and regularised in service with full back wages from 11-7-90 till the date of giving such appointment and this part of the award be implemented within 2 months hence.

17. The reference is answered and award is passed accordingly.

Dictated and corrected by me.

P. K. TRIPATHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1994

का. आ. 1765.—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा डा. आई. पी. पोद्दार के स्थाप पर श्री एस. बी. टोडी को केन्द्रीय न्यासी बोर्ड के एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है और दिनांक 12 दिसम्बर, 1993 के भारत के राजपत्र प्रकाशरण के भाग-II खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित [भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2691 दिनांक 18 नवम्बर, 1993 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में क्रम सं. 31 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाये, अर्थात् —

श्री एस. सी. टोडी,  
वरिष्ठ सहायक,  
अखिल भारतीय निर्माता संगठन,  
जावन रहकार,  
73. सर पी. एम. रोड,  
बम्बई - 400001

[वा 20012 / 1 / 93-एस एम.-II]

जे. पी. शुक्ला, सचिव

New Delhi, the 8th July, 1994

S.O. 1765—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 5-A of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri S. B. Todi as a member of the Central Board of Trustees in place of Dr. J. P. Poddar and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2691, dated the 18th November, 1993 published in Part-II Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary dated the 12th December, 1993.

In the said notification against serial No. 31 and entries relating thereto the following shall be substituted namely :—

Shri S. B. Todi,  
Sr. Vice President,  
All India Manufacturers Organisation,  
Jeevan Sahakar,  
73, Sir PM Road,  
Bombay-400001.

[No. V-20012/1/93-SS. II]  
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली 8 जुलाई, 1994

का. आ. 1765.—यतः मैगर्स कानेज 74, फिल्म चैम्बरस, बिल्डिंग-604 अन्ता मलाई मद्रास-600006 (इसके प्रागे जहाँ कहीं भी उक्त स्थापना शब्द का प्रयोग हो, इसमें अभिप्रायः उक्त स्थापना से है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) इसके प्रागे उक्त अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट) को धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के प्रस्तावित छूट प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

यह केन्द्रीय सरकार की राय में उक्त स्थापना के कर्मचारियों के लिए तैयार किए गए भविष्य निधि नियमों में अंशदान की दर उक्त अधिनियम की धारा 6 में उल्लिखित कर्मचारी अंशदान की दर से कम नहीं है तथा इसके कर्मचारियों को मिलने वाले भविष्य निधि/उक्त अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 इसके प्रागे जहाँ कहीं भी स्कीम शब्द का प्रयोग किया गया है उसमें अभिप्राय उक्त स्कीम से है (में उल्लिखित लाभों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है जो इस वर्ग की स्थापनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को उपलब्ध है।

अब इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा एक के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और संलग्न अनुसूची में वर्णित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त स्थापना को उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के लागू होने से 1-1-1979 से छूट प्रदान करती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापना से संबंधित नियोजन केन्द्र सरकार के द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देश के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) में उल्लिखित निरीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार की अदायगी प्रत्येक माह की समाप्ति के 15 दिन के अन्दर करेगा।

2. न छूट प्राप्त स्थापनाओं के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम और उसके अधीन रचित स्कीम के अन्तर्गत देय अंशदान के दर से स्थापना के भविष्य निधि नियमों के अन्तर्गत देय अंशदान का दर किसी समय भी कम न होगा।

3. पेशगियों के मामले में छूट प्राप्त स्थापना को स्कीम कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम 1952 से कम हितकर नहीं होगा।

4. उक्त स्कीम में कोई भी संशोधन जो स्थापना के वर्तमान नियमों से अधिक लाभकारी है उन पर अपने आप लागू किया जाएगा। उक्त स्थापना के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमति के बगैर नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से उक्त स्थापना के कर्मचारियों के हित के प्रतिकूल प्रभावी होने की सम्भावना है वहां अपनी अनुमति से पूर्व, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, कर्मचारियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का उचित अवसर देगा।

5. यदि स्थापना को छूट न दी जाती तो वे सभी कर्मचारी (जैसे उक्त अधिनियम की धारा 2 (च) में निश्चित किया गया है) जो सदस्य बनने के पात्र होते, सदस्य बनाए जाएंगे।

6. जहां एक कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी) या किसी अन्य छूट-प्राप्त स्थापना का पहले से सदस्य है, को अपनी स्थापना में काम पर लगाया जाता है तो नियोजन उसे निधि का तुरन्त सदस्य बनाएगा और ऐसे कर्मचारी के पिछले नियोजन के पास भविष्य निधि लेख में संचयों को अंतरित कराने और उसके लेख में जमा कराने की व्यवस्था करेगा।

7. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार के द्वारा जैसे भी मामला हो, समय-समय पर दिए गए निर्देशों के अनुसार भविष्य निधि के प्रबन्ध के लिए नियोजन न्यासी बोर्ड की स्थापना करेगा।

8. भविष्य निधि, न्यासी बोर्ड में निहित होगा जो अन्य बातों के हानि हुए भविष्य निधि में आय के उचित

लेखों और भविष्य निधि से अदायगियों और उनकी अभिरक्षा में शेषों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उत्तरदायी होगा।

9. तथा 10. न्यासी बोर्ड कम से कम 3 माह में एक बार बैठक करेंगे और केन्द्र सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके द्वारा अधिकृत किसी अधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी किये गए मार्ग निर्देशों के अनुसार कार्य करेंगे/न्यासी बोर्डों द्वारा रखे गये भविष्य निधि लेखों की लेखा परीक्षा वार्षिक रूप से योग्य मनरी लेखापाल द्वारा स्वतन्त्र रूप से की जायेगी। जहां भी आवश्यक होगा केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिकार होगा कि वह किसी अन्य योग्य लेखा परीक्षक से खातों की द्वाारा लेखा-परीक्षा कराए और ऐसे पुनः लेखा-परीक्षा के खर्च नियोजन वहन करेगा।

11. प्रत्येक वर्ष स्थापना के लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के साथ लेखा परीक्षित वार्षिक भविष्य निधि लेखों की एक प्रति वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छः माह के अन्दर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को प्रस्तुत की जायेगी। इस प्रयोजन के लिये भविष्य निधि का वित्तीय वर्ष पहली अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

12. नियोजन प्रतिमाह भविष्य निधि के देय अपने कर्मचारियों के अंशदानों को आगामी माह की 15 तारीख तक न्यासी बोर्ड को अंतरित कर देगा। अंशदानों की किस्म से अदायगी करने के लिये समान परिस्थितियों में नियोजन नुकसानी देने का उगी प्रकार उत्तरदायी होगा जिस प्रकार एक न-छूट प्राप्त स्थापना उत्तरदायी होती है।

13. न्यासी बोर्ड सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशों के अनुसार निधि में जमा राशियों का निवेश करेगा। प्रतिभूतियां न्यासी बोर्ड के नाम पर प्राप्त की जायेंगी और भारतीय रिजर्व बैंक के जमा निर्वहन में अनुसूचित बैंक की अभिरक्षा में रखा जायेगा।

14. सरकार के निर्देशों के अनुसार निवेश न करने पर न्यासी बोर्ड, अलग-अलग रूप से और एक साथ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके प्रतिनिधियों द्वारा लगाये गये अधिक प्रभार का उत्तरदायी होगा।

15. न्यासी बोर्ड एक वस्तु-ब्योरा रजिस्टर तैयार करेगा और ब्याज और विमोचन आय की समय पर वसूली सुनिश्चित करेगा।

16. जमा किये गये अंशदानों, निकाले गये और प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित ब्याज को दिखाने के लिये न्यासी बोर्ड विस्तृत लेख तैयार करेगा।

17. वित्तीय/लेखा वर्ष की समाप्ति के छः माह के अन्दर बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण जारी करेगा।

18. बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण के स्थान पर पासबुक जारी कर सकता है। ये पास-बुक

कर्मचारियों की प्रतिरक्षा में रहेंगी और कर्मचारियों के प्रस्तुतीकरण पर बोर्ड के द्वारा उन्हें अछूतन किया जायेगा।

19. लेखा वर्ष के पहले दिन आदि शेष पर प्रत्येक कर्मचारी के लेखे में ब्याज उस दर से जमा किया जायेगा जिसका न्यासी बोर्ड निर्णय करें परन्तु यह उक्त स्कीम के पैरा 60 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित दर से कम नहीं होगा।

20. यदि न्यासी बोर्ड केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित ब्याज की दर इस कारण से कि निवेश पर आय कम है या किसी अन्य कारण से अदा करने में असमर्थ है तो इस कमी को नियोक्ता पूरा करेगा।

21. नियोक्ता भविष्य निधि की चोरी के कारण लूट-घसट, ग़बन, ग़बन अथवा किसी अन्य कारण से हुई हानि को पूरा करेगा।

22. नियोक्ता और न्यासी बोर्ड, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां प्रस्तुत करेगा जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निर्धारित करें।

23. उक्त स्कीम के पैरा 69 को शैली पर किसी कर्मचारी को निधि के सदस्य न रहने पर यदि स्थापना के भविष्य निधि नियमों में नियोक्ताओं के अंशदानों को जन्म करने की व्यवस्था है तो न्यासी बोर्ड इस प्रकार जन्म की गई राशियों का अलग से लेखा तैयार करेगा और उसे प्रयोजनों के लिये उपयोग करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति से सुनिश्चित किया गया हो।

24. स्थापना के भ.नि. नियमों में किसी बात के होते हुए भी रोवानिवृत्त होने अथवा किसी अन्य स्थापना में रोजगार लगने के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति के निधि की सदस्यता न रहने पर यदि यह देखने में आता है कि स्थापना के भ.नि. नियमों के अन्तर्गत अंशदान की दर, जब्ती आदि की दर, सांविधिक स्कीम की दरों की तुलना में कम अनुकूल है तो उस का अंतर नियोक्ता द्वारा दिया जायेगा।

25. नियोक्ता, भविष्य निधि के प्रशासन से संबंधित सभी खर्च जिसमें लेखों के रख-रखाव, रिटर्न प्रस्तुत किये जाने, गणियों का अन्तरण शामिल है, वहन करेगा।

26. नियोक्ता समुचित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित निधि के नियमों की एक प्रति तथा जब भी कोई संशोधन होता है, उसकी मुख्य बातों को कर्मचारियों के बहुमत की भाषा में अनुवाद करके स्थापना के बोर्ड पर लगायेगा।

27. "गमुचित सरकार" स्थापना की चालू छूट पर और शर्तें लगा सकती हैं।

28. यदि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत स्थापना वर्ग जिसमें उसकी स्थापना आती है, पर अंशदान की दर

बढ़ाया जाता है, नियोक्ता भविष्य निधि अंशदान की दर उक्त स्तर में बढ़ाएगा, ताकि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत दिये जाने वाले लाभों से स्थापना को स्कीम के अन्तर्गत दिये जाने वाले भविष्य निधि के लाभ किसी भी प्रकार से कम न हों।

29. उक्त शर्तों में से किसी एक से उल्लंघन पर छूट रद्द की जा सकती है।

[सं. एम-35015/16/93-एम.एम. II]

जे.पी. शुक्ला, अवसर सचिव

New Delhi, the 8th July, 1994

S. O. 1766.—Whereas M/s. Collage 74, Film Chamber Building, 604 Anna Salai Madras-600006 (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas in the opinion of the Central Government the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of similar character ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme w.e.f. 1-1-79.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (3) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

2. The rate of contribution payable under the provident fund rules of the establishment shall at no time be lower than those payable under the said Act in respect of the un-exempted establishment and the said Scheme framed there-under.

3. In the matter of advances, the scheme of the exempted establishment shall not be less favourable than the Employees' Provident Fund Scheme, 1952.

4. Any amendment to the said Scheme which is more beneficial to the employees than the existing rules of the establishment shall be made applicable to them automatically. The employer shall not however make any other amendment in its P.F. rules without the approval of Regional Provident Fund Commissioner. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their points of view.

5. All employees (as defined in section 2(f) of the said Act who would have been eligible to become members of the Provident Fund had the establishment not been granted exemption shall be enrolled as members.

6. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory) or a provident fund of any other exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enroll him as a member of the fund and arrange to have the accumulations in the provident fund account of such employee with his previous employer transferred and credited to his account.



7. The employer shall establish a Board of Trustees for the management of the provident fund according to such directions as may be given by the Central Government Fund Commissioner or by the Central Government, as the case may be, from time to time.

8. The provident fund shall vest in the Board of Trustees who will be responsible for and accountable to the Employees Provident Fund Organisation inter-alia for proper accounts of the receipts into and payments from the provident fund and the balances in their custody.

9. The Board of Trustees shall meet at least once in every three months and shall function in accordance with the guidelines that may be issued from time to time by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner or and officer authorised by him.

10. The accounts of the Provident Fund maintained by the Board of Trustees shall be subject to audit by a qualified independent Chartered Accountant annually. Where considered necessary the Central Provident Fund Commissioner shall have the right to have the accounts re-audited by any other qualified auditor and the expenses so incurred shall be borne by the employer.

11. A copy to the audited annual provident fund accounts together with the audited balance sheet of the establishment for each accounting year shall be submitted to the Regional Provident Fund Commissioner within six months after the close of the financial year. For this purpose the financial year of the provident fund shall be from the 1st of April to the 31st of March.

12. The employer shall transfer to the Board of Trustees the contributions payable to the Provident Fund by himself and employees by the 15th of each month following the month for which the contributions are payable. The employer shall be liable to pay simple interest for any delay in payment of the establishment ~~is liable in similar circumstances.~~

13. The Board of Trustees shall invest the monies in the fund as per directions that may be given by the Government from time to time. The securities shall be obtained in the name of the Board of Trustees and shall be kept in the custody of a Scheduled Bank under the Credit Control of the Reserve Bank of India.

14. Failure to make investments as per directions of the Government shall make the Board of Trustees severally and jointly liable to surcharge as may be imposed by the Central Provident Fund Commissioner or his representative.

15. The Board of Trustees shall maintain a scriptwise register and ensure timely realisation of interest.

16. The Board of Trustees shall maintain detailed accounts to show the contributions credited, withdrawal and interest in respect of each employee.

17. The Board shall issue an annual statement of accounts to every employee within six months of the close of financial/ accounting year.

18. The Board may, instead of the annual statement of accounts, issue pass books to every employees. Those pass book shall remain in the custody of the employees and will be brought uptodate by the Board on presentation by the employees.

19. The accounts of each employee shall be credited with interest calculated on the opening balance as on the 1st day of the accounting year at such rate as may be decided by the Board of Trustees but shall not be lower than the rate declared by the Central Government under para 60 of the said Scheme.

20. If the Board of Trustees are unable to pay interest at the rate declared by the Central Government for the reason that the return on investment is less or for any other reason than the deficiency shall be made good by the employer.

21. The employer shall also make good any other loss that may be caused to the Provident Fund due to theft burglary, defalcation mis-appropriation or any other reason.

22. The employer as well as the Board of Trustees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government/Central Provident Fund Commissioner may prescribe from time to time.

23. If the Provident Fund rules of the establishment provide for forfeiture of the employees' contribution in cases where an employee ceases to be a member of the fund on the lines of para 69 of the said Scheme, the Board of Trustees shall maintain a separate account of the amount so forfeited prior to 1-1-90 utilise by the B-O-T for such purposes as may be determined with the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner.

24. Notwithstanding any thing contained in the Provident Fund Rules of the establishment, if on the cessation of any individual from the membership of the fund consequent on retiring from service or on taking up the employment in some other establishment, it is found that the rate or contribution rate of forfeiture etc., under the P.F. Rules of the establishment are less favourable as compared to those under the statutory Scheme, the difference shall be borne by the employer.

25. The employer shall bear all the expenses of the administration of the provident fund including the maintenance of accounts, submission of returns, transfer of accumulations.

26. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate authority and as and when amended there-to alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

27. The appropriate Government may lay down any further conditions for continued exemption of the establishment.

28. The employee shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contribution is enhanced under the said Act so that the benefits under the Provident Fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefits provided under the said Act.

29. The exemption is liable to be cancelled for violation of any of the above conditions.

[No. S-35015/16/93-SS. III]  
J. P. SHUKLA, Under Secy.

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम विभाग)

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1994

का. आ. 1767.—यतः मैसर्स सी. एच. के. इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लिमिटेड, कृष्णा हाऊस, 61, विनस कालोनी, दूसरी स्ट्रीट, अलवारपेट; मद्रास-18 और उसकी शाखाएं, (इसके आगे जहां कहीं भी उक्त स्थापना शब्द का प्रयोग हो, इससे अभिप्रायः उक्त स्थापना से है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (इसके आगे उक्त अधिनियम के नाम से विनिर्दिष्ट) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अन्तर्गत छूट प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

यह केन्द्र सरकार की राय में उक्त स्थापना के कर्मचारियों के लिए तैयार किए गए भविष्य निधि नियमों में अंशदान की दर उक्त अधिनियम की धारा 6 में उल्लिखित कर्मचारी अंशदान की दर से कम नहीं हैं तथा इसके कर्मचारियों को मिलने वाले भविष्य निधि उक्त अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (इसके आगे जहां कहीं भी स्कीम शब्द का प्रयोग किया गया है उससे अभिप्राय उक्त



स्कीम से है) में उल्लिखित लाभों से किसी भी प्रकार में कम नहीं है जो इस वर्ग की स्थापनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को उपलब्ध है।

अब इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा एक के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और संलग्न अनुसूची में वर्णित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त स्थापना को उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के लागू होने से 1-4-1983 से छूट प्रदान करती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापना से संबंधित नियोक्ता केन्द्र सरकार के द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) में उल्लिखित निरीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार की अदायगी प्रत्येक माह की समाप्ति के 15 दिन के अन्दर करेगा।

2. न-छूट प्राप्त स्थापनाओं के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम और उसके अधीन सृजित स्कीम के अन्तर्गत देय अंशदान के दर में स्थापना के भविष्य निधि नियमों के अंतर्गत देय अंशदान का दर किसी समय भी कम न होगा।

3. पेशगियों के मामले में छूट प्राप्त स्थापना की स्कीम कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 से कम हितकर नहीं होगी।

4. उक्त स्कीम में कोई भी संशोधन जो स्थापना के वर्तमान नियमों से अधिक लाभकारी है उन पर अपने आप लागू किया जाएगा। उक्त स्थापना के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति के बगैर नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से उक्त स्थापना के कर्मचारियों के हित के प्रतिकूल प्रभावी होने की सम्भावना है वहां अपनी अनुमति से पूर्व, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, कर्मचारियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का उचित अवसर देगा।

5. यदि स्थापना को छूट न दी जाती तो वे सभी कर्मचारी (जैसे उक्त अधिनियम की धारा 2(च) में निश्चित किया गया है) जो सदस्य बनने के पाल होते, सदस्य बनाए जाएंगे।

6. जहां एक कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी) या किसी अन्य छूट-प्राप्त स्थापना का पहले से सदस्य है, को अपनी स्थापना में काम पर लगाया जाता है तो नियोक्ता उसे निधि का तुरंत सदस्य बनाएगा और ऐसे कर्मचारी के पिछले नियोक्ता के पास भविष्य निधि लेखों में संचयों को अंतरित कराने और उसके लेखों में जमा कराने की व्यवस्था करेगा।

7. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार के द्वारा जैसे भी मामला हो, समय-समय पर दिए

गए निर्देशों के अनुसार भविष्य निधि के प्रबन्ध के लिए नियोक्ता न्यासी बोर्ड की स्थापना करेगा।

8. भविष्य निधि, न्यासी बोर्ड में निहित होगा जो अन्य बातों के होने हुए भविष्य निधि में आय के उचित लेखों और भविष्य निधि से अदायगियों और उनकी अभिरक्षा में शेषों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उत्तरदायी होगा।

9. तथा 10. न्यासी बोर्ड कम से कम 3 माह में एक बार बैठक करेगा और केन्द्र सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके द्वारा अधिकृत किसी अधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी किये गए मार्ग निर्देशों के अनुसार कार्य करेंगे। न्यासी बोर्डों द्वारा रखे गये भविष्य निधि लेखों की लेखा परीक्षा वार्षिक रूप से योग्य सनदी लेखापाल द्वारा स्वतन्त्र रूप से की जायेगी/जहां भी आवश्यक होगा केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिकार होगा कि वह किसी अन्य योग्य लेखा परीक्षक से खातों की दुबारा लेखा-परीक्षा कराए और ऐसे पुनः लेखा-परीक्षा के खर्च नियोक्ता वहन करेगा।

11. प्रत्येक वर्ष स्थापना के लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के साथ लेखापरीक्षित वार्षिक भविष्य निधि लेखों की एक प्रति विनियम वर्ष की समाप्ति के छः माह के अन्दर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को प्रस्तुत की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए भविष्य निधि का वित्तीय वर्ष पहली अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

12. नियोक्ता प्रतिमाह भविष्य निधि के देय आने कर्मचारियों के अंशदानों को आगामी माह की 15 तारीख तक न्यासी बोर्ड को अंतरित कर देगा। अंशदानों का विलम्ब से अदायगी करने के लिए समाप्त परिस्थितियों में नियोक्ता नुकसान देने का उसी प्रकार उत्तरदायी होगा जिस प्रकार एक न-छूट प्राप्त स्थापना उत्तरदायी होती है।

13. न्यासी बोर्ड सरकार द्वारा समय-समय दिए गए निर्देशों के अनुसार निधि में जमा राशियों का निवेश करेगा। प्रतिभूतियां न्यासी बोर्ड के नाम पर प्राप्त की जाएंगी और भारतीय रिजर्व बैंक के तमाम नियंत्रण में अनुसूचित बैंक की अभिरक्षा में रखा जाएगा।

14. सरकार के निर्देशों के अनुसार निवेश न करने पर न्यासी बोर्ड अलग-अलग रूप से और एक साथ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके प्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए अधिक प्रभार का उत्तरदायी होगा।

15. न्यासी बोर्ड एक वस्तु व्याज रजिस्टर तैयार करेगा और व्याज और विमोचन आय की समय पर वसूली सुनिश्चित करेगा।

16. जमा किए गए अंशदानों, निकाले गए और प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित व्याज को दिखाने के लिए न्यासी बोर्ड विस्तृत लेख तैयार करेगा।

17. वित्तीय लेखा वर्ष की समाप्ति के छः माह के अन्दर बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी का वार्षिक लेखा विवरण जारी करेगा।

18. बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण के स्थान पर पास-बुक जारी कर सकता है। ये पास-बुक कर्मचारियों की अभिरक्षा में रहेंगी और कर्मचारियों के प्रस्तुतीकरण पर बोर्ड के द्वारा इन्हें अद्यतन किया जाएगा।

19. लेखा वर्ष के पहले बिन आदि शेष पर प्रत्येक कर्मचारी के लेखों में ब्याज उस दर से जमा किया जाएगा जिसका न्यासी बोर्ड निर्णय करें परन्तु यह उक्त स्कीम के पैरा 60 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित दर से कम नहीं होगा।

20. यदि न्यासी बोर्ड केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित ब्याज की दर इस कारण से कि निवेश पर आय कम है या किसी अन्य कारण से अदा करने में असमर्थ है तो इस कमी को नियोक्ता पूरा करेगा।

21. नियोक्ता भविष्य निधि की चोरी के कारण लूट-थसूट, खाना, गबन अथवा किसी अन्य कारण से हुई हानि को पूरा करेगा।

22. नियोक्ता और न्यासी बोर्ड, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां प्रस्तुत करेगा जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निर्धारित करें।

23. उक्त स्कीम के पैरा 69 को शैली पर किसी कर्मचारी की निधि के सदस्य न रहने पर यदि स्थापना के भविष्य निधि नियमों में नियोक्ताओं के अंशदानों को जम्मा करने की व्यवस्था है तो न्यासी बोर्ड इस प्रकार जम्मा की गई राशियों का अलग से लेखा तैयार करेगा और उसे प्रयोजनों के लिए उपयोग करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति से सुनिश्चित किया गया हो।

24. स्थापना के भ. नि. नियमों में किसी बात के होते हुए भी मेवानिवृत्त होने अथवा किसी अन्य स्थापना में रोजगार लगने के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति के निधि की सदस्यता न रहने पर यदि यह देखने में आता है कि स्थापना के भ. नि. नियमों के अन्तर्गत अंशदान की दर, जम्मा आदि की दर, सांविधिक स्कीम की दरों को तुलना में कम अनुकूल है तो उस का अंतर नियोक्ता द्वारा दिया जाएगा।

25. नियोक्ता, भविष्य निधि के प्रशासन से सम्बन्धित सभी खर्च जिसमें लेखों के रख-रखाव रिटर्न प्रस्तुत किए जाने राशियों का अन्तरण शामिल है, वहन करेगा।

26. नियोक्ता समुचित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित निधि के नियमों की एक प्रति तथा जब भी कोई संशोधन होता है, उसकी मुख्य बातों को कर्मचारियों के बहुमत की भाषा में अनुवाद करके स्थापना के बोर्ड पर लगाएगा।

27. "समुचित सरकार" स्थापना की चालू छूट पर और शर्तें लगा सकती हैं।

28. यदि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत स्थापना वर्ग जिसमें उसकी स्थापना आती है, पर अंशदान की दर बढ़ायी जाती है, नियोक्ता भविष्य निधि अंशदान की दर उचित रूप में

बढ़ाएगा, ताकि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत दिए जाने वाले लाभों से स्थापना की स्कीम के अन्तर्गत दिए जाने वाले भविष्य निधि के लाभ किसी भी प्रकार से कम न हों।

29. उक्त शर्तों में से किसी एक से उल्लंघन पर छूट रद्द की जा सकती है।

[सं. एस-35015/2/94-एम. एस.-II]

जे. पी. शुक्ला, अव्वर सचिव

## MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Labour)

New Delhi, the 8th July, 1994

S.O. 1767.—Whereas M/s. CHK Electronics (Pvt.) Ltd. Krishna House 611, Venus Colony, Hind Street Alwarpet, Madras-18 (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) thereafter referred to as the said Act).

And whereas in the opinion of the Central Government the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of similar character ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme w.e.f. 1-4-83.

## SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (3) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

2. The rate of contribution payable under the provident fund rules of the establishment shall at no time be lower than those payable under the said Act in respect of the unexempted establishments and the said Scheme framed there-

3. In the matter of advances, the scheme of the exempted establishment shall not be less favourable than the Employees Provident Fund Scheme, 1952.

4. Any amendment to the said Scheme which is more beneficial to the employees than the existing rules of the establishment shall be made applicable to them automatically. The employer shall not however make any other amendment in its P.F. rules without the approval of Regional Provident Fund Commissioner. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their points of view.

5. All employees (as defined in section 2(f) of the said Act) who would have been eligible to become members of the Provident Fund had the establishment not less granted exemption shall be enrolled as members.

6. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory) or a provident fund of any other exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enroll him as a member of the fund and arrange to have the accumulations in the provident fund account of such employee with

his previous employer transferred and credited to his account.

7. The employer shall establish a Board of Trustees for the management of the provident fund according to such directions as may be given by the Central Government Fund Commissioner or by the Central Government, as the case may be, from time to time.

8. The provident fund shall vest in the Board of Trustees who will be responsible for and accountable to the Employees Provident Fund Organisation inter-alia for proper accounts of the receipts into and payments from the provident fund and the balances in their custody.

9. The Board of Trustees shall meet at least once in every three months and shall function in accordance with the guidelines that may be issued from time to time by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner or and officer authorised by him.

10. The accounts of the Provident Fund maintained by the Board of Trustees shall be subject to audit by a qualified independent Chartered Accountant annually. Where considered necessary, the Central Provident Fund Commissioner shall have the right to have the accounts re-audited by any other qualified auditor and the expenses so incurred shall be borne by the employer.

11. A copy to the audited annual provident fund accounts together with the audited balance sheet of the establishment for each accounting year shall be submitted to the Regional Provident Fund Commissioner within six months after the close of the financial year. For this purpose the financial year of the provident fund shall be from the 1st of April to the 31st of March.

12. The employer shall transfer to the Board of Trustees the contributions payable to the Provident Fund by himself and employees by the 15th of each month following the month for which the contributions are payable. The employer shall be liable to pay simple interest for any delay in payment of the establishment is liable in similar circumstances.

13. The Board of Trustees shall invest the monies in the fund as per directions that may be given by the Government from time to time. The securities shall be obtained in the name of the Board of Trustees and shall be kept in the custody of a Scheduled Bank under the credit control of the Reserve Bank of India.

14. Failure to make investments as per directions of the Government shall make the Board of Trustees severally and jointly liable to surcharge as may be imposed by the Central Provident Fund Commissioner or his representative.

15. The Board of Trustees shall maintain a scriptwise register and ensure timely realisation of interest.

16. The Board of Trustees shall maintain detailed accounts to show the contributions credited, withdrawal and interest in respect of each employee.

17. The Board shall issue an annual statement of accounts to every employee within six months of the close of financial/accounting year.

18. The Board may, instead of the annual statement of accounts, issue pass books to every employees. Those pass book shall remain in the custody of the employees and will be brought up to date by the Board on presentation by the employees.

19. The accounts of each employee shall be credited with interest calculated on the opening balance as on the 1st day of the accounting year at such rate as may be decided by the Board of Trustees but shall not be lower than the rate declared by the Central Government under para 60 of the said Scheme.

20. If the Board of Trustees are unable to pay interest at the rate declared by the Central Government for the reason that the return on investment is less or for any other reason than the deficiency shall be made good by the employer.

1675 GI/94-12

21. The employer shall also make good any other loss that may be caused to the Provident Fund due to theft, burglary, defalcation, mis-appropriation or any other reason.

22. The employer as well as the Board of Trustees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government/Central Provident Fund Commissioner may prescribe from time to time.

23. If the Provident Fund rules of the establishment provide for forfeiture of the employees' contribution in cases where an employee ceases to be a member of the fund on the lines of para 69 of the said Scheme, the Board of Trustees shall maintain a separate account of the amount so forfeited period to 1-1-90 utilised by the B-O-T for such purposes as may be determined with the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner.

24. Notwithstanding anything contained in the Provident Fund Rules of the establishment, if on the cessation of any individual from the membership of the fund consequent on retiring from service or on taking up the employment in some other establishment, it is found that the rate or contribution rate of forfeiture etc., under the P.F. Rules of the establishment are less favourable as compared to these under the statutory Scheme, the difference shall be borne by the employer.

25. The employer shall bear all the expenses of the administration of the provident fund including the maintenance of accounts, submission of returns, transfer of accumulations.

26. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate authority and as and when amended there to along with a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

27. The appropriate Government may lay down any further conditions for continued exemption of the establishment.

28. The employee shall enhance the rate of provident fund contributions appropriately if the rate of provident fund contribution is enhanced under the said Act so that the benefits under the Provident Fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefits provided under the said Act.

29. The exemption is liable to be cancelled for violation of any of the above conditions.

[No. S-35015/2/94-SS. II]

J P SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1994

का. आ. 1768.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचक में, केन्द्रीय सरकार इंडियन ओवरसीस बैंक के प्रबन्धनत्व के संबद्ध नियोक्ताओं और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/243/90-आई.आर. (बी-2)]

वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th July, 1994

S.O. 1768.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Overseas Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 12-7-94.

[No. L-12012/243/90-IR(B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer.

## ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT  
HYDERABAD

## PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I.

Dated : 22nd day of June, 1994

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 77 OF 1990

## BETWEEN :

The Workman of Indian Overseas Bank, Madras. ... Petitioner.

## AND

The Management of Indian Overseas Bank, Madras. ... Respondent.

## APPEARANCES :

Sri C. Suryanarayana, Advocate for the Petitioner.

Sri E. Madanmohan Rao, T. Bhaskar Rao and Ch. Lakshminarayana, Advocates for the Respondent.

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-12012/243/90-IR.B.(II) dt. 6-12-90 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of Indian Overseas Bank and their workman to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Indian Overseas Bank in discharging Sh. K. Kesava Rao, Shroff/Godown Keeper is justified? If not to what relief the workman is entitled?"

This reference is registered as Industrial Dispute No. 77 of 1990 and notices were served on both the parties.

2. The brief averments of the claim statement read as follows :—The Petitioner-Workman was appointed as Shroff/Godown Keeper in the Indian Overseas Bank, Gajulamandypam on 23-10-1978. He was transferred to Eluru and then to Vijayawada. The Respondent issued a charge sheet dt. 12-11-1987 to the Petitioner alleging misappropriation and by the same order placed him under suspension with immediate effect. The Disciplinary Authority himself conducted the enquiry. Though the allegations and charges against the Petitioner have not been established by the evidence on record, the Disciplinary Authority made perverse findings on the basis of the evidence in examination in chief of the two witnesses which he had also supplemented. In spite of the fact that the domestic enquiry was vitiated by violation of the principles of natural justice, absence of legal evidence in support of the charges/allegations, non-application of the Disciplinary Authority's mind to the evidence on record, the Disciplinary Authority dismissed the petitioner from service w.e.f. 28-9-1988. The petitioner submitted appeal on 25-10-1988. The

Appellate Authority heard him on 16-11-1988 but by his order dt. 25-11-1988 disposed of the appeal by modifying the punishment of dismissal into one of discharge of the Petitioner from the Bank's service in terms of Para 17.6(e) of the Bipartite Settlement dt. 14-12-1966 and dismissing the appeal. The petitioner submits that the said Para 17.6(e) is gross in violation of the principles of natural justice and is therefore illegal. The petitioner-workman therefore prays that this Hon'ble Tribunal may be pleased to set aside the disciplinary proceedings ab initio, including the appellate order, declaring that the entire proceedings are void ab initio and consequently, the Petitioner workman is entitled to reinstatement in service with full back wages, continuity of service, protection of his seniority, increments and promotions etc. The Petitioner workman prays that an Award be made accordingly.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent Bank is read as follows :—While functioning at Vijayawada Branch, the Petitioner workman was charge sheeted on 12-11-1987 and placed under suspension for certain serious irregularities committed by him at Vijayawada Branch. The charges relate to appropriation of Bank's funds, falsification of accounts, which are gross misconduct under the Bipartite Settlement between the Bank and its workmen dt. 14-12-1966 as amended upto date. The workman simply denied the charges by his letter dt. 25-11-1987 without going into the particulars of misconduct. As the workman denied the charges, enquiry followed as per the provisions of the Bipartite Settlement. The charges levelled against the workman were clearly found established in the enquiry. The workman was given further double opportunity of not only replying to the show cause notice but also the facility of a personal hearing against the proposed punishment. The guilty of the workman was proved on the basis of legal evidence supported by documentary evidences. The Disciplinary Authority after giving all opportunities as above dismissed the workman from Bank's service on 28-9-1988. The Bank has got the right to decide whether to initiate criminal proceedings against the workman or to take departmental action. The averments made in para 5.c of the claim statement as per the provisions of Para 17.6(e) the petitioner was discharged from service after condoning the misconduct. Mere Act of condoning the misconduct does not act as a bar to discharge as both misconduct committed by the workman is no doubt serious but the Appellate Authority has taken a lenient view considering the young age of the petitioner. Infact, the Hon'ble Supreme Court has held that such a discharge is only for the benefit of the workman in a Bank. The punishment is not excessive considering the gravity of the charge levelled proved against the petitioner. The workman is not entitled to reinstatement or any other benefit. The Respondent Bank also submits that the workman cannot be reinstated under any circumstances as the Bank has lost confidence in the workman. The claim petition is devoid of merits and liable to be dismissed.

4. The point for adjudication is whether the action of the Respondent Bank in discharging Sri K. Kesava Rao, Shroff/Godown Keeper is justified?

5. No oral evidence have been adduced by both the parties. No documents were marked by the Petitioner-workman. But Exs. M1 to M32 were marked by consent on behalf of the Respondent Bank.

6. There is no dispute with regard to the appointment of the petitioner workman in the Respondent Bank and the transfers of the petitioner workman from Gajulamandiyam Branch to Eluru and then to Vijayawada.

7. Before going into the merits of the case, this Tribunal passed an Order dt. 14-6-1994 on the validity of the domestic enquiry as preliminary point. This Tribunal held that the domestic enquiry conducted in this case is not vitiated for any reason.

8. The Petitioner workman was charge sheeted on 12-11-1987 and he was placed under suspension for certain serious irregularities committed by him while working as Shroff/Godown Keeper at Vijayawada Branch. The charges relate to misappropriation of Bank's funds and falsification of accounts which are "Gross misconduct" under the Bipartite Settlement between the bank and its workman dt. 14-12-1966 as amended upto date. The Bipartite Settlement is based on Sastry Award as amended by Desai Award. The Petitioner workman denied the charges by his letter dt. 25-11-1987. Thereafter, an enquiry was conducted in accordance with the provisions contained under Para 17.12 of the Bipartite Settlement by Sri K. B. Santhanam. After conclusion of the enquiry, ~~the defence representative~~ submitted summing up of ~~the case~~ by his letter dt. 25-5-1988. Thereafter the Disciplinary Authority proceeded to draw his findings and forwarded a copy of his findings along with show cause notice dt. 29-7-1988, proposing the punishment of dismissal from Bank's service in terms of Para 17.6(a) of the Bipartite Settlement. It is seen that the Petitioner workman was not only given opportunity to reply to the show cause notice but also was given a personal hearing against the proposed punishment, the personal hearing was held on 2-9-1988 wherein the petitioner and his defence representative attended the hearing and made their submissions. The Disciplinary Authority passed orders on 28-9-1988 dismissing the petitioner from Bank's service. It is further seen that the Disciplinary Authority gave his reasons also for not reducing the punishment proposed earlier. Thereafter the petitioner preferred an appeal by his letter dated 25-10-1988 seeking a personal hearing. The Appellate Authority gave a personal hearing on 16-11-1988 to the petitioner. Thereafter the Appellate Authority came to the conclusion that the ends of justice will be fully met by discharging the petitioner from Bank's service as per the provisions contained in Para 17.12(c) of the Bipartite Settlement and accordingly discharged the petitioner under Para 17.6(e) of the Bipartite Settlement dated 14-12-1966. I have perused the entire material on record. The charges of misappropriation and falsification of the Bank's books of accounts have been duly proved in the enquiry. As per the Bipartite Settlement, the Bank has got the right either to prosecute a workman or get him prosecuted or deal with him departmentally. The Respondent Bank has cited a judgement of the Delhi High Court in the case between WORKMEN OF

INDIAN OVERSEAS BANK v. INDIAN OVERSEAS BANK (1973) (1) LLJ, page 316 held as follows :

"The purpose of Cl. (2) really is only to give the right to the management to suspend an employee in case it chooses to proceed against him in a criminal court.... In my view, there is no reason to read the word "may" as "shall", nor is there anything in the context which should compel to read "may" as "shall". This interpretation seems to me to be against the interest of the employee who in many cases would welcome a departmental enquiry rather than face a criminal trial.... In my view, therefore, the Tribunal was correct in holding that Cl. 2(a) of Para 521 of the Award did not compel the management to prosecute the concerned workman and therefore no infirmity can be found with the dismissal order on the ground that the Management was bound in the first instance to proceed against the workman in the criminal court."

From the above decision it is laid down that the Respondent Bank has got the right to decide whether to initiate criminal proceedings against the workman or to take departmental action. The contention of the Petitioner are totally ill conceived and unreasonable. As seen from the available material on record that no principles of natural justice was violated and the procedures outlines in the Bipartite Settlement have been followed. It is also seen that the discharge of a workman is not a retrenchment under the Bipartite Settlement, and also not a punishment.

Having considered the entire material available on record, I am of the clear opinion that the Petitioner workman is not having any case. Hence the Petitioner workman is not liable to be reinstated into service and that the Respondent—Bank lost confidence in the petitioner workman.

9. In the result, the action of the Management of Indian Overseas Bank in discharging Shri K. Kesava Rao, Shroff/Godown Keeper is justified. The concerned workman is not entitled to be reinstated into service with full back wages, continuity of service etc. The workman is not entitled to get any kind of relief.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 22nd day of June, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

#### Appendix of Evidence

Witness examined on either side

NIL

Documents marked for the Petitioner—Workman

NIL

Documents marked for the Respondent—Management (by consent)

Ex. M1/12-11-1987.—Charge Sheet cum suspension order with enclosures issued to the workman (xerox copy).

Ex. M2/23-11-1987.—Xerox copy of the letter from the workman seeking time.

Ex. M3/25-11-1987.—Xerox copy of Reply to the charge sheet.

Ex. M4/21-12-1987.—Xerox copy of letter from the disciplinary authority to the workman.

Ex. M5/28-12-1987.—Xerox copy of the Enquiry Proceedings.

Ex. M6/14-11-1988.—Xerox copy of letter from the Disciplinary Authority to the workman.

Ex. M7/16-2-1988.—Xerox copy of the defence representative's letter to the Disciplinary Authority.

Ex. M8/17-2-1988.—Xerox copy of the letter advising postponement of enquiry.

Ex. M9/29-2-1988.—Xerox copy of Disciplinary Authority's letter to the workman.

Ex. M10/29-3-1988.—Xerox copy of the Enquiry Proceedings.

Ex. M11/27-4-1988.—Xerox copy of the disciplinary authority's letter to the workman.

Ex. M12/25-5-1988.—Xerox copy of the defence summoning up.

Ex. M13/29-7-1988.—Xerox copy of the show cause notice issued to the workman.

Ex. M14.—Xerox copy of the findings of the Enquiry Officer.

Ex. M15/9-8-1988.—Xerox copy of the Defence representative's letter to the Disciplinary Authority.

Ex. M16/10-8-1988.—Xerox copy of the letter addressed to the Defence representative by the Disciplinary Authority.

Ex. M17/2-9-1988.—Xerox copy of show cause letter for hearing.

Ex. M18/28-9-1988.—Xerox copy of Dismissal Order.

Ex. M19/25-10-1988.—Xerox copy of letter by the workman to the Disciplinary Authority.

Ex. M20/16-11-1988.—Xerox copy of the Appeal preferred by the workman to the Appellate Authority.

Ex. M21/25-11-1988.—Xerox copy of the Appellate Authority's order of Discharge.

Ex. M22/10-10-87.—Xerox copy of the Investigation report of Shri Ch. Achuth Kumar.

Ex. M23.—Ordinary letters despatch Register for May 1986 to 18-11-1986.

Ex. M24.—Ordinary and Registered Despatch Register from 19-11-1986 to 30-12-1986.

Ex. M25.—Registered letter despatch register 2-1-1987 to 30-7-1987.

Ex. M26.—Register of Ordinary letters despatch register 2-1-1987 to 31-7-1987.

Ex. M27.—Journal maintained by the Bank on 20-3-1987.

Ex. M28.—Journal maintained by the Bank on 11-4-1987.

Ex. M29.—Bunch of Postal receipts Nos. 4098 to 4655 and 124 to 126, 4039 to 4055, 3872 to 3888, 3837 to 3848.

Ex. M30/7-11-1989.—Xerox copy of the complaint given to ALC(C) Vijayawada U/s. 2A of the I.D. Act.

Ex. M31.—Xerox copy of comments by the Management to the Ex. M30.

Ex. M32.—Xerox copy of reply by the petitioner to Ex. M31.

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

का.आ. 1769.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री जी. एस. नम्बूदरी, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 2-5-94 से प्रगल्भा प्रादेश जारी होने तक उत्प्रवास संरक्षी, त्रिवेन्द्रम के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-22012/1/92-उत्प्रवास]

सी. डी. भारद्वाज, अवसर सचिव

New Delhi, the 13th July, 1994

S.O.1769.—In exercise of the powers conferred by Section 3 sub-section (1) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983) the Central Government hereby appoints Shri G. S. Namboothiri, Section Officer as Protector of Emigrants, Trivandrum with effect from 2nd May, 1994 till further orders.

[No. A-22012/1/92-Emig.]

C. D. BHARDWAJ, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

का.आ. 1770.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री विरेन्द्र कुमार, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 25-4-94 से प्रगल्भा प्रादेश जारी होने तक उत्प्रवास संरक्षी-II, बम्बई के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-22012/1/92-उत्प्रवास]

सी. डी. भारद्वाज, अवसर सचिव

New Delhi, the 13th July, 1994

S.O. 1770.—In exercise of the powers conferred by Section 3 sub-section (1) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983) the Central Government hereby appoints Shri Virender Kumar, Section Officer as Protector of Emigrants-II, Bombay with effect from 25th April, 1994 till further orders.

[No. A-22012/1/92-Emig.]

C. D. BHARDWAJ, Under Secy.